@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 26 जुलाई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 262 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

प्रधानमंत्री को भेजा अपना त्यागपत्र | कहा—'देश की युवाशक्ति को भ्रम के कुचक्र में फंसने नहीं दूंगा'

एजेंसी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक विवाद और पिछले कई हफ्तों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों और चौतरफा दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार की चौतरफा आलोचना हो रही थी और इस इस्तीफे को परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है।

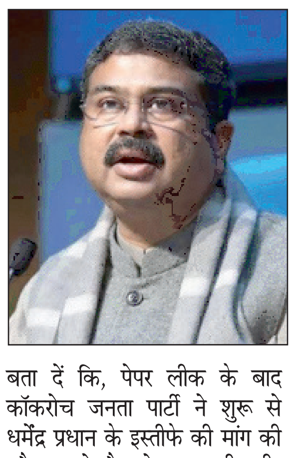

बता दें कि, पेपर लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुरू से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और अपने फैसले पर अड़ी रही। आज सरकार और सीजेपी के दूसरे दौर की वार्ता से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा सौंपा है।

धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर साझा किया पत्र

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा- मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

'देश के युवाओं की गहरा सम्मान करता हूं'

उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं।

'हम छात्रों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे'

पहले ही दिन से मैंने इसकी जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने आगे लिखा, 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे, जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली।

'मान ली गई हैं हमारी मांगें'

सीजेपी ने किया विरोध प्रदर्शन खत्म करने का एलान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय से चल रहा विरोध प्रदर्शन आखिरकार खत्म हो गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को अपना आंदोलन तुरंत प्रभाव से वापस लेने का बड़ा एलान किया। यह घोषणा केंद्र सरकार के साथ तीसरे दौर की बातचीत के बाद हुई। इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने शनिवार को सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में सीजेपी के सौरव दास शामिल थे। दोनों पक्षों के बीच बातचीत का तीसरा दौर सकारात्मक रहा। वार्ता के तुरंत बाद सीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धरना समाप्त करने की घोषणा की। पार्टी ने देश भर से आए प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्वक अपने घर लौटने की अपील की है। सौरव दास ने सरकार से बातचीत की सारी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि हमारी दूसरी मांग यह थी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर न केवल दिल्ली में बल्कि सभी भाजपा-शासित और भाजपा-सहयोगी राज्यों में वापस ली जानी चाहिए। यह हमारी दूसरी मांग थी। सरकार ने उस

सरकार और सीजेपी के बीच इन मुद्दों पर बनी सहमति

- प्रदर्शनकारियों पर दर्ज सभी केस वापस लिए जाएंगे।
- भविष्य में प्रदर्शनकारियों पर कोई एक्शन नहीं होगा।
- धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, हमारी पहली मांग पूरी।
- मंगलवार तक लिखित गारंटी दी जाएगी।

मांग को भी मान लिया है। साथ ही, इन्हें जल्द ही वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने हमें भरोसा दिलाया है कि वह दर्ज सभी एफआईर की कॉपी शेयर करेगी। हमारी आखिरी जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 15 से 20 एफआईआर दर्ज की गई थीं ।

फेक खबर के 400 से अधिक हैंडल की पहचान

युवती की मौत का दावा झूठा | पुलिस बोली-पाक से भी कनेक्शन

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने शनिवार को जंतर-मंतर प्रदर्शन से संबंधित गुमराह करने वाले वीडियो और पोस्ट को लेकर बड़ी जानकारी दी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों पर अपना पक्ष रखने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। डीसीपी सेंट्रल रोहित राजबीर सिंह ने इसकी जानकारी दी। दिल्ली पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर कई भ्रामक खबरें फैलाई गई हैं। गुमराह करने वाले पोस्ट बड़े पैमाने पर साझा हुए हैं। पुलिस ने सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल की बात कही है। झूठी खबर फैलाने वाले 400 से अधिक हैंडल की पहचान की गई है। इन हैंडलों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को सोनम वांगचुक का भी एक झूठा वीडियो सोशल मीडिया पर मिला है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि 20 जुलाई को किसी की भी मौत नहीं हुई थी। सेना की तैनाती की खबर भी पूरी तरह झूठी फैलाई गई थी।

पुलिस ने किया अफवाहों का खंडन

पुलिस ने जंतर-मंतर प्रदर्शन से जुड़ी कई अफवाहों का खंडन किया है। विशेष रूप से 20 जुलाई को किसी की मौत की खबर को गलत बताया गया। सेना की तैनाती की खबरें भी निराधार साबित हुई हैं। दिल्ली पुलिस ने इन झूठी सूचनाओं को फैलाने वालों पर नजर रखी है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर नेताओं की बयानबाजी

खरगे बोले-अहंकारी सत्ता के दरवाजे तक पहुंची छात्रों की आवाज

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर विपक्ष ने इसे छात्रों की जीत बताया है और पीएम मोदी की जिद की हार। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत के 'छात्रों की आवाज' आखिरकार उस अहंकारी सत्ता के दरवाजे तक पहुंच ही गई है। यह हमारे उन लाखों युवाओं की जीत है जिन्होंने शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए देश भर की सड़कों पर अपनी आवाज़ उठाई। यह सच की जीत है और मोदी की जिद की हार है। यह उन सभी परिवारों की जीत है जिन्होंने अपने बच्चों को खो दिया, क्योंकि यह सरकार भ्रष्ट है। यह एकजुट विपक्ष की जीत है, जिसने छात्रों के हित में संसद से लेकर सड़कों तक अपनी आवाज उठाई। खरने ने यह भी कहा कि अब मोदी की बारी है कि वे हमारी युवा पीढ़ी से माफी मांगें और उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें जिन्होंने उन पर लाठियां और पैलेट गन चलाईं।

लोकतंत्र के लिए बड़ी जीत: केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार को जनता के सामने झुकना पड़ा। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो मैसेज शेयर कर लिखा, 'धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर पूरे देश को बधाई। लोकतंत्र के लिए बड़ी जीत। यह छात्रों की जीत है, यह त्वद्दठ्ठ-5 की जीत है। आपलोगों का संघर्ष रंग लाया।

'यह लोकतंत्र की जीत है, सीजेपी और देश की 'जेन जी' को बधाई'

गुरुग्राम। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर जाने-माने शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने भी प्रतिक्रिया दी है। बता दें कि, सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर 20 दिन तक अनशन किया था। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सोनाम वांगचुक ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- यह लोकतंत्र की जीत है, सीधा लोकतंत्र... जो सड़कों से निकला है। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। सीजेपी और देश की 'जेन जी'को बधाई; और उन सभी नागरिकों का धन्यवाद जिन्होंने डर और डर के डर को त्यागकर देश के हर कोने से आवाज उठाई। जवाबदेही से अब सुधार की ओर।

'शिक्षा मंत्री का इस्तीफा व्यवस्था में बड़े बदलाव की दिशा में पहला कदम'

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने देश के युवाओं और छात्रों के नाम एक विशेष संदेश जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर वीडियो और लिखित पोस्ट के जरिए जारी इस संदेश में राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को देश की शिक्षा व्यवस्था में बड़े बदलाव की दिशा में एक अहम कदम बताया है। उन्होंने युवाओं व छात्रों को उनके संघर्ष के लिए बधाई दी है। राहुल गांधी ने सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने वाले लाखों छात्रों की हिम्मत की सराहना करते हुए कहा- 'धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हमारी शिक्षा प्रणाली को नया रूप देने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है।

छपरा में बेकाबू हुआ प्रदर्शन: भीड़ ने पुलिस वाहन फूंका; पथराव के बाद लाठीचार्ज

एजेंसी

छपरा । नीट पेपर लीक मामले को लेकर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का असर शनिवार को सारण जिले में भी व्यापक रूप से देखने को मिला। जिला मुख्यालय स्थित छपरा शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी छात्रों ने प्रदर्शन किया। हालांकि, नगर निगम क्षेत्र के नगरपालिका चौक, साहेबगंज, थाना चौक, डाक बंगला रोड, सदर अस्पताल चौक, दारोगा राय चौक, भरत मिलाप चौक और भगवान बाजार रोड पर प्रदर्शन सबसे अधिक उग्र हो गया।

पुलिस को करना पड़ा लाठीचार्ज

इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें दोनों ओर से पथराव की घटना सामने आई। स्थिति को

नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान उग्र भीड़ ने पुलिस के एक वाहन में आग लगा दी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आगजनी के बाद पूरे शहर में तनाव का माहौल बन गया। सुरक्षा के मद्देनजर कई दुकानदारों ने एहतियातन अपनी दुकानें बंद कर दीं। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई।

'अगर तनाव से मेरी मौत हुई तो...'

अस्पताल में पुलिस से वांगचुक की बहस का वीडियो वायरल

एजेंसी

गुरुग्राम। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सफदरजंग अस्पताल में सुरक्षा कर्मियों के साथ बहस करते नजर आ रहे हैं। अब मुझे परेशान क्यों किया जा रहा है? इसके बाद वीडियो में वांगचुक कहते सुनाई देते हैं- आप सभी मुझे परेशान कर रहे हैं। अगर तनाव के कारण मेरी मौत हो जाती है, तो इसकी जिम्मेदारी आपकी होगी। वह आगे दरवाजा खोलने की मांग करते हुए कहते हैं- कृपया खोलिए, मैं जा

अधिकारियों ने बताया है कि यह घटना उस समय हुई, जब वांगचुक मेदांता अस्पताल जाने की कोशिश कर रहे थे।

यह वीडियो उस बड़े वीडियो का हिस्सा है, जिसे वांगचुक ने शुक्रवार रात अपने सोशल मीडिया खाते और यूट्यूब पर साझा किया। इसमें उन्होंने 26 दिन के अनशन के बाद भी अपनी ईमानदारी साबित करने की जरूरत पर सवाल उठाया।

वीडियो में क्या कहते नजर आ रहे वांगचुक?

वीडियो में वांगचुक सुरक्षा कर्मियों से बहस करते दिखाई दे रहे हैं। वह आरोप लगाते हैं कि अनशन के दौरान उन्हें परेशान किया जा रहा है। एक समय वह कहते हैं- उन्हें कहो मुझे गिरफ्तार करें, मुझे गिरफ्तार करें, गिरफ्तार करें। मेरे अनशन के 20वें दिन तीन घंटे तक रहा हूं। मुझे गिरफ्तार कर लीजिए। आप लोगों को जबरदस्ती क्यों रोक रहे हैं... यह यातना है। अगर आप चाहते हैं तो अब मुझे गिरफ्तार कर लीजिए। आप मुझे जहां रोक सकते हैं रोकिए, देश को पता चलने दीजिए।

वीडियो में दिख रहा है कि बहस बढ़ने के बाद वांगचुक विरोध जताते हुए अस्पताल के फर्श पर लेट जाते हैं। समर्थक इस पूरी घटना की रिकॉर्डिंग करते रहते हैं। इस दौरान वह कहते सुनाई देते हैं- तस्वीरें खींचो, देखते हैं कौन आपका फोन छीनता है। इससे कुछ समय पहले ऐसा दिखाई देता है कि जब वांगचुक की टीम का एक सदस्य घटना की रिकॉर्डिंग कर रहा था, तब किसी ने उसके हाथ से फोन छीनने की कोशिश की थी। बातचीत के दौरान वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो भी गुस्सा जाहिर करती दिखाई देती हैं। फर्श पर लेटे हुए वांगचुक बार-बार कहते हैं कि अदालत का आदेश सार्वजनिक है। वह कहते हैं- यह डिजिटल रूप से हर जगह है। पूरी दुनिया को पता है, सिर्फ आपको नहीं। पूरी दुनिया जानती है।इसके बाद वह दोहराते हैं- अदालत का आदेश हर जगह है, पूरी दुनिया जानती है, सिर्फ आप लोगों को नहीं।

अधिकारियों ने क्या कहा?

अधिकारियों ने पुष्टि की कि वायरल वीडियो 21 जुलाई को सफदरजंग अस्पताल में रिकॉर्ड किया गया था। इसी दिन दिल्ली हाईकोर्ट ने वांगचुक के परिवार को बताया था कि उन्हें मेदांता अस्पताल भेजा जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा, यह 21 जुलाई का वीडियो है, जिस दिन अदालत ने सोनम के परिवार को बताया था कि उन्हें मेदांता अस्पताल भेजा जा सकता है। वांगचुक को रोकने की वजह बताते हुए अधिकारी ने कहा कि वह मेदांता अस्पताल जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें जाने की अनुमति नहीं दी गई, क्योंकि हम पहले अदालत के आदेश का इंतजार कर रहे थे। इसलिए उन्हें रोका जा रहा था।

अस्पताल ने भी जारी किया बयान

इस बीच, सफदरजंग अस्पताल ने भी कहा कि वायरल वीडियो उस समय रिकॉर्ड किया गया था, जब अस्पताल प्रशासन को सोनम वांगचुक को मेदांता अस्पताल भेजने की अनुमति देने वाला दिल्ली हाईकोर्ट का लिखित आदेश नहीं मिला था। अस्पताल के अनुसार, वांगचुक मीडिया में आई खबरों के आधार पर अस्पताल छोड़ना चाहते थे, जबकि अदालत का औपचारिक लिखित आदेश प्रशासन तक नहीं पहुंचा था।

जंतर-मंतर पर हंगामा, पथराव और पानी की बोतल फेंकी

पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले; किया लाठीचार्ज

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के जंतर-मंतर के टॉलस्टॉय मार्ग पर शनिवार दोपहर को एक बार फिर से प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव का माहौल हो गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, इस पर हालात बिगड़ गए। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस और आरएएफ की टीम ने आंसू गैस के गोले छोड़े।

जानकारी के अनुसार, राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन में शनिवार को अचानक भगदड़ मच गई। इस अप्रत्याशित घटना से मौके पर अफरा-तफरी और गरमा-गर्मी का माहौल बन गया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच सीधी भिड़ंत देखने को मिली, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के कई गोले दागे।

इसके जवाब में प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिसकर्मियों पर पानी की बोतलें और पत्थर फेंककर विरोध जताया। प्रदर्शन स्थल पर लगातार तनावपूर्ण स्थिति बनी रही, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। प्रदर्शनकारियों के बीच अचानक धक्का-मुक्की हुई। इसके कारण कई लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगे। यह हिंसक झड़प विशेष रूप से पार्क होटल के सामने संसद मार्ग और टॉलस्टाय मार्ग के टी-पॉइंट पर हुई। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी रही। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

यूपी में प्रदर्शन के दौरान हिंसा

लखनऊ। यूपी में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के समर्थन में प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, मेरठ समेत कई शहरों में प्रदर्शन हुए। प्रयागराज में शनिवार को 10 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं सड़क पर उतर आए। भारी बारिश के बीच भी रुके

नहीं, जोरदार प्रदर्शन किया। प्रयागराज में छात्र हाथों में संविधान लेकर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े थे। कुछ बारिश में डांस कर रहे थे। कुछ ताली-थाली बजा रहे थे। कुछ जगहों पर भीड़ बेकाबू हो गई। सांसद लिखी एक फॉर्च्यूनर कार पलट दी। एक स्कॉर्पियो के शीशे फोड़ दिए

मप्र के राजगढ़ जिले में कार डैम में गिरी, चार की मौत

एजेंसी

राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में शनिवार को एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डैम में जा गिरी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खुजनेर थाना पुलिस के अनुसार, तेज रफ्तार स्विफ्ट कार शनिवार को शुजालपुर की ओर जा रही थी। भीलखेड़ी जोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित डैम में जा गिरी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। कार पूरी तरह पानी में डूब चुकी थी। खुजनेर थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने बताया कि रेस्क्यू टीम ने क्रेन की मदद से कार को डैम से बाहर निकाला गया और उन्हें तत्काल

खुजनेर अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। सभी मृतक पास के अरन्या गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। वहीं, एक व्यक्ति घायल हुआ है, जिसका उपचार जारी है।

सपा-कांग्रेस की देन हैं नकल माफिया, इनकी जगह जेल या जहन्नुम : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी ने फतेहपुर में 489 करोड़ की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

एजेंसी

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि नकल माफिया समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की देन है। इनकी जगह जेल या जहन्नुम होगी। नकल माफिया मिट्टी में मिलेंगे। युवाओं के भविष्य के खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ नरेन्द्र मोदी सरकार ने कड़े फैसले लिए हैं। इसके लिए मै प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देता हूं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जनपद फतेहपुर की दो विधान सभा क्षेत्रों में 489 करोड़ से अधिक की 125 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। जनपद के पौराणिक स्थलों, वीरों, कवियों, लेखकों और पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी को नमन करते हुए कहा कि 2017 से पहले फतेहपुर आकांक्षी जनपद में शामिल था। यानी सबसे पिछड़ा जनपद था। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि विकास, आद्योगिक विकास और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर में जो पैरामीटर

देश के अंदर तय किए गए थे, उनमें सबसे पिछड़े जनपदों में फतेहपुर की गिनती होती थी। विकास यहां से कोसो दूर था। योगी ने यहां के विकास के पैसों की सैफई सिंडिकेट द्वारा लूट मचा दी जाती थी। फतेहपुर जनपद सैफई सिंडिकेट के डकैती का अड्डा बन गया था। यहां की योजनाओं को सैफई के अंदर नाच गानों पर खर्च कर दिया जाता था। तब यहां न सड़क थी, न बिजली थी, न मेडिकल कॉलेज था और औद्योगिक निवेश की बात ही क्यों करनी है। उस प्रकार वातावरण ही नहीं था। बड़ी अजीब-सी परिस्थिति थी। एक ओर कानपुर का औद्योगिक क्षेत्र और एक ओर प्रयागराज का आद्योगिक क्षेत्र। एक ओर गंगा दूसरी ओर यमुना लेकिन यह जनपद पिछड़ा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जनपद के नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। सैफई सिंडिकेट नौजवानों की नौकरी पर डकैती डालता था। एक नौकरी निकलती थी। चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली करने के लिए निकल पड़ती थी।

संक्षिप्त समाचार

छह दिन बाद फिर शुरू हुई श्री अमरनाथ यात्रा, भगवती नगर से 18वां जत्था बालटाल के लिए रवाना

जम्मू, एजेंसी। जम्मू जम्मू-कश्मीर में लगातार छह दिनों तक खराब मौसम के कारण स्थगित रही श्री अमरनाथ यात्रा एक बार फिर शुरू हो गई है। शनिवार को श्री अमरनाथ यात्रा का 18वां जत्था जम्मू के भगवती नगर से बालटाल मार्ग के जरिए रवाना हुआ। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए खराब मौसम के चलते यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया था। हालांकि, यात्रा स्थगित रहने के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। शनिवार को दोबारा यात्रा शुरू होने पर श्रद्धालु उत्साहित दिखाई दिए। पहली बार बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जा रहे एक श्रद्धालु ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'मेरे दिमाग में बस यही है कि बाबा के दर्शन करने हैं। इसलिए हम लोग बारिश के समय में भी यहां दर्शन के लिए पहुंचे हैं।' तीसरी बार अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू पहुंचे एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, 'मुझे तीसरी बार यहां आने का अवसर मिला है। मैं पहली बार 2023 में यहां आया था। अभी यहां पर श्रद्धालुओं के लिए अच्छी व्यवस्थाएं हैं।' मध्य प्रदेश के सागर जिले के निवासी एक व्यक्ति ने कहा, 'मैंने पिछली बार 2002 में अपने गुरु के साथ अमरनाथ यात्रा के लिए आया था। बारिश के दौरान हम प्रार्थना कर रहे थे कि यह रुकनी चाहिए, क्योंकि अमरनाथ यात्रा में कुछ दिन ही बाकी हैं।' छह दिन तक रुकी रही अमरनाथ यात्रा के फिर से शुरू होने पर एक और श्रद्धालु ने कहा, 'यात्रा फिर से शुरू होने से मैं बहुत खुश हूं। लोग पिछले 6-7 दिनों से यहां फंसे हुए थे।

दिल्ली के वसंत कुंज में नाले में गिरी कार, आर्मी अधिकारी के 20 वर्षीय बेटे की मौत ; अमेरिका में कर रहा था पढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के वसंत कुंज साउथ इलाके में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में अमेरिका में पढ़ाई कर रहे 20 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। हादसा नांगल देवत रेड लाइट के पास हुआ, जहां फिसलन भरी सड़क पर कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी और पलट गई. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 24 जुलाई की सुबह थाना वसंत कुंज साउथ में नांगल देवत रेड लाइट के पास सड़क हादसे की पीसीआर कॉल मिली. पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि एक कार नाले में पलटी हुई थी. हादसे में 20 वर्षीय यशवेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. जांच में पता चला कि यशवेंद्र अपनी महिला मित्र के साथ कार से जा रहा था, दोनों अमेरिका के एक ही शिक्षण संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और वहीं उनकी दोस्ती हुई थी. पिछली रात दोनों एक दोस्त के घर रुके थे और शुक्रवार सुबह महिला मित्र को उसके वसंत कुंज स्थित घर छोड़ने जा रहे थे. नांगल देवत रेड लाइट के पास तेज मोड़ लेते समय सड़क पर फिसलन होने के कारण कार चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और कार नाले में गिरकर पलट गई. डीसीपी दक्षिण-पश्चिम के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण सड़क पर फिसलन प्रतीत हो रहा है। दुर्घटना के समय कार मृतक यशवेंद्र चला रहा था, जबकि उसकी महिला मित्र कार में थी. महिला सहयात्री के बयान में भी सड़क पर फिसलन की बात सामने आई है. मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है और दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच जारी है. पुलिस के अनुसार, मृतक यशवेंद्र भारतीय सेना के एक अधिकारी का बेटा था. वहीं महिला सहयात्री वसंत कुंज की रहने वाली है. उसके पिता ओखला स्थित एक निजी कंपनी में साइबर सिक्योरिटी क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि उसकी मां गृहिणी है. फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. शुरुआती जांच में हादसे की वजह सड़क पर फिसलन मानी जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके।

महाराष्ट्र टी ई टी पेपर लीक मामले में बड़ा ऐक्शन, बिहार से गिरफ्तार किया गया मास्टरमाइंड बिरेंद्र गुप्ता

मुंबई, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन के बीच ही महाराष्ट्र टी ई टी पेपर लीक मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी बिरेंद्र कुमार सिंह को बिहार से गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिकभिवंडी पुलिस गिरफ्तार करने के बाद मुख्य आरोपी को लेकर पुणे पहुंची है। अब उसे भिवंडी पुलिस स्टेशन ले जाया जाएगा और पुछताछ की जाएगी। बिरेंद्र कई महीनों से गिरफ्तारी से बच रहा था। कई चर्चित पेपर लीक मामलों में उसका ना आ चुका है। एक न्यूज चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में उसनने 2024 के नीट पेपर लीक को लेकर कई हैरान करने वाले दावे किए थे। उसने बताया था कि पेपर लीक गैंग कैसे काम करता है। इसके अलावा एनटीए की परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों के बारे में भी उसने बताया था। महाराष्ट्र टी ई टी पेपर लीक मामले में बिरेंद्र गुप्ता से पहले कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इसमें उसकी पत्नी का भी नाम शामलि है। महाराष्ट्र पुलिस का कहना है कि बिरेंद्र की गिरफ्तारी से पेपर लीक नेटवर्क को लेकर कई बातें सामने आएँगी।

योगी सरकार की बड़ी कार्रवाई: देहरादून में नकली दवा फैक्ट्री पर छापा, एक करोड़ की नकली दवाएं बरामद, दो गिरफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त नीति के तहत चलाए जा रहे अभियान में एक और बड़ी सफलता मिली है। लखनऊ के अमीनाबाद में बरामद नकली 'फ्लोज़ेन दवा के सैंपल से शुरू हुई जांच ने आखिरकार देहरादून में संचालित अवैध दवा निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश कर दिया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) उत्तर प्रदेश ने डिजिटल साक्ष्यों और मोबाइल चैट के आधार पर पूरे अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा किया। क्राइम ब्रांच गाजियाबाद के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए एफएसडीए ने देहरादून में संचालित अवैध नकली दवा निर्माण फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब एक करोड़ रुपये मूल्य की नकली दवाएं, पैकेजिंग सामग्री और आधुनिक मशीनरी बरामद की है। इस संयुक्त अभियान में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

अमीनाबाद की कार्रवाई बनी बड़े खुलासे की कड़ी : 19 जुलाई 2026 को थाना अमीनाबाद, लखनऊ में नकली दवाओं के भंडारण और बिक्री के मामले में दर्ज मुकदमे के दौरान 43 प्रकार की नकली दवाएं बरामद हुई थीं। शुरुआती जांच में मिले दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर एफएसडीए मुख्यालय ने विशेष प्रवर्तन टीम गठित की। टीम ने मोबाइल डेटा, व्हाट्सएप चैट, पैकेजिंग पैटर्न और सप्लाई चेन का विश्लेषण करते हुए पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई कि गिरोह का मुख्य सप्लायर राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा गाजियाबाद में मौजूद है। इसके बाद एफएसडीए की विशेष टीम ने क्राइम ब्रांच गाजियाबाद के सहयोग से उसे 22 जुलाई को केडब्ल्यू मॉल, राजनगर एक्सटेंशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने बताया कि अमीनाबाद में हुई कार्रवाई के दौरान बरामद टैबलेट 'फ्लोज़ेन ए ए' दवा का नमूना जांच में स्प्यूरियस (नकली) पाया गया था। इसी बीच गिरफ्तार आरोपी राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा के मोबाइल की डिजिटल जांच में स्न्द्यश्5द्गठ्ठ ब्रांड की नकली स्ट्रिप्स की तस्वीरें, पैकेजिंग से जुड़े दस्तावेज और मशीनों से संबंधित व्हाट्सएप चैट मिलीं। इन डिजिटल साक्ष्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि लखनऊ में बरामद नकली दवा और देहरादून में संचालित अवैध फैक्ट्री एक ही अंतरराज्यीय नेटवर्क का हिस्सा हैं। इसी सुराग के आधार पर जांच आगे बढ़ी और देहरादून स्थित फैक्ट्री पर छापा मार कर पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश किया गया।

मोबाइल की जांच से खुलीं फैक्ट्री की परतें : गिरफ्तार आरोपी के मोबाइल की डिजिटल फॉरेंसिक जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। व्हाट्सएप चैट में प्रसिद्ध दवा ब्रांडों की नकली स्ट्रिप्स, पैकेजिंग सामग्री, मशीनों के स्पेयर पार्ट्स और निर्माण से जुड़ी तस्वीरें मिलीं। जांच में यह भी सामने आया कि पैकेजिंग पर जानबूझकर ऐसे बदलाव किए गए थे जिन्हें आम ग्राहक आसानी से पहचान नहीं सकता था। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर देहरादून स्थित अवैध फैक्ट्री का पता चला। आरोपी की निशानदेही पर उत्तर प्रदेश एफएसडीए, क्राइम ब्रांच गाजियाबाद और उत्तराखंड एफएसडीए के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने देहरादून के देवीपुर न्यू हाईवे रोड, ईस्ट होपटाउन स्थित परिसर में छापा मारा। यहां एक कमरे में आधुनिक अलू-अलू पैकिंग मशीन, स्ट्रिप मशीन, इंकजेट बेल्ट प्रिंटर, कंप्रेसर, हाई वोल्टेज स्टेबलाइजर, बड़ी मात्रा में सेमीफिनिश टैबलेट और कैप्सूल, प्रिंटेड एल्युमिनियम फॉयल, रैपर और मास्टर कार्टन बरामद किए गए। मौके पर मिले साक्ष्यों से स्पष्ट हुआ कि यहां बिना किसी वैध लाइसेंस के नकली दवाओं का निर्माण कर उन्हें प्रसिद्ध कंपनियों की पैकेजिंग में भरकर बाजार में भेजने की तैयारी की जा रही थी।

नामी कंपनियों के नाम का हो रहा था दुरुपयोग : छापेमारी के दौरान कई चर्चित दवा ब्रांडों की नकली पैकिंग सामग्री बरामद हुई। अधिकारियों का मानना है कि इन दवाओं को असली बताकर विभिन्न राज्यों के बाजारों में सप्लाई किया जा रहा था। इस मामले में गौरव त्यागी, राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा, विपिन भटनागर और विनय चंद को नामजद किया गया है। राजेंद्र सिंह उर्फ अरुण टुंडा तथा विनय चंद को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं, जिनमें संगठित अपराध से संबंधित धारा 111 भी शामिल है, के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जांच एजेंसियां पूरे आर्थिक नेटवर्क तथा सप्लाई चेन की भी पड़ताल कर रही हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ रोशन जैकब ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में नकली दवाओं के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी गिरोह को बख्शा नहीं जाएगा। विभाग केवल नकली दवाएं जब्त करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि निर्माण से लेकर सप्लाई और बिक्री तक पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए कार्रवाई जारी रखेगा।

अखिलेश यादव का भाजपा पर बड़ा हमला, बोले- समर्थक भी पार्टी की कार्यशैली से शर्मिंदा महसूस कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए दावा किया कि अब भाजपा के समर्थक भी पार्टी की कार्यशैली से निराश और शर्मिंदा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और वाहनों से भाजपा के झंडे हटाने शुरू कर दिए हैं, आने वाले समय में भाजपा उनके दिल-दिमाग से भी उतर जाएगी। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने समर्थकों को प्रदर्शनकारियों के बीच भेजकर युवाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रही है, जबकि दूसरी ओर उसके समर्थक खुद पार्टी से दूरी बनाने लगे हैं। उन्होंने अयोध्या, दिल्ली, मुंबई और लखनऊ से जुड़े विभिन्न मामलों का उल्लेख करते हुए भाजपा पर जनभावनाओं के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। सपा प्रमुख ने कहा कि पिछले कई वर्षों तक भाजपा का बचाव करने वाले उसके कट्टर समर्थकों को भी अब पार्टी की कार्यशैली पर पछतावा होने लगा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने, सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग, महंगाई, शिक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में कथित धांधली तथा विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई जैसे कई गंभीर आरोप भी लगाए।

युवाओं के मुद्दे पर भाजपा को घेरा : अखिलेश यादव ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि एक ओर भाजपा और उसके सहयोगी अपने लोगों को प्रदर्शनकारियों के बीच भेजकर युवाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जब ऐसे लोगों को 'भाजपाई' कहा जाता है तो वे चिढ़ जाते हैं।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थक अयोध्या में कथित 'चढ़ावा-चंदा-दान चोरी', दिल्ली में बच्चियों पर कथित अत्याचार, युवाओं के खिलाफ हिंसा, मुंबई में आंदोलनकारियों को कथित रूप से ड्रग्स के झूठे मामलों में फंसाने की धमकी और लखनऊ अग्निकांड में मृतक बच्चे की मां के साथ मुख्यमंत्री के कथित दुर्व्यवहार जैसी घटनाओं से शर्मिंदा हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के 'पेड और अनपेड' समर्थक भी अब जनाक्रोश को देखते हुए खुलकर सामने आने से बच रहे हैं। उनके अनुसार, भाजपा समर्थकों के व्हाट्सएप समूह भी पहले की तरह सक्रिय नहीं हैं और वे सार्वजनिक स्थानों पर जाने से भी परहेज कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले 10-12 वर्षों में भाजपा के कट्टर समर्थकों ने हर मुद्दे पर पार्टी का बचाव किया और इसके लिए अपने मित्रों तथा परिचितों से भी विवाद मोल लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बनाया इंस्टाग्राम रील्स का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, 10 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेन-जी से कनेक्ट करने के लिए अब एक्स के साथ-साथ इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव होने का फैसला कर लिया है। इंस्टाग्राम पर आते ही उन्होंने अपनी पहली रील से ही तहलका मचा दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने जेन-जी को संबोधित करते हुए अपनी पहली रील गुरुवार रात शेयर की थी, जिसने 24 घंटे में ही वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया।

पीएम मोदी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे के अंदर इंस्टाग्राम रील पर सबसे ज्यादा व्यूज (303 मिलियन से ज्यादा) का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले का रिकॉर्ड 300 मिलियन व्यूज का था। नीट पेपर लीक के खिलाफ चल रहे विरोध-प्रदर्शनों को 'जेन-जी' का आंदोलन बताया जा रहा है। 'जेन-जी' की अपनी अलग पसंद और प्राथमिकताएं हैं और वे फेसबुक या एक्स जैसे प्लेटफॉर्म के मुकाबले इंस्टाग्राम जैसे ऐप्स पर ज्यादा एक्टिव रहते हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट के सहयोगियों को इंस्टाग्राम इस्तेमाल करने और उस पर अपनी एक्टिविटी बढ़ाने की सलाह दी है।

पीएम मोदी और राहुल गांधी के फॉलोअर्स : इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की बात करें तो पीएम नरेंद्र मोदी यहां भी सबसे आगे हैं। इस प्लेटफॉर्म पर उनके 102 मिलियन (10.2 करोड़) फॉलोअर्स हैं, जिससे वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक बन गए हैं। वहीं, राहुल गांधी के इंस्टाग्राम पर 14 मिलियन (1.4 करोड़) फॉलोअर्स हैं। मोदी कैबिनेट में भी फॉलोअर्स में उनके मुकाबले कोई भी 26 मिलियन फॉलोअर्स तक पार नहीं कर पाया है। कैबिनेट की बात करें तो पीएम मोदी के बाद गृह मंत्री अमित शाह का नंबर आता है। अमित शाह के अभी 35.2 मिलियन (3.52 करोड़) फॉलोअर्स हैं। इसके बाद नितिन गडकरी हैं, जिनके 6.6 मिलियन (66 लाख) फॉलोअर्स हैं। उनके बाद शिवराज सिंह चौहान (4.83 मिलियन या 48.3 लाख फॉलोअर्स) और चिराग पासवान (3.84 मिलियन या 38.4 लाख फॉलोअर्स) का नंबर आता है। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के 3.49 मिलियन (34.9 लाख) फॉलोअर्स हैं और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कुल 2.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सौदा करना होता तो भूखा नहीं रहता: सोनम वांगचुक

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक विरोध और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 26 दिनों तक अनशन पर बैठे रहे सोनम वांगचुक का दिल टूट गया है। अनशन खत्म करने के बाद उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। इन आलोचनाओं का जवाब देते हुए सोनम वांगचुक ने शुक्रवार रात को सोशल मीडिया एक वीडियो शेयर कर अपनी बात रखी। वीडियो में सोनम वांगचुक ने कहा कि फिजिकली, लड़कर झगड़कर, हड़ताल के अंदर एक और हड़ताल करके, जमीन पर लेटकर जो ताकत 20वें दिन मुझमें बची थी, वो ताकत लगाकर मुझे बाहर निकलना पड़ा। दोस्तों, ये वीडियो मैं थोड़ा दुख और हैरानी के साथ बना रहा हूं।

सोनम वांगचुक ने आलोचकों को दिया जवाब : अपने भाइयों-बहनों और छात्रों के लिए 26 दिन भूखा रहने के बाद, जिसमें कि मेरा 11 किलो शरीर खत्म हो गया है, मसल्स चले गए हैं, बॉडी के ऑर्गन्स और दिमाग लगभग डैमेज हो चुके हैं, लद्दाख की कड़कड़ाती ठंड से निकलकर दिल्ली की तपती धरती पर अनशन करने के बाद, क्या मुझे किसी से चरित्र प्रमाणपत्र लेना होगा कि मेरा अनशन कितना पवित्र था, मैंने अनशन तोड़ा तो क्यों तोड़ा और किसके हाथों तोड़ा और किसके हाथों से नहीं तोड़ा। अब मैं थोड़ा तरल पदार्थ ले रहा हूं। मुझे लगातार फोन आ रहे हैं कि अनशन तोड़ने के लिए मैंने कोई डील की है।

सौदा करना होता तो भूखा नहीं रहता : सोनम वांगचुक ने कहा कि अगर मुझे डील करनी होती तो 26 दिन भूखा रहने की क्या जरूरत थी? अगर मुझे सौदा करना होता तो क्या एसी के कमरे में बैठकर सौदा नहीं करता? यहां दिल्ली की गर्मी में तपने की क्या जरूरत थी? धिक्कार है ऐसे देश पर, जिसमें ऐसी सोच वाले लोग रहते हैं, जो इस तरह की बेहुदगीभरी बातें करते हैं। सोनम वांगचुक पर आरोप लगाए जा रहे थे कि भूख हड़ताल की आड़ में उन्होंने सरकार के साथ सौदा किया। लोगों का कहना है कि उन्होंने सरकार के साथ कोई सीक्रेट डील की है, इसलिए उन्होंने देर रात अनशन छोड़ दिया है।

जेपी नड्डा-जितेंद्र सिंह से मुलाकात के बाद तोड़ा अनशन : बता दें कि गुरुवार रात को सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने गुरुवार की देर रात 26 दिनों से जारी अनशन तोड़ दिया। सोनम ने अनशन तोड़ने का फैसला केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह से मुलाकात के बाद लिया। सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नीट पेपर लीक को लेकर जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन के समर्थन में 28 जून को अनशन शुरू किया था। इसी बीच तबीयत खराब होने के बाद सोनम को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर सोनम को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अभी-अभी केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह तथा लेह-लद्दाख की सर्वोच्च समिति के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में मैंने 26 दिनों के बाद अपना अनशन तोड़ा। इससे पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के 65 सांसदों ने मुझसे मुलाकात की थी या पत्र लिखकर मुझसे अनशन तोड़ने का आग्रह किया था। यह देश में संभावित हिंसा को देखते हुए और विभिन्न शर्तों पर लंबी बातचीत के बाद किया गया।

सुप्रीम कोर्ट सबके लिए खुला है...सीजेआई सूर्यकांत का बड़ा बयान, बोले- मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और उससे जुड़े विवाद के बीच भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई सूर्यकांत ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट हर नागरिक के लिए खुला है और किसी भी मामले की सुनवाई से कभी इनकार नहीं करता। उन्होंने कहा कि उनके पहले दिए गए बयान को मीडिया में गलत संदर्भ में पेश किया गया। यूएनसीआईटीआरएएल सम्मेलन के इतर एक न्यूज चैनल से बातचीत में ष्टछ्वढ्ढ सूर्यकांत ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट सभी लोगों के लिए खुला है। हम 24 घंटे, सातों दिन उपलब्ध हैं। सुप्रीम कोर्ट कभी भी किसी भी मुद्दे पर सुनवाई करने से इनकार नहीं करता। छात्र आंदोलन से जुड़ी याचिकाएं सोमवार को होंगी सूचीबद्ध मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि छात्र आंदोलन से संबंधित जिन याचिकाओं का शुक्रवार को अदालत के समक्ष उल्लेख किया गया, उन्हें सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अदालत सभी के लिए खुली है, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, 'यदि कोई केवल पत्र भेजकर यह अपेक्षा करे कि उसकी याचिका पर तत्काल सुनवाई हो जाए, तो ऐसा संभव नहीं है। अदालत तय प्रक्रिया के अनुसार ही मामलों की सुनवाई करती है।

किस बयान पर शुरू हुआ विवाद : यह विवाद उस टिप्पणी के बाद शुरू हुआ था, जब बुधवार को छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ तत्काल हस्तक्षेप की मांग वाली याचिका का उल्लेख सुप्रीम कोर्ट में किया गया था। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पुलिस कार्रवाई से जुड़े वीडियो का हवाला देते हुए तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। उस समय सीजेआई ने कहा था, 'हमें वीडियो में दिलचस्पी नहीं है। हमारे पास वीडियो देखने का समय नहीं है।' साथ ही पीठ ने तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा था कि केवल अदालत को पत्र भेज देने से किसी मामले को तुरंत सूचीबद्ध नहीं किया जा सकता। जब मुख्य न्यायाधीश से यह पूछा गया कि कुछ प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उनकी पूर्व टिप्पणी के बाद ही कॉकरोच जनता पार्टी का गठन हुआ, तो उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए केवल 'नो कमेंट्स' कहा। यूएनसीआईटीआरएएल सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय न्यायिक सहयोग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उनके अनुसार, ऐसे सहयोग से दुनिया के सामने भारत की न्यायिक व्यवस्था, तकनीकी प्रगति और विकास को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है।

नई पीढ़ी सवाल पूछती है, हमें उनसे बातचीत करनी होगी: आरएसएस प्रमुख भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आज की युवा पीढ़ी हर चीज में तर्क खोजती है और वह आदेश के बजाय संवाद में विश्वास रखती है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूली किताबों में हिंदू देवी-देवताओं के बारे में जानकारी शामिल की जानी चाहिए, ताकि बच्चों की जिज्ञासाओं को शांत किया जा सके। भागवत 'विश्व मांगल्य सभा' कार्यक्रम में 'समकालीन मातृत्व' विषय पर सत्र को संबोधित कर रहे थे।

किताबों में शामिल हो हिंदू देवी-देवताओं की जानकारी : आरएसएस प्रमुख ने कहा कि खासकर विदेशों में रहने वाले बच्चे अक्सर सवाल पूछते हैं कि भगवान का चेहरा बंदर या हाथी का क्यों है? जब वे घर आकर ये सवाल करते हैं, तो अक्सर माता-पिता को भी इसका जवाब नहीं पता होता। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन विषयों को स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बच्चों को पूरी तरह से सिर्फ किताबों के भरोसे भी नहीं छोड़ा जा सकता।

युवा पीढ़ी को आदेश नहीं, संवाद चाहिए : युवाओं की बदलती सोच का जिक्र करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि आज के बच्चे सिर्फ आदेश का पालन नहीं करते, बल्कि हर बात का विश्लेषण करते हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी सवाल पूछती है और वे हर चीज के पीछे का लॉजिक जानना चाहते हैं, इसलिए हमें उनसे खुलकर बातचीत करनी होगी।

अंग्रेजों ने हमारे दिमाग को बदला : आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि अंग्रेजों ने हमारे दिमाग को बदल कर यह साबित करने की कोशिश की कि हमारा अध्यात्म और परंपराएं गलत हैं और उनका विज्ञान सही है। उन्होंने कहा, 'हम अपने आप को, अपनी परंपराओं और अपने अध्यात्म को भूल गए हैं। उसे फिर से जानने का समय आ गया है।' उन्होंने कहा कि तथागत के समय में हमारी परंपराएं फिर से स्थापित हुईं, लेकिन उसके बाद देश पर आक्रमणों का सिलसिला शुरू हुआ और आखिर में जो आए यानी अंग्रेजों ने तो हमारे दिमाग को ही बदल डाला। उन्होंने हमारे मन में ऐसा भ्रम पैदा किया कि हमारा अध्यात्म और परंपराएं भांग और गंजा तथा नशेड़ियों में घायल संगीत है और उनका विज्ञान सही है। भागवत ने मातृत्व को सृष्टि के निर्माण, पोषण और समाज की निरंतरता का आधार बताया। उन्होंने कहा कि मां बच्चे की पहली गुरु होती है, जो उसके विचारों को सही दिशा देती है और जीवनभर भावनात्मक सहारा बनती है। आरएसएस चीफ के अनुसार, बच्चे उपदेश से ज्यादा देखकर सीखते हैं। इसलिए माता-पिता को अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहिए, बच्चों से खुला संवाद रखना चाहिए और उनके सामने एक अच्छा उदाहरण पेश करना चाहिए। माता-पिता को अपना ज्ञान भी लगातार बढ़ाते रहना चाहिए।

टोल टैक्स में मिलेगी बड़ी राहत, 40 प्रतिशत तक होगा सस्ता; एनएचएआई ने बदला फॉर्मूला

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले करोड़ों वाहन चालकों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। यदि आपके रास्ते में लंबे पुल, सुरंगें, फ्लाईओवर या एलिवेटेड रोड आते हैं तो अब आपको पहले के मुकाबले कम टोल टैक्स चुकाना होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों में संशोधन किया गया है। इसे लागू करते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरणने अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को नए नियमों के तहत टोल दरों की समीक्षा और संशोधन प्रक्रिया शुरू करने का कड़ा निर्देश जारी कर दिया है।

आमतौर पर किसी भी हाईवे पर पुल, टनल या एलिवेटेड स्ट्रक्चर का निर्माण करना और उसका रखरखाव करना बेहद खर्चीला काम होता है। यही वजह थी कि पुराने नियमों के तहत इनकी लंबाई को 10 गुना मानकर टोल की गणना की जाती थी। उदाहरण के लिए यदि किसी हाईवे पर 5 किलोमीटर लंबी टनल या एलिवेटेड स्ट्रक्चर होता था तो टोल लेते वक्त उसे 50 किलोमीटर सड़क के बराबर माना जाता था। पहाड़ी इलाकों, एक्सप्रेसवे और बड़े शहरी रास्तों में जहां कई किलोमीटर लंबे ब्रिज या एलिवेटेड हाईवे बने हैं वहां इस नियम के कारण टोल का बोझ आम जनता और वाहन चालकों की जेब पर बेहद भारी पड़ रहा था। इसी समस्या को हल करने और टोल की दरों को व्यावहारिक बनाने के लिए सरकार ने टोल संशोधन नियमों को जारी किया है।

क्या है नया टोल फॉर्मूला? समझें गणित : संशोधित राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों का निर्धारण और संग्रहण) नियम, 2008 के तहत अब टोल की गणना के लिए एक पारदर्शी और संतुलित फॉर्मूला पेश किया गया है। नए फॉर्मूले के अनुसार, जिन हाईवे पर एक या एक से अधिक ब्रिज, टनल, फ्लाईओवर या एलिवेटेड सेक्शन हैं वहां टोल की गणना के लिए दो तरीके अपनाए जाएंगे। पहला तरीका यह है कि विशेष संरचनाओं जैसे कि ब्रिज या टनल की लंबाई का 10 गुना करके, उसे हाईवे के शेष सामान्य हिस्से की लंबाई में जोड़ दिया जाए। दूसरा तरीका यह है कि पूरे हाईवे सेक्शन की कुल लंबाई का 5 गुना कर दिया जाए। एनएचएआई को अनिवार्य रूप से इन दोनों गणनाओं में से जो भी दूरी कम होगी उसी के आधार पर टोल तय करना होगा। इसके अलावा जिन पुलों या फ्लाईओवरों की लंबाई 60 मीटर या उससे कम होगी उन्हें अलग से विशेष संरचना नहीं माना जाएगा और उन पर कोई अतिरिक्त नियम नहीं होगा।

केस स्टडी से समझें टोल का गणित

केस 1: मान लीजिए कोई हाईवे 40 किलोमीटर लंबा है, जिसमें से 30 किलोमीटर हिस्सा एलिवेटेड या ब्रिज का है और 10 किलोमीटर सामान्य सड़क है। पुराने फॉर्मूले के मुताबिक, 30 किमी म 10 + 10 किमी = 310 किमी की दूरी पर टोल लगता है। नए फॉर्मूले के मुताबिक, कुल दूरी का 5 गुना (40 किमी म 5) यानी कि 200 किमी ही होगा। चूंकि 200 किमी की दूरी कम है, इसलिए जनता को 310 किमी के बजाय केवल 200 किमी का ही टोल देना होगा।

केस 2: अगर 40 किलोमीटर के हाईवे में 10 किलोमीटर ब्रिज है और 30 किलोमीटर सामान्य सड़क है। पहले तरीके से दूरी 10 किमी म 10 + 30 किमी यानी कि 130 किमी होगी। दूसरे तरीके से दूरी 40 किमी म 5 यानी कि 200 किमी होगी। आपको बता दें कि यहां 130 किलोमीटर वाली दूरी कम है, इसलिए केवल 130 किमी का टोल लागू होगा। पहले यहां 200 किमी के हिसाब से टोल देना पड़ता था।

दोनों फॉर्मूले को देखें तो करीब 40 प्रतिशत तक की दूरी कम हो रही है। इस हिसाब से टोल भी 40 प्रतिशत तक सस्ता हो सकता है। नियमों में यह संशोधन लागू कर दिया गया है, लेकिन टोल प्लाजा के प्रकार के आधार पर इसका फायदा वाहन चालकों को अलग-अलग समय पर मिलेगा।

दिल्ली-एनसीआर में ब्रांड का नकली घरेलू उत्पाद बेचने वाला रैकेट बेनकाब, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में लोकप्रिय ब्रांडों के नकली लेबल लगाकर घी, ईनो, ऑल आउट, वीट और टाटा नमक सहित ब्रांड का नकली घरेलू उत्पादों के निर्माण, भंडारण और बिक्री में शामिल एक रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों नितिन कुमार, रजत सिंघल उर्फ चिंटू, सुरेंद्र गुर्जर और मुजाहिद कार्तिक को गिरफ्तार किया है। उत्तम नगर और कंझावला औद्योगिक क्षेत्र से नकली घी बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी के साथ-साथ बड़ी मात्रा में नकली खाद्य और बड़ी मात्रा में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी)की बरामदगी की गई। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने एक बयान में बताया कि आरोपियों नीतिन कुमार (38), रजत सिंघल (38), सुरेंद्र गुज्जर (45) और मुजाहिद (38) को पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में नकली उत्पादों की खेप प्राप्त करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। उन्होंने बताया कि यह रैकेट जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा था और बाजार में नकली खाद्य एवं एफएमसीजी उत्पादों की आपूर्ति कर कंपनियों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा था। पुलिस ने बताया कि 29 दिसंबर को मिली सूचना के आधार पर उत्तम नगर में मेट्रो पिलर नंबर 680 के पास निगरानी की गई। सूचना में कहा कि एक गिरोह बड़े पैमाने पर ब्रांड के नकली सामान की बिक्री में शामिल है। पुलिस के अनुसार करीब दोपहर 2.15 बजे संदिग्धों को उन वाहनों के साथ रोका गया, जिनमें कथित नकली सामान लदा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वाहनों की तलाशी के दौरान भारी मात्रा में नकली उत्पाद बरामद किए, जिनमें विभिन्न ब्रांड नामों वाले 1,100 लीटर से अधिक नकली घी, पाचन पाउडर के 8,640 सैशे, मच्छर भगाने वाले 1,200 यूनिट, 1,152 कॉस्मेटिक उत्पाद और करीब 3,000 किलोग्राम नकली आयोडीन युक्त नमक शामिल है। नमूने लेकर शेष सामान को सील कर जब्त किया गया। संबंधित कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधियों ने बाद में पुष्टि की कि बरामद सभी उत्पाद नकली थे। उपायुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी नीतिन कुमार ने खुलासा किया कि कंझावला औद्योगिक क्षेत्र में नकली घी बनाने की एक अवैध इकाई संचालित हो रही थी। इसके बाद वहां छापेमारी की गई, जिसमें नकली घी, पैकिंग और सीलिंग मशीनें, जाली रैपर और निर्माण में इस्तेमाल होने वाला अन्य कच्चा माल बरामद किया गया। इस इकाई के संचालन के लिए कोई वैध लाइसेंस या दस्तावेज पेश नहीं किए गए। पुलिस ने बताया कि निलोठी एक्सटेंशन और निहाल विहार स्थित परिसरों पर भी तलाशी ली गई, जहां नकली आयोडीन युक्त नमक के अवैध भंडारण और दोबारा पैकिंग की जा रही थी। इन स्थानों से जाली लेबल लगे बोरों में पैक करीब 2,000 किलोग्राम नकली नमक बरामद हुआ। साथ ही वजन करने, सील करने और सिलाई की मशीनों सहित बड़ी मात्रा में खाली ब्रांडेड पाउच भी जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार आरोपी एक सुव्यवस्थित सप्लाई चेन के तहत काम कर रहे थे। वे लोकप्रिय ब्रांडों के खाली टिन, नकली रैपर और पैकिंग सामग्री जुटाते थे। मिलावटी कच्चे माल से नकली घी तैयार कर उसे जाली लेबल लगाकर पैक किया जाता था, जबकि अन्य नकली उत्पाद अलग-अलग अवैध इकाइयों से मंगाए जाते थे। पुलिस ने बताया कि यह सामान पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के विभिन्न गोदामों में रखा जाता था और संदेह से बचने के लिए टेम्पो और डिलीवरी एजेंटों के जरिए स्थानीय बाजारों में असली उत्पादों से सस्ती दरों पर बेचा जाता था। पुलिस के अनुसार, स्नातक नितिन कुमार पिछले एक दशक से घरेलू सामान की थोक आपूर्ति से जुड़ा रहा है और उसके खिलाफ दिल्ली और हरियाणा में पहले से भी मामले दर्ज हैं। रजत सिंघल और सुरेंद्र गुज्जर भी साप्ताहिक बाजारों के माध्यम से थोक और खुदरा व्यापार में शामिल थे, जबकि मुजाहिद नकली मच्छर भगाने वाले और कॉस्मेटिक उत्पादों के निर्माण व आपूर्ति में संलिप्त था। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कंझावला स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला भी थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज की गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

शिक्षिका का पर्स लूटकर भाग रहे बदमाशों का पीछा करने पर पलटा ऑटो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में शिक्षिका का पर्स लूटकर भाग रहे बदमाशों का पीछा करते समय अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो सवार पीड़िता अनुपमा शर्मा जख्मी हो गईं। इस बीच बदमाश मौके से भागने में कामयाब हो गए। ऑटो पलटने के बाद राहगीरों ने मदद कर चालक व शिक्षिका को ऑटो से बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में पुलिस ने अनुपमा का बयान लेकर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस के हाथ कुछ सुराग लगे हैं, उसके आधार पर आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक शाहदरा के भोलानाथ नगर निवासी अनुपमा दक्षिण दिल्ली के सादिक नगर स्थित केंद्रीय विद्यालय में शिक्षिका हैं। 25 सितंबर की सुबह वह स्कूल जा रही थी। इस बीच लक्ष्मी नगर इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने उनका पर्स छीनने का प्रयास किया। पीड़िता ने पर्स की पट्टी पकड़ी हुई थी, आरोपियों ने झटका मारकर उसे छुड़ा लिया। पीड़िता ने ऑटो चालक से बदमाशों का पीछा करने के लिए कहा। चालक ने भी बाइक सवारों के पीछे ऑटो लगा दिया, लेकिन संतुलन बिगड़ने की वजह से ऑटो पलट गया और अनुपमा जख्मी हो गईं।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससेतमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू, सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है। इन आरोपियों में से हिमांशु, किशन और चेतन पर पहले से हत्या का एक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि चार अगस्त देर रात नंद नगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि आशीष पर चार से पांच व्यक्तियों ने हमला कर दिया है।

पहले भी वसीम पर चार बार हुआ था हमला, गैंगस्टर छेनू के करीबी गुर्गे की चाकुओं से गोदकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में गैंगस्टर छेनू के करीबी गुर्गे की चाकू से वारकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त वसीम (33) के रूप में हुई है। मंगलवार देर रात वसीम किसी काम से बाहर निकला था। इस बीच शास्त्री पार्क फ्लाईओवर लूप के पास बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार वसीम पर इसके दो भतीजों शाकिर 26 और इस्लाम उर्फ बार्डर 22 ने ही हमला किया है। उस पर वार करने वाला चाकू भी बरामद कर लिया गया है। हमले में गंभीर घायल में परिजनों ने वसीम को नजदीकी जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसको मृत घोषित कर दिया गया। वसीम की पत्नी ने उसके ही भतीजे पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वसीम के खिलाफ 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज थे। पुलिस रंजिश के अलावा दूसरे एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। बुधवार को जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद वसीम का शव परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस परिजनों के आरोप की पड़ताल कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि वसीम परिवार के साथ बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क में रहता था। इसके परिवार में पत्नी आफरीन के अलावा एक बेटा व एक बेटी हैं। पुलिस सूत्रों मुताबिक वसीम की छेनू से नजदीकियां थीं। अक्सर वह गैंगस्टर हाशिम बाबा के खिलाफ कुछ न कुछ बोलता रहता था। वसीम पर पहले भी चार बार जानलेवा हमला हो चुका है। हर बार उसकी किस्मत ने साथ दिया, लेकिन पांचवीं बार वह मारा गया। 12 जून को वेलकम इलाके में चार गोलियां लगने के बाद भी वह बच गया था। वेलकम में गोली लगने के बाद करीब एक माह तक उसका जीटीबी अस्पताल में इलाज चलता रहा। इतना ही नहीं 14 जुलाई को तीन बदमाश जीटीबी अस्पताल के भीतर वार्ड में घुस गए। बदमाशों ने वार्ड के भीतर ही वसीम समझकर एक अन्य मरीज रियाजुद्दीन (32) को सात गोलियां मारीं और भाग गए। इससे पहले भी वसीम पर दो बार गोली चली थी, लेकिन उसे लगी नहीं थी। जीटीबी में जब रियाजुद्दीन की गोली लगने से मौत हुई तो वसीम की पत्नी आफरीन ने उस समय पुलिस से वसीम की सुरक्षा की मांग की थी। इलाज के बाद तबीयत में सुधार होने के बाद वह ठीक भी हो गया था। पुलिस सूत्रों ने कहा कि वसीम गैंगस्टर छेनू का नजदीकी था। मंडोली जेल में बंद रहने के दौरान हाशिम बाबा के करीबी समीर बाबा से वसीम की तू-तू, मैं-मैं हो गई थी।

बिजली बिल राहत योजना में बकायेदार को 41 लाख रुपये की मिली छूट

लखनऊ। पावर कॉर्पोरेशन की बिजली बिल राहत योजना के पहले चरण में ऐशबाग के एक बकायेदार का डेढ़ दशक पुराने प्रकरण का अंत होने के साथ ही उसको 41 लाख रुपये की छूट हासिल हुई। रमाशंकर त्रिवेदी नाम के उपभोक्ता के 48 लाख रुपये के बिल पर 7 लाख रुपये का एकमुश्त भुगतान हुआ। लखनऊ मध्य जोन के अधीक्षण अभियंता (वाणिज्य) मुकेश त्यागी ने बताया कि रमाशंकर त्रिवेदी के घर का बिजली बिल गलत होने पर पूर्व के जिम्मेदारों ने उसे सही नहीं किया। वो उपभोक्ता न्यायालय चले गए जिससे विभाग न तो बिजली काट सका और न ही बिल की वसूली हो सकी। मगर, रमाशंकर के परिजन योजना के पहले चरण में आए और मुझसे प्रकरण के निपटारा कराने का अनुरोध किया। पूरे प्रकरण को शीर्ष स्तर पर ले गए जिसकी जांच हुई और फिर बिल को सही किया गया। इससे बकायेदार ने सात लाख रुपये एकमुश्त जमा कर दिए। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि 31 दिसंबर 2025 तक कुल 1154 बकायेदारों ने समाधान योजना का फायदा लेते हुए 1.97 करोड़ रुपये जमा किए। लखनऊ मध्य में कुल बकायेदार 2319 हैं। उधर, जानकीपुरम जोन के मुख्य अभियंता वीपी सिंह ने बताया कि अहिबरनपुर उपकेंद्र के बाबा का पुरवा खदरा निवासी मोहम्मद याकूब के 12,60,405 रुपये के बिल पर करीब 8 लाख रुपये की छूट देकर 4,48,062 रुपये जमा कराए गए। जोन के सहायक अभियंता अखिलेश कुमार यादव ने बताया कि पहल चरण में जानकीपुरम में 8888 में से 1500 बकायेदारों ने 2.50 करोड़ रुपये जमा किए।

जहरीले कीड़े के काटने से अचेत हुआ बुजुर्ग, चारपाई पर उठाकर पहुंचाया अस्पताल

जालौन। कदौरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत परासन के मजरा कुइयाझोर में शनिवार शाम जहरीले कीड़े के काटने से 58 वर्षीय शर्मन अचेत हो गए। गांव तक पक्की सड़क न होने और बारिश के कारण कच्चा रास्ता दलदल में तब्दील होने से परिजनों को उन्हें चारपाई पर उठाकर मुख्य मार्ग तक ले जाना पड़ा। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब साढ़े तीन बजे शर्मन अपने घर के छप्पर की मरम्मत कर रहे थे। इसी दौरान उनके हाथ में जहरीले कीड़े ने काट लिया। कुछ ही देर में उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह अचेत होकर गिर पड़े। परिजन उन्हें ट्रैक्टर से अस्पताल ले जाने निकले, लेकिन गांव से बाहर कच्चे रास्ते में कीचड़ और टूटी पुलिया के कारण ट्रैक्टर आगे नहीं बढ़ सका। इसके बाद ग्रामीणों ने शर्मन को चारपाई पर लिटाकर पैदल मुख्य मार्ग तक पहुंचाया। रास्ते में परासन स्थित 65 मेगावाट बुंदेलखंड प्लांट पहुंचकर प्रबंधन से मदद मांगी गई। प्लांट प्रबंधन ने तत्काल गेट खुलवाकर चारपहिया वाहन की व्यवस्था कराई, जिससे बुजुर्ग को अस्पताल पहुंचाया गया। परिजनों ने बताया कि उपचार के बाद शर्मन को होश आ गया और उनकी हालत में सुधार है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि कुइयाझोर गांव तक आज भी पक्की सड़क नहीं है। बरसात के दिनों में कच्चा रास्ता पूरी तरह दलदल में बदल जाता है और एंबुलेंस तक गांव नहीं पहुंच पाती। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र पक्की सड़क और टूटी पुलिया का निर्माण कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता महेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कुइयाझोर सड़क को कार्ययोजना में शामिल कर लिया गया है। शासन से स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

शिक्षा को कौशल और उद्योग से जोड़ना जरूरी: महिपाल ढांडा

एजेंसी

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (एसवीएसयू) में हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद के तत्वावधान में उच्च शिक्षा में कौशल आधारित पाठ्यक्रम एवं माइक्रो क्रेडेंशियल विषय पर शुक्रवार को अनुवर्ती कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उन्होंने कहा कि बदलते समय में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगार योग्य और उद्यमशील बनाने के लिए शिक्षा को कौशल एवं उद्योग से जोड़ना अनिवार्य है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने उच्च शिक्षा को लचीला और रोजगारोन्मुखी बनाया है तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन से ही भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा। शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और अकादमिक प्रतिनिधियों से कौशल आधारित कार्यक्रमों को पाठ्यक्रम में समाहित करने तथा माइक्रो क्रेडेंशियल को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में स्किल आधारित शिक्षा का समन्वय होने से हरियाणा की उच्च शिक्षा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

मानव संसाधन विभाग में प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरे जाएंगे 32 पद

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने मानव संसाधन विभाग में प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) के आधार पर 32 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभिन्न विभागों के पात्र नियमित अधिकारियों और कर्मचारियों से 30 दिन के भीतर आवेदन मांगे गए हैं। चयनित कर्मचारियों को तत्काल रिलीव करने और नियुक्ति से पहले एनओसी प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। मानव संसाधन विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार, कुल 32 पदों में 13 सहायक, 6 लिपिक, 3 अधीक्षक, 3 निजी सहायक, 3 स्टेनो-टाइपिस्ट, 2 जूनियर स्केल स्टेनोग्राफर, 1 निजी सचिव और 1 चालक का पद शामिल है। सभी नियुक्तियां प्रतिनियुक्ति के आधार पर होंगी। सरकार ने प्रत्येक पद के लिए अलग पात्रता निर्धारित की है। अधिकांश पदों पर आवेदन के लिए समकक्ष पद पर कम से कम तीन वर्ष का अनुभव अनिवार्य होगा, जबकि जूनियर स्केल स्टेनोग्राफर के लिए दो वर्ष का अनुभव पर्याप्त माना जाएगा। अधीक्षक के पद के लिए ऐसे कर्मचारी भी पात्र होंगे, जिन्होंने सहायक या उप अधीक्षक के रूप में आठ वर्ष से अधिक सेवा की हो। वहीं, निजी सहायक के रूप में आठ वर्ष से अधिक अनुभव रखने वाले कर्मचारी निजी सचिव के पद के लिए आवेदन कर सकेंगे।इच्छुक कर्मचारी अपने आवेदन की अग्रिम प्रति सीधे मानव संसाधन विभाग को भी भेज सकते हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया या साक्षात्कार में शामिल होने से पहले उन्हें अपने मूल विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

सेवा निवृत्त आईएएस समीर पाल सरो बने क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी के चेयरपर्सन

चंडीगढ़।हरियाणा सरकार ने सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी समीर पाल सरो को क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी (क्यूएए) का चेयरपर्सन नियुक्त किया है। सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। समीर पाल सरो हरियाणा कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों में रहे हैं। प्रशासनिक और नीतिगत मामलों में उनके व्यापक अनुभव को देखते हुए सरकार ने उन्हें क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी का नेतृत्व सौंपा है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में सरकारी कार्यक्रमों और सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की व्यवस्था और मजबूत होगी। क्वालिटी एश्योरेंस अथॉरिटी राज्य के सरकारी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में गुणवत्ता मानकों की निगरानी और मूल्यांकन का कार्य करती है। यह प्राधिकरण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ-साथ सेवा वितरण में गुणवत्ता बनाए रखने पर भी नजर रखता है। प्राधिकरण का उद्देश्य सरकारी नीतियों और सार्वजनिक सेवाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और निरंतर सुधार को बढ़ावा देना है। सभी प्रशासनिक विभागों को निर्देश दिए गए है कि वे आवेदन के साथ निर्धारित प्रारूप में बायोडाटा और पिछले पांच वर्षों की एसीआर का सारांश भी भेजें।

हिसार पुलिस ने चोरी के मामलों में एक माह में 36 गिरफ्तार किए

हिसार। पुलिस ने चोरी, वाहन चोरी और गृह भेदन जैसे संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पिछले एक माह में विभिन्न मामलों के 36 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 23.29 लाख से अधिक मूल्य का चोरीशुदा माल व वाहन बरामद कर लोगों की संपत्ति वापस दिलवाई है।पुलिस की ओर से जिले में चोरी और वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस ने साधारण चोरी, मोटर व्हीकल थेफ्ट, चोरी व गृह भेदन के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए 36 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इन मामलों में 23 लाख 29 हजार 670 मूल्य का चोरीशुदा माल और वाहन बरामद किए हैं। बरामद सामान को उसके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है, जिससे पीड़ितों को राहत मिली है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि पुलिस का लक्ष्य केवल अपराधियों को गिरफ्तार करना नहीं।

एनसीआर में वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की गुरुग्राम में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने गुरुग्राम में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण नियंत्रण एवं वायु गुणवत्ता सुधार उपायों को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए तैयार की गई कार्ययोजना के विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध ढंग से कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सीएएक्यूएमएस) के विस्तार, इलेक्ट्रिक वाहनों एवं बसों को बढ़ावा देने, पुराने वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई, 'नो पीयूसीसी-नो फ्यूल' व्यवस्था, निर्माण एवं विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट प्रबंधन, ठोस कचरा निस्तारण, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई तथा धान की पराली के प्रभावी प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में हरियाणा के वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वायु प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित प्रत्येक एजेंडा बिंदु पर निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सीएएक्यूएमएस के विस्तार, इलेक्ट्रिक बसों एवं चार्जिंग

स्टेशन नेटवर्क को बढ़ाने, पुराने वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई तथा 'नो पीयूसीसी-नो फ्यूल' व्यवस्था को तय समय पर लागू करने में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए। साथ ही उन्होंने ट्रैफिक जाम वाले हॉटस्पॉट, सड़क पुनर्विकास और प्रदूषण नियंत्रण संबंधी परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि एनसीआर में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच और अधिक बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर प्रभावी कार्रवाई, निर्माण एवं विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) के निस्तारण, बायोमास जलाने की रोकथाम तथा धान की पराली के प्रभावी प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित कार्ययोजना के प्रत्येक बिंदु की नियमित समीक्षा और सतत मॉनिटरिंग से ही वायु गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार संभव हो सकेगा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने बैठक में निर्देश दिए कि एनसीआर के प्रमुख जिलों गुरुग्राम, फरीदाबाद और सोनीपत के मुख्य चौक-चौराहों पर व्यापक स्तर पर हरियाली विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रमुख यातायात स्थलों पर नियमित डीप क्लीनिंग सुनिश्चित की जाए तथा सड़कों और आसपास के गड्ढों को भरकर वहां घास एवं पौधारोपण किया जाए, ताकि धूल उड़ने पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके और पीएम-10 के स्तर को कम करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बने। उन्होंने अधिकारियों को अगले एक माह के भीतर ऐसे सभी स्थानों को चिन्हित कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

हर पात्र नागरिक का वोट बनवाना हमारी प्राथमिकता: डा. अर्चना गुप्ता

राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ ने भी कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति वोट के अधिकार से छूट न पाए

एजेंसी

गुरुग्राम। राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय गुरुकमल में एसआईआर को लेकर जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों, बीएलए-1 व भाजपा नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में एसआईआर अभियान की प्रगति की समीक्षा की। इस बैठक में भाजपा कार्यकर्ताओं को कहा गया कि किसी भी पात्र व्यक्ति का वोट ना कटे इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के अगले चरण में हमें किसी कारण से छूट गए पात्र लोगों के वोट बनवाने पर भी ध्यान देना है। बैठक में राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज, मंत्री कृष्ण बेदी, राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया और जवाहर सैनी मंच पर उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को इस अभियान को गंभीरता से लेते हुए पात्र नागरिकों के नाम

मतदाता सूची में शामिल करवाने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि एसआईआर का पहला चरण खत्म हो चुका है। अब दूसरे चरण में भी किसी कारणवश छूट गए नागरिकों का वोट बनवाने पर ध्यान देना होगा और लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने पर सभी कार्यकर्ताओं को जोर देना चाहिए, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वोट के अधिकार से वंचित ना रह जाए।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मतदाता सूची जितनी अधिक शुद्ध और त्रुटिरहित होगी, लोकतांत्रिक व्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी। इसलिए प्रत्येक कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर संपर्क कर लोगों को एसआईआर की प्रक्रिया की जानकारी दें और पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल कराने में सहयोग करें। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कई बार जानकारी के अभाव में पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज नहीं करा पाते। ऐसे लोगों तक पहुंचना और उन्हें आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराने में सहायता करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बूथ स्तर तक अभियान चलाकर युवाओं, महिलाओं और नए मतदाताओं को जागरूक करें ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज सेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के संकल्प के साथ कार्य करता है। एसआईआर अभियान भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारियों से कहा कि वे नियमित रूप से अभियान की समीक्षा करें तथा कार्यकर्ताओं के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का पंजीकरण सुनिश्चित करें।

सरकारी जमीन के गलत मूल्यांकन पर अब सख्ती, एक लाख तक होगा जुर्माना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सरकारी भूमि और अन्य परिसंपत्तियों के मूल्यांकन को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए पैनलबद्ध मूल्यांकनकर्ताओं (वैल्यूअर्स) के लिए सख्त आचार संहिता लागू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत गलत या पक्षपातपूर्ण मूल्यांकन, फर्जी दस्तावेज, पेशेवर कदाचार, अनावश्यक देरी अथवा हितों के टकराव की जानकारी छिपाने जैसे मामलों में संबंधित मूल्यांकनकर्ता को पैनल से हटाया जा सकेगा, उसकी फीस जब्त की जाएगी और उल्लंघन की गंभीरता के आधार पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जाएगा।राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा तैयार की गई यह नीति राज्य सरकार द्वारा भूमि के मूल्यांकन के लिए लगे पैनलबद्ध मूल्यांकनकर्ताओं हेतु एक समान नैतिक और पेशेवर ढांचा तय करती है।इस आचार संहिता के तहत, प्रत्येक पैनलबद्ध मूल्यांकनकर्ता को हरियाणा भू-राजस्व अधिनियम, 1887, भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013, रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016, कंपनी (पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता और मूल्यांकन) नियम, 2017 तथा अन्य संबंधित केंद्रीय और राज्य कानूनों, नियमों, नियमावलियों और सरकारी निर्देशों के लागू प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि मूल्यांकनकर्ताओं को जहां भी लागू हो, अपने मूल संगठनों (जैसे आयकर विभाग, भारतीय स्टेट बैंक और सरकारी स्वामित्व वाली बीमा कंपनियों) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भी पालन करना होगा।

हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन ने किया सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन उषा प्रियदर्शी ने पानीपत के सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण कर महिला स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं में भारी अव्यवस्था देखकर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि आयोग को पिछले काफी समय से शिकायतें मिल रही थीं कि सिविल अस्पताल में महिला मरीजों की संख्या अधिक होने के बावजूद सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं। महिलाओं को पर्ची बनवाने, डॉक्टर को दिखाने और विभिन्न जांच कराने के लिए घंटों लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है। कई बार लंबे इंतजार के बाद भी उन्हें विभिन्न कारण बताकर वापस भेज दिया जाता है। निरीक्षण के दौरान उषा प्रियदर्शनी ने सबसे पहले पैथोलॉजी लैब पहुंचीं। यहां उन्होंने देखा कि बड़ी संख्या में महिलाएं अव्यवस्थित तरीके से लाइन में खड़ी थीं और काफी देर से अपनी बारी का इंतजार कर रही थीं। यह देखकर चेयरपर्सन ने लैब कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए कहा, यह क्या सब्जी मंडी बना रखी है। यहां आप सब्जी बेच रहे हैं, बोली लगा रहे हैं या मरीजों को सुविधा देने बैठे हैं। निरीक्षण के दौरान चेयरपर्सन ने

लाइन में खड़ी महिलाओं से भी बातचीत की। महिलाओं ने बताया कि वे पिछले एक घंटे से अधिक समय से लाइन में खड़ी हैं, लेकिन उनकी पर्चियां काफी देर बाद लेना शुरू किया गया। उन्होंने अस्पताल में अव्यवस्था और लंबे इंतजार की समस्या से चेयरपर्सन को अवगत कराया। चेयरपर्सन ने सिविल सर्जन एवं सीएमओ डॉ. विजय मलिक से कहा कि अस्पताल की व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं हैं और इन्हें तुरंत सुधारने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि मरीजों को अनावश्यक रूप से लंबी कतारों में खड़ा न रहना पड़े तथा अस्पताल में बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आने वाली गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ अन्य सभी महिलाओं को भी समान रूप से प्राथमिकता और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों की सुविधा के लिए व्यवस्था को सही किया जाए ताकि किसी भी महिला को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

विपक्ष को नीट पर चर्चा में भाग लेना चाहिए, लेकिन वह चर्चा से भाग रहा है: मुख्यमंत्री सैनी

नीट मामले में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, सरकार हर चर्चा के लिए तैयार: मुख्यमंत्री

एजेंसी

गुरुग्राम। भाजपा के गुरुग्राम स्थित कार्यालय पर एक बैठक में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नीट परीक्षा और पेपर लीक जैसे मामलों को लेकर केंद्र सरकार पूरी तरह गंभीर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि इस मामले में जो भी दोषी होगा, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। सरकार संसद में इस विषय पर चर्चा के लिए भी पूरी तरह तैयार है और विपक्ष को भी सकारात्मक भूमिका निभाते हुए चर्चा में भाग लेना चाहिए। मुख्यमंत्री ने तंज कसा कि कांग्रेस और समूचा विपक्ष नीट पर चर्चा से भाग रहा है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़ा विषय है। नरेंद्र मोदी सरकार कभी भी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देगी। सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए कठोर कानून और प्रभावी

व्यवस्था बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन युवाओं के इस संवेदनशील मुद्दे पर भी राजनीति करने का प्रयास कर रहे हैं। यदि विपक्ष के पास कोई सार्थक सुझाव है तो उसे संसद में चर्चा के दौरान रखना चाहिए। सरकार हर सकारात्मक सुझाव पर विचार करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही है। उसके शासनकाल में अनेक बार पेपर लीक की घटनाएं हुईं। कई मामलों में परीक्षाएं समय पर रद्द नहीं की गईं और अभ्यर्थियों को दोबारा परीक्षा के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। इसके विपरीत, वर्तमान सरकार ने ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की है। नीट परीक्षा का परिणाम भी घोषित हो चुका है और सफल विद्यार्थी समय पर अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने का अपराध किया है, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गुरु रविदास जी की जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी पहुंचेगी हरियाणा के हर गांव : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

गुरुग्राम। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती को ऐतिहासिक और भव्यता से मनाने के लिए बीजेपी ने मेगा प्लॉन तैयार किया है। भाजपा कार्यालय गुरुकमल में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। एक बड़ी कार्यशाला में आगामी समय में किए जाने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा उपस्थित कार्यकर्ताओं को समझाई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ, मंत्री कृष्ण बेदी, मंत्री कृष्ण लाल पंवार, एससी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश जरावता, एससी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री संजय निर्मल और जम्मू कश्मीर से विधायक देवेंद्र पनिहार, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया सहित अनेक नेता बैठक में मौजूद रहे। केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से आए कार्यक्रम के अनुसार हरियाणा में भी गुरू रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक गुरू रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान आयोजित किए जाएंगे। भाजपा की योजना यह है कि गुरु रविदास की जन्मस्थली वाराणसी की पवित्र मिट्टी कलशों में भरकर हरियाणा के गांव-गांव, बस्ती-बस्ती और घर-घर तक जब समिति हरियाणा में प्रवेश करेगी तो यहां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में कलश का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद प्रदेश के सभी 27 संगठनात्मक जिलों के प्रतिनिधि गुरुग्राम पहुंचकर अपने-

पहुंचाई जाएगी। इसके लिए एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश जरावता के नेतृत्व में एक विशेष 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है जो 26 जुलाई को वाराणसी बेगुमपुर जाकर गुरु रविदास की जन्मभूमि से विधि-विधान के साथ पवित्र मिट्टी लेकर वापस हरियाणा पहुंचेगी।यह पवित्र कलश सबसे पहले गुरुग्राम स्थित माता शीतला मंदिर लाया जाएगा। अपने जिलों के लिए पवित्र मिट्टी से भरे कलश शीतला माता मंदिर से अपने-अपने जिलों में लेकर जाएंगे। इस काम को और भव्य बनाने के लिए वाराणसी से लाए जाने वाले कलश को रथ में रखकर यात्रा निकाली जाएगी। इसी तरीके से बाद में जिलों से आने वाले भाजपा प्रतिनिधि भी पवित्र कलश को भव्य रथों में रखकर अपने अपने जिलों में पहुंचेंगे।

'टीबी मुक्त भारत' एप पंजीकरण में देशभर में दूसरे स्थान पर हरियाणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा ने टीबी उन्मूलन अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 'टीबी मुक्त भारत' एप पर 35,229 पंजीकरण के साथ देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। राज्य ने केवल डिजिटल पंजीकरण ही नहीं, बल्कि टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट, मॉलिक्युलर (एनएटी) जांच, डिफरेंशिएटेड टीबी केयर और जनभागीदारी जैसे सभी प्रमुख मानकों पर भी तेज प्रगति दर्ज की है। 100-दिवसीय विशेष अभियान के दौरान लाखों लोगों की स्क्रीनिंग, हजारों स्वयंसेवकों और निक्षय मित्रों की भागीदारी तथा जांच व उपचार सुविधाओं के विस्तार ने हरियाणा को टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य की दिशा में अग्रणी राज्यों की कतार में खड़ा कर दिया है। इन उपलब्धियों की जानकारी मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई 100-दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान की बैठक में दी गई। राज्य में टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट (टीपीटी) का कवरेज बढ़कर 49 प्रतिशत, एनएटी आधारित मॉलिक्युलर जांच का कवरेज 67 प्रतिशत तथा पात्र मरीजों के लिए डिफरेंशिएटेड टीबी केयर का कवरेज 71 प्रतिशत तक पहुंच गया है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि 24 मार्च को अभियान शुरू होने के बाद से हरियाणा ने टीबी नियंत्रण के लगभग सभी प्रमुख मानकों पर निरंतर प्रगति दर्ज की है। राज्य ने न केवल टीबी मुक्त भारत ऐप पर पंजीकरण के मामले में देश में दूसरा स्थान हासिल किया है, बल्कि 22,888 स्वयंसेवकों तथा 2,067 निक्षय मित्रों को भी इस अभियान से जोड़कर जनभागीदारी को मजबूत किया है। पहली जनवरी से 23 जुलाई, 2026 के बीच अधिसूचित 51,526 टीबी मरीजों में से 8,939 मरीजों ने टीबी मुक्त भारत ऐप पर पंजीकरण कराया है, जिससे उनके उपचार एवं निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट (टीपीटी) के क्षेत्र में भी राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है। औषधि-संवेदनशील फेफड़ों की टीबी से पीड़ित मरीजों के 44,574 पात्र पारिवारिक संपर्कों में से 21,697 व्यक्तियों (49 प्रतिशत) को निवारक उपचार प्रदान किया जा चुका है।

सीजेएम निशा ने आरुषि होम का किया औचक निरीक्षण

बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मूलभूत सुविधाओं का लिया जायजा

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गुरुग्राम नरेंद्र सुरा के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी निशा ने आरुषि होम (बालिकाओं हेतु बाल देखभाल संस्थान) गुरुग्राम का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने बालिकाओं से व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं, दैनिक दिनचर्या, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं समग्र कल्याण के संबंध में जानकारी ली। बालिकाओं ने संस्थान में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया तथा निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं हुई। साथ ही, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी निशा ने बालिकाओं के रहने की व्यवस्था, स्वच्छता, शयन कक्षों, स्नान गृहों तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही भोजन एवं पोषण

संबंधी व्यवस्थाओं की भी जांच की गई, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप पाई गई। संस्थान में स्वच्छ पेयजल, पंखे, कूलर तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं भी पर्याप्त रूप से उपलब्ध मिलीं। उन्होंने संस्थान में संधारित विभिन्न अभिलेखों एवं रजिस्टरों की भी जांच की, जो सुव्यवस्थित पाए गए। इस दौरान उन्होंने बालिकाओं को उनके विधिक अधिकारों, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आवश्यकता पडने पर प्रत्येक बालिका जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गुरुग्राम से निःशुल्क कानूनी सहायता, परामर्श एवं अन्य सहयोग प्राप्त कर सकती है। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी निशा ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालिकाओं के हितों की रक्षा और उनके समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने बैठक में शिकायतों के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

एजेंसी

पलवल। जिला लोक संपर्क एवं परिवाद निवारण समिति की मासिक बैठक जिला सचिवालय सभागार में उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री तथा समिति के अध्यक्ष राव नरबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में कुल 17 शिकायतें प्रस्तुत की गईं, जिनमें से 14 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष तीन शिकायतों को अगली बैठक तक लंबित रखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में अनुपस्थित रहने पर एचवीपीएनएल के कार्यकारी अभियंता तथा एसडीओ हथीन को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक के दौरान राव नरबीर सिंह ने एडेल डिवाइन कोर्ट, सेक्टर-5 के निवासियों की बिजली कनेक्शन संबंधी शिकायत पर डीएचबीवीएन को एस्टीमेट तैयार कर सोसायटी द्वारा राशि जमा कराने के बाद बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ककराली निवासी दर्शन सिंह की शिकायत पर लोक निर्माण विभाग और पंचायती राज विभाग को प्राथमिकता के आधार पर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए गए। वहीं पलवल निवासी महेश कुमार की शिकायत पर एनएचएआई को जलभराव की समस्या दूर करने तथा लोक निर्माण विभाग को डिवाइडर निर्माण कराने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि प्रत्येक वर्ष मानसून से पहले 15 जून तक सभी नालों और ड्रेनों की सफाई हर हाल में पूरी कर ली जाए, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने हरियाणा रोडवेज के महाप्रबंधक को निर्देश दिए कि रोडवेज बसों का संचालन फ्लाईओवर के ऊपर की बजाय नीचे से कराया जाए, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा मिल सके।

पंजाब-चंडीगढ़ में मानसून फिर सक्रिय, 28-29 को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

शनिवार सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर, कपूरथला में सर्वाधिक 40 मिमी वर्षा

चंडीगढ़ ।

पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मानसून ने एक बार फिर अपनी रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार सुबह से जारी बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत दी है, लेकिन अगले कुछ दिनों में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने 28 और 29 जुलाई के लिए पंजाब और चंडीगढ़ में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिससे प्रशासन और आम जनता को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। शनिवार सुबह से पठानकोट और जालंधर समेत आसपास के कई इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जिससे वातावरण में ठंडक घुली है। बीते 24 घंटों में कपूरथला में सर्वाधिक 40.0 मिमी बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा पठानकोट में 30.0 मिमी, रूपनगर (भाखड़ा बांध) में 26.5 मिमी और अमृतसर में 20.6 मिमी वर्षा हुई है। बारिश के बावजूद, पिछले 24 घंटों में पंजाब के अधिकतम तापमान में औसत 2.5 डिग्री सेल्सियस की हल्की बढ़ोतरी हुई है, हालांकि यह सामान्य के आसपास ही बना हुआ है। फरीदकोट 36.5` डिग्री` ल्सियस के साथ राज्य का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि पठानकोट में न्यूनतम तापमान 23.6एड दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 26 जुलाई को बारिश की गतिविधियों में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन 27 जुलाई से राज्य में बारिश की रफ्तार फिर बढ़ेगी। 28 और 29 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश की प्रबल संभावना है, जिसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 30 जुलाई को भी अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का अनुमान है। आगामी भारी बारिश के मद्देनजर, चंडीगढ़ सहित निचले इलाकों और शहरी क्षेत्रों में जलभराव की गंभीर आशंका जताई गई है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सुरक्षित रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

बीओआई का मुनाफा 36 फीसदी बढ़कर 3,068 करोड़ हुआ

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में एकल आधार पर अपने मुनाफे में 36.23 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है, जो 3,067.90 करोड़ रुपये रहा। बैंक के इस मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को मुख्य रूप से गैर-ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि और परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार से बल मिला। बैंक ऑफ इंडिया ने एकीकृत आधार पर भी 80.51 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज करते हुए 3,302.58 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,829 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की गैर-ब्याज आय 19.07 प्रतिशत बढ़कर 2,579 करोड़ रुपये हो गई, जबकि मुख्य शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 12.61 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,833 करोड़ रुपये रही। इस दौरान बैंक की ऋण वृद्धि 18.64 प्रतिशत दर्ज की गई। परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है, जहां बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) दर जून 2026 में घटकर 1.81 प्रतिशत रह गई, जो एक साल पहले 2.92 प्रतिशत थी। वहीं, शुद्ध एनपीए दर भी 0.51 प्रतिशत पर आ गई, जो जून 2025 में 0.75 प्रतिशत थी।

फर्जी %एयर सुविधा 2.0% वेबसाइटों से सावधान रहें यात्री, सरकार ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली,।

केंद्र सरकार ने शनिवार को यात्रियों से अपील की कि वे %एयर सुविधा 2.0% की आधिकारिक वेबसाइट की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद ही अपनी व्यक्तिगत या यात्रा संबंधी जानकारी साझा करें, क्योंकि कुछ फर्जी वेबसाइटें लोगों को गुमराह कर रही हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि कुछ फर्जी वेबसाइटें और पोर्टल एयर सुविधा 2.0 के नाम पर खुद को आधिकारिक बताकर यात्रियों को पेमेंट गेटवे पर भेज रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा, ÷यात्रियों को सूचित किया जाता है कि एयर सुविधा 2.0 की सेवाएं पूरी तरह निशुल्क हैं और सेल्फ-डिक्लेरेशन फॉर्म जमा करने के लिए किसी भी प्रकार का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। एयर सुविधा 2.0 का एकमात्र आधिकारिक पोर्टल है।÷ मंत्रालय ने आगे कहा कि यात्री अपनी व्यक्तिगत या यात्रा संबंधी जानकारी साझा करने से पहले वेबसाइट के यूआरएल की अच्छी तरह जांच करें और एयर सुविधा 2.0 सेवा देने का दावा करने वाली किसी भी अनधिकृत वेबसाइट पर भुगतान करने से बचें। मंत्रालय ने कहा, ÷यात्रियों से अनुरोध है कि वे केवल आधिकारिक पोर्टल का ही उपयोग करें और सही जानकारी के लिए केवल सरकार की आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

कच्चे तेल और युद्ध का डर, बाजार पर भारी पड़ी भू-राजनीतिक चिंताएं

ग्लोबल अस्थिरता का असर भारतीय बाजार पर साफ दिखा

भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल और विदेशी निकासी के दबाव में बाजार

मुंबई ।

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांक लगातार पांच कारोबारी सत्रों तक गिरावट के साथ बंद हुए। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, अमेरिकी व्यापार शुल्क संबंधी नई चिंताएं और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बाजार की धारणा को बुरी तरह प्रभावित किया। निवेशकों में भारी बिकवाली का दबाव देखा गया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांकों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई और रुपया भी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ। सप्ताह की शुरुआत ही भारी बिकवाली के साथ हुई, जब सोमवार को 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 523 अंक और 50 शेयरों वाला निफ्टी 134 अंक लुढ़क गया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 442.93 अंक (और निफ्टी 95.80 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार ने एक सपाट शुरुआत की, लेकिन वैश्विक अस्थिरता के कारण यह भी लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 238.41 अंक और निफ्टी 50.80 अंक नीचे आ गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और इंफोसिस जैसे दिग्गजों के शेयरों में 2 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। हालांकि, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो सूचकांकों ने कुछ हद तक बढ़त दर्ज कर थोड़ी राहत दी। बुधवार को गिरावट का सिलसिला और तेज हो गया, जो लगातार तीसरा कारोबारी सत्र था। कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल और बैंक शेयरों में भारी बिकवाली इसकी मुख्य वजह रही। बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक और एनएसई निफ्टी 191.45 अंक की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ने लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों की खबरों से कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आया, जिससे निवेशकों की धारणा कमजोर बनी रही। सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर और निफ्टी 126.66 अंक के नुकसान के साथ 23,869.60 के स्तर पर बंद हुआ। सप्ताह का अंत भी गिरावट के साथ हुआ। शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी को नुकसान हुआ। शुरुआती कारोबार में तो सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा टूट गया था, हालांकि बाद में थोड़ी रिकवरी हुई।

मारुति ने नई कॉम्पैक्ट एसयूवी से मचाई हलचल, कीमत 7.40 लाख से शुरू

नया 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन, प्रीमियम इंटीरियर और उन्नत सुरक्षा फीचर्स के साथ हुई एंट्री

नई दिल्ली।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में मारुति सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेज़ा 2026 फेसलिफ्ट को लॉन्च कर दिया है। यह नया मॉडल कई बड़े बदलावों के साथ आया है, जिसमें एक शक्तिशाली टर्बो पेट्रोल इंजन, आकर्षक डिज़ाइन और प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.40 लाख रुपये तय की गई है, जो इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाती है। नई ब्रेज़ा फेसलिफ्ट का सबसे बड़ा आकर्षण इसका बिल्कुल नया 1.0 लीटर डायरेक्ट इंजेक्शन टर्बो पेट्रोल इंजन है। यह इंजन 108 बीएचपी की पावर और 170 एनएम का टॉर्क पैदा करता है, जिसे 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। यह नया पावरट्रेन ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। डिज़ाइन की बात करें तो, नई ब्रेज़ा में नया फ्रंट ग्रिल, बदले हुए बंपर और नए 16 इंच के ड्यूल-टोन अलॉय व्हील मिलते हैं, जो इसे एक फ्रेश लुक देते हैं। यह विशेषियस ऑरेंज और लस्ट्रस बेज जैसे दो नए आकर्षक रंगों में भी उपलब्ध होगी। इंटीरियर में ब्लैक और ब्राउन थीम के साथ ग्लॉस ब्लैक फिनिश दी गई है। इसमें अब बड़ा 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एम्बिएंट लाइटिंग, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, एयर प्यूरीफायर और वायरलेस चार्जर जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं, जो केबिन को अधिक आरामदायक और हाई-टेक बनाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी ब्रेज़ा अब और मजबूत हुई है।

बीएनपी परिबा कार्डिफ ने इंडियाफर्स्ट लाइफ में खरीदी 26 फीसदी हिस्सेदारी

बैंक ऑफ बड़ौदा 65 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा शेयरधारक

मुंबई ।

फ्रांस की बीमा कंपनी बीएनपी परिबा कार्डिफ ने निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिन्कस से इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस सौदे के साथ इंडियाफर्स्ट लाइफ को एक नया रणनीतिक निवेशक मिल गया है, जिसका उद्देश्य कंपनी की विकास यात्रा को गति देना है। हालांकि, सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिग्रहण के बाद इंडियाफर्स्ट लाइफ की शेयरधारिता में बड़ा बदलाव आया है। बैंक ऑफ बड़ौदा की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रहेगी, जिससे वह सबसे बड़ा शेयरधारक बना रहेगा। बीएनपी परिबा कार्डिफ के पास अब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 9 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदार रहेगा। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य बैंक ऑफ बड़ौदा के विशाल शाखा नेटवर्क, इंडियाफर्स्ट लाइफ की बहु-चैनल वितरण क्षमताओं और बीएनपी परिबा कार्डिफ की वैश्विक बैंकएश्योरेंस विशेषज्ञता, उत्पाद नवाचार तथा बीमा क्षमताओं का लाभ उठाना है। बीएनपी परिबा कार्डिफ की सीईओ पॉलिन लेक्लेर-ग्लोरियू ने इस सौदे को उच्च संभावनाओं वाले बाजारों में मजबूत संस्थानों के साथ साझेदारी की उनकी अंतरराष्ट्रीय रणनीति का विस्तार बताया।

बच्चों की दवा कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित

दूषित वातावरण, गंदगी और कीड़े-मकौड़ों के प्रकोप से बच्चों के उत्पादों को खतरा

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बच्चों के लिए आयुर्वेदिक दवाएं, हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रिशन उत्पाद बनाने वाली कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह सख्त कार्रवाई कंपनी की विनिर्माण इकाई के विस्तृत निरीक्षण के बाद की गई, जहां खाद्य सुरक्षा नियमों के कई गंभीर उल्लंघन पाए गए। एफएसएसएआई ने तत्काल प्रभाव से उत्पादन रोकने और सभी कमियों को दूर करने का निर्देश दिया है, अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। एफएसएसएआई के निरीक्षण दल ने रेहान हेल्थकेयर की फैक्ट्री में अत्यधिक अस्वच्छ और दूषित वातावरण पाया। पूरे परिसर में गंदगी, कीड़े-मकौड़ों का प्रकोप और साफ-सफाई के बुनियादी मानकों की घोर अनदेखी उजागर हुई। कंपनी को खाद्य सुरक्षा अनुपालन में केवल 12 प्रतिशत अंक मिले, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। अधिकारियों ने विनिर्माण टैंकों के नीचे गंदगी की मोटी परतें और कच्चे माल के भंडारण क्षेत्रों में भी अत्यधिक अस्वच्छता पाई, जिससे उत्पादों में संक्रमण फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। निरीक्षण में अपर्याप्त भंडारण, सीमित कार्यस्थल, खराब वेंटिलेशन और प्रकाश व्यवस्था जैसी अन्य महत्वपूर्ण कमियां भी सामने आईं। फैक्ट्री में मकड़ी के जाले, फफूंदी, मक्खियां और खुले में पड़ा कचरा आम बात थी।

नियामक ने इस स्थिति को विशेष रूप से खतरनाक माना, क्योंकि यह इकाई बच्चों द्वारा उपभोग किए जाने वाले हाई रिस्क हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स बनाती है। ऐसी अस्वच्छ परिस्थितियाँ सीधे तौर पर छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरे में डाल सकती थीं। एफएसएसएआई ने साफ किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

8वें वेतन आयोग की बैठकें अगस्त में, कर्मचारियों को मिली राहत

महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त को आयोजित की जाएंगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। आयोग ने दिल्ली में विभिन्न कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स यूनियनों के साथ आगामी बैठकों का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। ये महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त, 2026 को आयोजित की जाएंगी, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के वेतनमान, भत्तों और पेंशन से संबंधित विभिन्न सुझावों पर गहन चर्चा की जाएगी। इस घोषणा से देश के लगभग 1.19 करोड़ केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स को राहत मिली है, जो लंबे समय से आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। आयोग ने उन सभी कर्मचारी और पेंशनर्स संगठनों को एक और अवसर प्रदान किया है, जिन्होंने पूर्व में अपना मेमोरेंडम जमा कर दिया था, लेकिन किसी कारणवश अभी तक आयोग के साथ उनकी बैठक नहीं हो पाई थी। ऐसे संगठन इन आगामी बैठकों में शामिल होने के लिए 31 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय उन्हें अपनी मेमो आईडी के साथ अपॉइंटमेंट की मांग करनी होगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा के बाद प्राप्त होने वाले अनुरोधों पर सीमित विचार किया जाएगा, इसलिए सभी संगठनों को निर्धारित तिथि से पहले प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है। 8वें वेतन आयोग का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए मौजूदा वेतन, भत्तों और पेंशन व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करना है। इस प्रक्रिया के तहत आयोग विभिन्न कर्मचारी संगठनों, यूनियनों और फेडरेशनों से सुझाव एकत्र कर रहा है। दिल्ली में होने वाली ये बैठकें इसी व्यापक विचार-विमर्श प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जहाँ कर्मचारी संगठन सीधे आयोग के समक्ष अपनी मांगों और सुझावों को प्रस्तुत कर सकेंगे। इन्हीं सुझावों के अध्ययन के बाद आयोग अपनी सिफारिशें तैयार करेगा, जिन्हें बाद में केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा, और इन्हीं के आधार पर भविष्य के नए वेतनमान व अन्य लाभ तय होंगे।

एचडीएफसी बैंक पर अमेरिकी जांच का साया, शेयरों में गिरावट जारी

45 करोड़ के कथित भुगतान को लेकर सवाल, निवेशक चिंतित

मुंबई ।

अमेरिका की तीन प्रमुख लॉ फर्मों ने एचडीएफसी बैंक के खिलाफ संभावित संघीय प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन की जांच शुरू कर दी है, जिसके बाद बैंक के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। तिमाही नतीजों के बाद से पिछले पांच कारोबारी सत्रों में शेयर लगभग 10 फीसदी गिर चुके हैं, जिसने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह जांच महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को कथित तौर पर किए गए 45 करोड़ रुपए के भुगतान से जुड़ी है। आरोप है कि बड़े डिपॉजिट प्राप्त करने के लिए दी गई अतिरिक्त ब्याज राशि को कथित तौर पर विपणन खर्च के रूप में दर्ज किया गया था। इस राशि को फिर चार स्थानीय वेंडरों के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों पर खर्च दिखाया गया।

अमेरिकी लॉ फर्मों ने फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह मामला सामूहिक मुकदमे का रूप लेगा या नहीं। वे उन निवेशकों से जानकारी जुटा रही हैं, जिन्हें बैंक के शेयरों में आई गिरावट से नुकसान हुआ है। हालांकि, एचडीएफसी बैंक ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। बैंक का कहना है कि उसके सभी लेनदेन निर्धारित नियमों और एक मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के तहत किए जाते हैं, और किसी भी अनियमितता के आरोप पूरी तरह से निराधार हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 3,030 करोड़ के 3 भव्य केमिकल पार्कों को दी मंजूरी

भव्य-रसायन योजना के तहत 2030-31 तक होगा विकास

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में तीन बड़े केमिकल पार्कों की स्थापना के लिए 3,030 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी नई योजना को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में भारत औद्योगिक विकास योजना रसायन (भव्य-रसायन) को हरी झंडी मिली, जिसका मुख्य लक्ष्य भारत को रसायन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना वर्तमान वित्त वर्ष से शुरू होकर 2030-31 तक पांच वर्षों के लिए लागू रहेगी। योजना की कुल लागत 3,030 करोड़ रुपये है, जिसमें से 3,000 करोड़ रुपये साझा अवसंरचना एवं बुनियादी सुविधाओं के विकास पर और 30 करोड़ रुपये प्रशासनिक व्यय पर खर्च होंगे। वैष्णव ने बताया कि ये पार्क कम से कम 2,000 एकड़ (करीब 8 वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र में स्थापित होंगे और प्रत्येक में 20,000 करोड़ रुपये से 50,000 करोड़ रुपये तक का निवेश आकर्षित होने की संभावना है। इन पार्कों का विकास राज्यों के साथ चैलेंज रूट के तहत किया जाएगा, जहां राज्य सरकारें ग्रीनफील्ड (नई) या ब्राउनफील्ड (पुरानी) विकल्पों में से चुनाव कर सकेंगी। केंद्र सरकार प्रत्येक पार्क के लिए अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये का अनुदान देगी, जबकि संबंधित राज्य सरकार को कम से कम 500 करोड़ रुपये का योगदान करना होगा। अधिकारिक बयान के अनुसार यह योजना रसायन उद्योग की समूची मूल्य श्रृंखला का विकास करेगी, लॉजिस्टिक लागत में कमी लाएगी और घरेलू-विदेशी निवेश को बढ़ावा देगी। इससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, रोजगार के अवसर सृजित होंगे और भारतीय रसायन क्षेत्र की वैश्विक प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। इन पार्कों में आधुनिक सुविधाएं जैसे सीईटीपी, जल आपूर्ति और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित किए जाएंगे, जिससे कृषि, वस्त्र, दवा, वाहन व इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा।

कठुआ को मिलेगी मजबूत बिजली, ग्रिड उन्नयन को 15.22 करोड़ मंजूर

क्षेत्र में मिलेगी विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति

श्रीनगर।

जम्मू कश्मीर सरकार ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कठुआ ग्रिड स्टेशन के उन्नयन के लिए 15.22 करोड़ रुपए की एक महत्वपूर्ण परियोजना को हरी झंडी दे दी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले की जानकारी एक सरकारी प्रवक्ता ने दी, जिसमें बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने पर जोर दिया गया है। प्रवक्ता के अनुसार इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य कठुआ ग्रिड स्टेशन की क्षमता में वृद्धि करना और उससे संबंधित बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाना है। यह पहल विशेष रूप से क्षेत्र में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए पारेषण नेटवर्क को मजबूत करेगी और उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय विद्युत अवसंरचना उपलब्ध कराएगी। अधिकारियों का मानना है कि इस उन्नयन से पारेषण प्रणाली की विश्वसनीयता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

साथ ही, यह प्रणाली पर पड़ने वाले अधिक दबाव को कम करने में भी सहायक होगा। इसका सीधा लाभ कठुआ और आसपास के क्षेत्रों के हजारों उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके लिए अब बेहतर गुणवत्ता और अधिक स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

क्रेडिट कार्ड खर्च 2 लाख करोड़ के पार, लगातार दूसरे महीने उछाल

मुंबई।

भारतीय उपभोक्ताओं ने क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च करने की अपनी आदत को जून में भी बरकरार रखा है, लगातार दूसरे महीने खर्च का आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपए के निशान को पार कर गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून में क्रेडिट कार्ड से कुल 2.01 लाख करोड़ रुपए का व्यय दर्ज किया गया, जो पिछले साल इसी अवधि के मुकाबले 9.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि है। हालांकि, यह मई के 2.02 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले मामूली रूप से कम रहा। क्रेडिट कार्ड खर्च में प्रमुख खिलाड़ियों में एचडीएफसी बैंक और एसबीआई कार्ड का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। एचडीएफसी बैंक ने 16.2 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी के साथ 59,432 करोड़ रुपए का खर्च दर्ज किया, जबकि एसबीआई कार्ड का खर्च 34.4 फीसदी बढ़कर 41,077 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड खर्चों में 5.2 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज की गई और यह 31,410.9 करोड़ रुपए रहा।

एक्सिस एमएफ के पूर्व डीलर वीरेश जोशी पर 7 साल का प्रतिबंध

30.55 करोड़ की अवैध कमाई जब्त, व्हाट्सएप चैट से खुला राज

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फ्रंट-रनिंग ट्रेडिंग के गंभीर आरोपों पर ऐक्सिस म्युचुअल फंड के पूर्व चीफ डीलर वीरेश जोशी पर सात साल के लिए प्रतिभूति बाजार में पाबंदी लगा दी है। उन पर 3 करोड़ रुपए का भारी जुर्माना भी लगाया गया है। इस मामले में सेबी ने जोशी के 20 अन्य सहयोगियों को भी 3 से 7 साल के लिए प्रतिबंधित किया है, जिन पर 10 लाख रुपए से 1 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया गया है। नियामक ने इस अवैध गतिविधि के जरिये हुई अनुमानित 30.55 करोड़ रुपए की कमाई को पहले ही जब्त कर लिया है। सेबी के अंतिम आदेश के अनुसार, जोशी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ऐक्सिस एमएफ के बड़े सौदों से जुड़ी गोपनीय जानकारी अपने बाहरी सहयोगियों को दी। इन लोगों ने दुबई से ओडीआईएन टर्मिनल और दूसरों के नाम पर खोले गए खातों का इस्तेमाल कर फ्रंट-रनिंग ट्रेड किए, जिससे बाजार में हेरफेर कर अवैध मुनाफा कमाया गया। इस गैर-कानूनी कमाई को ऑफशोर कंपनियों में जमा किया गया।

श्रीराम फाइनेंस का मुनाफा पहली तिमाही में 60 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 60 प्रतिशत बढ़कर 3,453 करोड़ रुपये रहा।

मुख्य रूप से आय में वृद्धि से लाभ बढ़ा है।

श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के एक कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि शुद्ध ब्याज आय 33.67 प्रतिशत बढ़कर 8,056 करोड़ रुपये होने और शुद्ध ब्याज मार्जिन के पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 8.11 प्रतिशत से बढ़कर 9.04 प्रतिशत होने से मुनाफे में वृद्धि हुई।

उन्होंने कहा कि जापान के एमयूएफजी द्वारा 4.4 अरब डॉलर में कंपनी में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने से भी शुद्ध ब्याज मार्जिन बढ़ाने में मदद मिली।

जीपी पेट्रोलियम्स का मुनाफा पहली तिमाही में तीन गुना होकर 20.6 करोड़ पहुंचा

मुंबई ।

लुब्रिकेंट बनाने वाली कंपनी जीपी पेट्रोलियम्स लिमिटेड (जीपीपीएल) का मुनाफा (पीएटी) चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 20.6 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 6.4 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय सालाना आधार पर 46 प्रतिशत बढ़कर 230.3 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 158.2 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कर पूर्व आय करीब तीन गुना होकर 29.2 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 10 करोड़ रुपये थी।जीपी पेट्रोलियम्स के प्रवक्ता ने कहा कि बेहतर परिचालन मार्जिन, उत्पाद मिश्रण में सुधार और परिचालन दक्षता पर लगातार ध्यान देने के साथ ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत शुरुआत की है।

बिट्टू की एंट्री से बदली पंजाब की चुनावी बिसात, नया समीकरण गढ़ने में भाजपा कामयाब

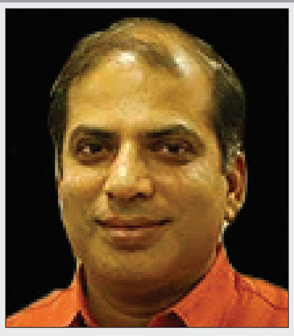

नीरज कुमार दुबे

दरअसल, रवनीत सिंह बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है।

केंद्रीय मंत्री पद से रवनीत सिंह बिट्टू का इस्तीफा पंजाब की राजनीति में भाजपा के सबसे बड़े चुनावी दांव के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि बिट्टू विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं और पार्टी के चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो चुका था। इसके बाद उन्होंने रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। बिट्टू ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें देश और विशेष रूप से पंजाब की सेवा करने का अवसर मिला तथा उनका सार्वजनिक जीवन राष्ट्रवाद, सेवा और विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे भी जारी रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू लंबे समय तक कांग्रेस में रहे। वर्ष 2009 में वह आनंदपुर साहिब से सांसद बने और बाद में दो बार लुधियाना का प्रतिनिधित्व किया। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थामा, लेकिन लुधियाना से कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ चुनाव हार गए। इसके बाद उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

पंजाब की राजनीति में बिट्टू की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वह पिछले कुछ समय से पंजाब में भाजपा के संगठन और चुनावी तैयारी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि भाजपा का लक्ष्य पंजाब में ₹डबल इंजन सरकार₹ बनाना है और प्रधानमंत्री मोदी के विकास के विजन को हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचाना है।

दरअसल, बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। पंजाब में लगभग 58 प्रतिशत आबादी सिखों की है, जबकि करीब 39 प्रतिशत हिंदू हैं। इसके अलावा राज्य में लगभग 32 प्रतिशत दलित और लगभग 16 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग है। भाजपा की कोशिश इन चारों सामाजिक वर्गों में समानांतर स्वीकार्यता बढ़ाने की है।

भाजपा की इसी नई रणनीति की झलक हाल में आई 'सतलुज' फिल्म को लेकर हुए विवाद में भी देखने को मिली थी। रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म का खुलकर विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह ऐसे संवेदनशील विषय को उभारने का प्रयास है, जिससे पंजाब का माहौल दोबारा तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली कोशिश बताते हुए फिल्म पर सवाल उठाए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिट्टू का यह रुख भाजपा की बदली हुई चुनावी रणनीति का संकेत था। पहले जहां पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर अपेक्षाकृत आक्रामक भाषा का प्रयोग करती थी, वहीं अब वह सिख समुदाय की धार्मिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति को अधिक संतुलित और संयमित बना रही है। माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में सिख मतदाताओं के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए ऐसे मुद्दों पर सावधानीपूर्वक राजनीतिक संदेश देना चाहती है, ताकि हिंदू, सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग, इन चारों प्रमुख सामाजिक समूहों में समानांतर स्वीकार्यता विकसित की जा सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनने की दिशा में लगातार काम किया है। इसका असर चुनावी आंकड़ों में भी दिखा, जहां 2022 विधानसभा चुनाव में लगभग 6.6 प्रतिशत मत पाने वाली भाजपा का वोट प्रतिशत 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर लगभग 19 प्रतिशत तक पहुंच गया। यही कारण है कि पार्टी अब पंजाब में अकेले दम पर सत्ता हासिल करने का सपना देख रही है।

हालांकि शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के रिश्तों को लेकर राजनीतिक अटकलें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। इसका ताजा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान देखने को मिला था। जालंधर की सभा में प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और 'अकाली दल' तीनों पर निशाना साधते हुए कहा कि अकाली दल भी आपसी स्वार्थों के कारण पंजाब की प्रभावी सेवा नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री ने किसी विशेष अकाली गुट का नाम नहीं लिया, लेकिन शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बाद में दावा किया कि यह टिप्पणी उनकी पार्टी पर नहीं, बल्कि अन्य अकाली धड़ों के लिए थी। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी, क्योंकि भाजपा और अकाली दल का लगभग 25 वर्षों पुराना गठबंधन 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर टूटने के बाद भी दोनों दलों के हर सार्वजनिक बयान को संभावित राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जाता है। हालांकि भाजपा नेतृत्व फिलहाल गठबंधन पुनर्जीवित करने की किसी संभावना से इंकार कर रहा है और अपने संगठन को स्वतंत्र रूप से मजबूत करने की बात कह रहा है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब की राजनीति में भाजपा और अकाली दल के संबंध इतने महत्वपूर्ण रहे हैं कि दोनों दलों के बीच होने वाला हर संवाद भविष्य की संभावनाओं के नजरिए से परखा जाता है।

साथ ही भाजपा ने अपने राजनीतिक संदेश और भाषा में भी उल्लेखनीय बदलाव किया है। कभी ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाने वाली पार्टी अब सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक शिकायतों को अधिक संवेदनशीलता से संबोधित करती दिखाई दे रही है। पार्टी लगातार कांग्रेस को ऑपरेशन ब्लू स्टार, पंजाब में आतंकवाद के दौर और 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए जिम्मेदार ठहराती है, जबकि स्वयं को सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है।

देखा जाये तो भाजपा की इस बदली हुई राजनीतिक रणनीति की पृष्ठभूमि को समझने के लिए उसके पुराने रुख पर भी नजर डालना जरूरी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी आत्मकथा 'माय कंट्री, माय लाइफ' में पंजाब में उग्रवाद के दौर के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों के लिए उग्रवाद को बढ़ावा दिया और हालात इतने बिगड़ने दिए कि अंततः ऑपरेशन ब्लू स्टार की नौबत आ गई। आडवाणी ने यह भी लिखा था कि भाजपा और अन्य दलों के देशव्यापी आंदोलनों के दबाव में तत्कालीन केंद्र सरकार को स्वर्ण मंदिर परिसर से उग्रवादियों को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी थी। हालांकि अब पंजाब में चुनावी विस्तार की कोशिशों के बीच भाजपा की सार्वजनिक भाषा पहले की तुलना में कहीं अधिक संतुलित और संवेदनशील दिखाई देती है। पार्टी अब ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'राष्ट्रीय त्रासदी' बताते हुए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराती है, लेकिन साथ ही सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक पीड़ा को भी प्रमुखता से स्वीकार करने का प्रयास कर रही है।

इसी बदलाव के तहत भाजपा ने हाल के वर्षों में कई प्रतीकात्मक और राजनीतिक कदम उठाए हैं। वीर बाल दिवस की घोषणा, करतारपुर साहिब गलियारे का उद्घाटन, अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप भारत लाना, 1984 दंगों के मामलों की जांच में तेजी, हवाई अड्डों पर कृपाण ले जाने की अनुमति, स्वर्ण मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार दौरे तथा लंबे समय से जेल में बंद कुछ सिख कैदियों को मानवीय आधार पर राहत जैसे फैसलों को इसी व्यापक सिख पहुंच अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा ने यह भी संकेत दिया है कि सत्ता में आने पर धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जा सकता है।

हालांकि भाजपा इस पूरे अभियान के दौरान एक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है। पार्टी स्पष्ट करती है कि उसका आतंकवाद और खालिस्तानी हिंसा के प्रति रुख नहीं बदला है। पंजाब भाजपा के नेताओं का कहना है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार को राष्ट्रीय त्रासदी मानने का अर्थ आतंकवाद का समर्थन नहीं है, बल्कि उस समय की परिस्थितियों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराना है।

फिर भी भाजपा की इस नई राजनीतिक भाषा को लेकर संदेह भी कम नहीं है। कई राजनीतिक विश्लेषकों और सिख बुद्धिजीवियों का मानना है कि पार्टी का यह बदलाव मुख्य रूप से चुनावी गणित से प्रेरित है। उनका कहना है कि केवल हिंदू मतों के सहारे पंजाब में सरकार बनाना संभव नहीं है, इसलिए भाजपा सिख मतदाताओं के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए अपने राजनीतिक संदेश को नया स्वरूप दे रही है।

बहरहाल, अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा की सामाजिक समीकरणों पर आधारित नई रणनीति और सिख समाज तक पहुंच बनाने की कोशिश पंजाब के मतदाताओं को प्रभावित कर पाएगी या फिर राज्य की पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति ही चुनाव परिणाम तय करेगी। अगले विधानसभा चुनाव इस सवाल का सबसे बड़ा जवाब साबित होंगे।

संपादकीय

छोटे परिवार, बड़े संकट

देश के बहुचर्चित ह्यहनीमून मर्डरह्न केस की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने आधुनिक जीवनशैली से पारिवारिक विघटन पर जो गंभीर टिप्पणी की, मानो उसने भारतीय समाज की दुखती रग पर हाथ रख दिया। सोनम रघुवंशी मामले में मेघालय सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले की बेंच ने गंभीर टिप्पणी की कि आज पति-पत्नी के रिश्तों में भरोसा कम हो रहा है। पहले संयुक्त परिवार रिश्तों को संभालते थे। संयुक्त परिवार इंसान को निराशा सहना और एडजस्ट करना सिखाते थे। लेकिन आज छोटे परिवारों की व्यवस्था के कारण पुरुषों व महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ रहा है। लोग छोटी-छोटी बातों में चिढ़ने लगते हैं। गैजेट्स की लत ने इस संकट को और बढ़ाया है। जस्टिस सुंदरेश ने तो यहां तक कहा कि आज बच्चा किसी बात पर जरा रो दे, माता-पिता उसे मोबाइल थमा देते हैं। निस्संदेह, भावनाओं का विकल्प कभी गैजेट्स नहीं हो सकते। धीरे-धीरे बच्चों को इस मोबाइल की लत लग जाती है। उनकी एकाग्रता भंग होने लगती है। भले ही अदालत के समक्ष एक संगीन अपराध का मामला था, लेकिन उसने उस गंभीर संकट के मर्म पर चोट की है, जिससे आए दिन परिवार बिखराव की दहलीज पर खड़े नजर आते हैं। विडंबना देखिए कि जिस भारतीय समाज में ह्यतलाकह्न के लिये कोई शब्द ही नहीं था, वहां अदालतों में रिश्तों को तोड़ने वालों की भीड़ लगी है। यहां तक कि एक बार अदालत को कहना पड़ा कि पारिवारिक झगड़ों के कारण महत्वपूर्ण कानूनी मामलों पर दबाव बढ़ रहा है। एक समय था कि पश्चिमी जगत में भारतीय परिवार संस्था की सार्थकता व समृद्ध परंपराओं की दुहाई दी जाती थी। लेकिन आज उसी भारत ने पश्चिमी समाज का अंधानुकरण करके एकल परिवार को जीवन का लक्ष्य बना लिया है। जिसके चलते लाखों परिवार संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे हैं। जिससे पारिवारिक संस्था संकटों से जूझ रही है। हाल के दिनों में विवाह से ठीक पहले और विवाह के ठीक बाद के, कई वीभत्स हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं।

जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

जल संकट का असंतुलित प्रबंधनः अस्तित्व पर मंडराता खतरा

ललित गर्ग

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है। इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है। भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया।

जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं। वे वर्षा के जल को रोककर भूजल को समृद्ध बनाती थीं। आधुनिक विकास की दौड़ में इन जल स्रोतों को या तो नष्ट कर दिया गया या अतिक्रमण का शिकार बना दिया गया। यदि इन पारंपरिक जल प्रणालियों का पुनर्जीवन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बबार्दी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।

27वें कारगिल विजय दिवसःहिमालय की चोटियों पर लिखा गया भारत की विजय का स्वर्णिम अध्याय

योगेश कुमार गोयल

कारगिल के दुर्गम पर्वतों पर अदम्य साहस की अमर कहानी...

देश आज कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ मना रहा है। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई को ह्यकारगिल विजय दिवसह्न के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ह्यऑपरेशन विजयह्न के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी। दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए थे। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहूति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरूआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ह्यऑपरेशन विजयह्न की शुरूआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ह्यऑपरेशन विजयह्न की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, ह्यये दिल मांगे मोरह्न तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

संक्षिप्त समाचार

चेक गणराज्य में सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश, 5 सैनिक थे सवार ; एक की मौत की खबर

प्राग, एजेंसी। चेक गणराज्य के पूर्वी हिस्से में गुरुवार को सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलिकॉप्टर में 5 सैनिक सवार थे। चेक सेना ने बताया कि हादसा नामेस्ट नाद ओस्लावोउ स्थित सैन्य अड्डे पर हुआ। हादसे के बाद आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। समाचार एजेंसी सीटीके के मुताबिक, हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है। सेना ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हेलिकॉप्टर यूएच-1वाई वेनम था। यह बेल टेक्सट्रॉन द्वारा निर्मित बहुउद्देशीय हेलिकॉप्टर है, जिसमें जनरल इलेक्ट्रिक के दो टी700-जीई-401सी इंजन लगे होते हैं।

फ्रांस में जंगल की आग के कारण 10 हजार से ज्यादा लोग सुरक्षित निकाले गए

पेरिस, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में तेजी से फैल रही जंगल की आग के कारण रातभर में 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, बोर्डो शहर के पश्चिम में लगी आग अब तक करीब 2 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को अपनी चपेट में ले चुकी है। आग पर काबू पाने के लिए करीब 500 दमकलकर्मी जुटे हुए हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, आग बेहद तेजी से फैल रही है, हालांकि अब तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह आग आर्काशों खाड़ी के पास लगी है, जो पर्यटकों के बीच लोकप्रिय इलाका है। आग के कारण निकाले गए लोगों में बड़ी संख्या में कैंपिंग साइट्स पर ठहरे पर्यटक शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक यूरोप में जंगल की आग से जलने वाला क्षेत्र पिछले 20 वर्षों के वार्षिक औसत से अधिक हो चुका है। दुनिया के सबसे तेजी से गर्म हो रहे महाद्वीप यूरोप में इस साल अब तक लगातार तीन भीषण हीटवेव भी पड़ चुकी हैं।

फ्रांस में 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन : ऐसा करने वाला पहला ईयू देश

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की संसद ने 15 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर रोक लगाने वाला बिल पास कर दिया है। इसके साथ ही फ्रांस ऐसा कानून बनाने वाला श्व का पहला देश बन गया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बिल का समर्थन किया है और इसे सितंबर से लागू करने की तैयारी है। कानून लागू कराने की जिम्मेदारी डिजिटल रेगुलेटर आर्कॉम की होगी। हालांकि, बच्चों की उम्र की जांच कैसे होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। फ्रांस के बाद ब्रिटेन, स्पेन, ग्रीस और डेनमार्क भी सोशल मीडिया के लिए न्यूनतम उम्र तय करने की तैयारी में हैं। फ्रांस के कई माता-पिता ने फैसले का स्वागत किया है, जबकि कुछ किशोरों को एजुकेशनल कंटेंट और दोस्तों से संपर्क प्रभावित होने की चिंता है। शिक्षा मंत्री और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी कहा है कि सिर्फ बैन काफी नहीं होगा, बच्चों को डिजिटल दुनिया के सुरक्षित इस्तेमाल के बारे में शिक्षित करना भी जरूरी है।

थाईलैंड में हिंसा : दक्षिणी प्रांत में सुरक्षा चौकी पर हमला, गोलीबारी-पाइप बम विस्फोट में पांच सैनिकों की मौत

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड के दक्षिणी प्रांत नाराथिवाट में सुरक्षा चौकी पर हुए एक बड़े आतंकी हमले में पांच सैनिकों की मौत हो गई। हमलावरों ने पहले सुरक्षा चौकी पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की और फिर पाइप बम फेंककर हमला किया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और हमलावरों की तलाश की जा रही है। थाईलैंड की रॉयल आर्मी की इंटरनल सिक्योरिटी ऑपरेशंस कमांड के अनुसार, यह हमला 22 जुलाई की शाम नाराथिवाट प्रांत के रा-न्गे जिले के बुकेह सामी चेकपॉइंट पर हुआ। उस समय 45वीं रेंजर फोर्स रेजिमेंट के जवान सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान हथियारबंद हमलावरों ने अचानक हमला कर दिया। आईएसओसी ने सभी शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने दक्षिणी सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान अधिकारियों को सी साखोन जिले में एक वाहन मिला, जिसे हमले में इस्तेमाल किए जाने का संदेह है। अधिकारियों के मुताबिक, हमलावरों ने सबूत मिटाने के लिए उस वाहन को आग के हवाले कर दिया था। फोरेंसिक टीम ने हमले वाली जगह और बरामद वाहन दोनों स्थानों से साक्ष्य जुटाए हैं। इनकी मदद से हमलावरों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है। आईएसओसी ने कहा कि सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मिलकर आरोपियों की तलाश तेज कर रही हैं। साथ ही इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है ताकि आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि हमलावरों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के सामने पेश किया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मु की रोमानिया यात्रा से बदले समीकरण: AI से ग्रीन एनर्जी तक साथ चलेंगे दोनों देश, सहयोग पर फोकस

बुखारेस्ट, एजेंसी। भारत और रोमानिया ने गुरुवार को आर्थिक सहयोग को अपनी द्विपक्षीय साझेदारी का अहम स्तंभ बताते हुए अगले तीन वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया। साथ ही दोनों देशों ने फार्मास्यूटिकल्स, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह घोषणा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की रोमानिया यात्रा के दौरान हुई, जो पिछले तीन दशकों में किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली आधिकारिक यात्रा है।

क्या कहा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल और संस्कृति से जुड़े तीन समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और रोमानिया के बीच सात दशकों से अधिक पुरानी मित्रता आपसी विश्वास, सम्मान और मजबूत जन-से-जन संबंधों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि समय के साथ यह साझेदारी लगातार मजबूत हुई है और अब यह अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों, गहरे सहयोग और साझा भविष्य की नई दिशा में आगे बढ़ रही है।

आर्थिक सहयोग को लेकर क्या बनी सहमति : राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आर्थिक सहयोग दोनों देशों की साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार है। दोनों देश व्यापार और निवेश को बढ़ावा देंगे, आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को मजबूत करेंगे और दोनों देशों के उद्योगों के बीच घनिष्ठ सहयोग को प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया गया है।

किन-किन क्षेत्रों में बढ़ेगा सहयोग : राष्ट्रपति ने बताया कि भारत और रोमानिया ने विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग), दवा उद्योग, स्वास्थ्य, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, कृषि उत्पादन, उर्वरक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं की पूरक क्षमताओं का लाभ उठाकर इस सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा।

रक्षा क्षेत्र में क्या हुआ फैसला : राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि रक्षा सहयोग भी भारत-रोमानिया संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देशों ने नियमित आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाकर इस साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की है।

आईटीईसी और एआई प्रशिक्षण को लेकर क्या घोषणा हुई : उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने रोमानिया के लिए भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण अवसरों की संख्या दोगुनी करने का निर्णय लिया है। इनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे। इसके अलावा भारतीय विदेश सेवा संस्थान ने रोमानियाई राजनयिकों को आगामी पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया है, जिसमें एआई और साइबर कूटनीति पर विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर किस सहयोग पर बनी सहमति : राष्ट्रपति मुर्मु ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के तहत जारी सहयोग का स्वागत किया। उन्होंने यह भी कहा कि रोमानिया ने आपदा-रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) और ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस से जुड़ने की इच्छा जताई है, जिसका भारत ने स्वागत किया है।

2028 को लेकर क्या खास घोषणा हुई : राष्ट्रपति मुर्मु ने बताया कि वर्ष 2028 में भारत और रोमानिया के बीच राजनयिक संबंधों के 80 वर्ष पूरे होंगे। इस अवसर को दोनों देशों ने 'भारत-रोमानिया नवाचार वर्ष'के रूप में मनाने पर सहमति जताई है।

वैश्विक मुद्दों पर क्या चर्चा हुई : दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई ताकि वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

राष्ट्रपति मुर्मु ने रोमानिया को क्या संदेश दिया : राष्ट्रपति मुर्मु ने रोमानिया सरकार और वहां के लोगों द्वारा मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही रोमानिया के राष्ट्रपति निकुशोर दान का नई दिल्ली में स्वागत करने की उम्मीद करती हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और रोमानिया के राष्ट्रपति निकुशोर दान के बीच सार्थक और व्यापक बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा की और साझा हितों के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का बुखारेस्ट स्थित कोट्रोचेनी पैलेस में औपचारिक स्वागत किया गया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। इसी अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल तथा बुखारेस्ट विश्वविद्यालय में भारतीय अध्ययन पीठ (चेयर ऑफ इंडियन स्टडीज़) की स्थापना से जुड़े तीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

बांग्लादेश खसरा प्रकोप का कहर, दो बच्चों की मौत के बाद मरने वालों का आंकड़ा 805 पहुंचा

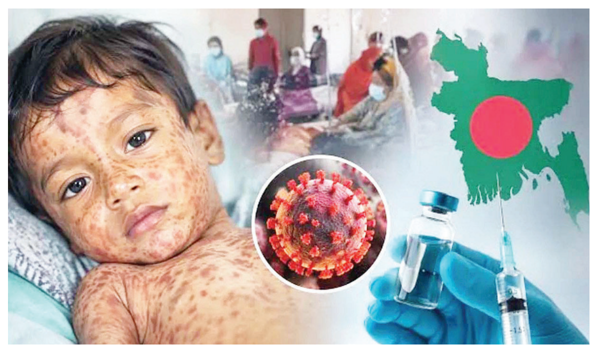

ढाका, एजेंसी। स्वास्थ्य कारणों के चलते बांग्लादेश खसरा प्रकोप ने पूरे देश में हाहाकार मचा दिया है। गुरुवार को इस जानलेवा बीमारी के लक्षणों वाले दो और बच्चों की बेहद दर्दनाक मौत हो गई। इन नई मौतों के साथ ही इस भयंकर बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 805 तक पहुंच गई है। पूरे देश में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है और अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) के अनुसार पिछले 24 घंटों में ये दोनों नई मौतें दर्ज की गई हैं। समाचार एजेंसी यूएनबी के मुताबिक इन दोनों मौतों को फिलहाल संदिग्ध खसरे से हुई मौत ही माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार खसरे से पक्के तौर पर हुई मौतों की संख्या 95 है, जबकि संदिग्ध मौतों का आंकड़ा 710 हो गया है। इस बड़े स्वास्थ्य संकट को देखकर अधिकारियों और सरकार की चिंता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

संक्रमण के नए डराने वाले आंकड़े : डीजीएचएस ने बताया है कि पिछले 24 घंटों में खसरे के 848 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं। 15 मार्च से अब तक दर्ज किए गए संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,21,200 हो गई है। इसी दौरान खसरे के 166 नए पुष्टि किए गए मामले भी सामने आए, जिससे कुल पुष्टि मामले 15,007 हो गए। खसरे से हर दिन औसतन लगभग चार बच्चों की मौत हो रही है और 800 लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है।

जुलाई के पहले तीन हफ्तों में भी इस जानलेवा बीमारी से हालात बहुत ही ज्यादा गंभीर बने हुए थे। डीजीएचएस के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान हर दिन औसतन 1,005 संदिग्ध और पुष्टि किए गए मामले सामने आए। औसतन 821 लोगों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा और लगभग चार लोगों की हर दिन दुखद मौत हुई। सरकार का कहना है कि उसने अपना आपातकालीन खसरा टीकाकरण अभियान का बड़ा लक्ष्य पूरा कर लिया है। नेशनल वेरिफिकेशन कमेटी के अध्यक्ष महमूदुर रहमान ने कहा है कि हालात में कुछ सुधार जरूर हुआ है।

अपना ही एक नियम तोड़ रहे नेपाल के पीएम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह खुद का बनाया अपना एक नियम तोड़ रहे हैं। ऐसा भारत और चीन से नेपाल के रिश्तों में संतुलन लाने के लिए किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक बालेन शाह ने काठमांडू में तैनात अन्य देशों के राजदूतों से अकेले मीटिंग न करने का निर्णय लिया था। लेकिन अब ऐसी सूचना आई है कि पीएम शाह इस हफ्ते भारतीय और चीनी राजदूतों से अलग-अलग मिलने की योजना बना रहे हैं। नेपाल इस बात पर जोर देना चाहता है कि उसके लिए भारत और चीन का महत्व समान है। काठमांडू पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बालेन शाह जल्द ही भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीनी राजदूत झांग माओमिंग से मिलने वाले हैं।

मीटिंग की डेट तय नहीं : हालांकि अभी इस मीटिंग की एग्जैक्ट तारीख सामने नहीं आई है। एनडीटीवी के मुताबिक नेपाल सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि मीटिंग की डेट बहुत जल्द ही सामने आएगी। यह फैसला बालेन शाह सरकार ने अपने पहले 100 दिन पूरी कर लिए थे। बता दें कि बालेन शाह नेपाल में जेन जी के विद्रोह के बाद सत्ता में आए थे। इसके नेपाल के प्रधानमंत्री ने लंबे समय से चली आ रही कूटनीतिक प्रथाओं को छोड़ दिया और विदेशी दूतों से व्यक्तिगत रूप से मिलने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने दो बार काठमांडू में तैनात राजदूतों के साथ संयुक्त कूटनीतिक बैठकें की हैं। कूटनीतिक परंपरा यह रही है कि हर नया निर्वाचित प्रधानमंत्री कार्यकाल संभालने के कुछ दिनों के भीतर प्रधानमंत्री कार्यालय या उनके आधिकारिक निवास पर विदेशी राजदूतों से व्यक्तिगत रूप से मिलते हैं। लेकिन बालेन के मामले में अभी तक एक बार अपवाद हुआ है। उन्होंने जुलाई की शुरुआत में नेपाल के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष मसातो कंदा से मुलाकात की। काठमांडू मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाह ने हाल ही में व्यापार समुदाय, जिसमें व्यापारी, ठेकेदार, उद्योगपति और निर्यातक समूह के साथ नियमित रूप से जुड़ना भी शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि प्रधानमंत्री ने पिछले दो सप्ताह में विभिन्न हितधारकों से मिलना शुरू कर दिया है। अब हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उन्हें विदेशी राजदूतों और राजनयिकों के साथ भी बातचीत करनी चाहिए।

पाकिस्तान ने सीजेपी प्रदर्शन को बताया भारत का आंतरिक मामला, टिप्पणी करने से किया इनकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर अब पाकिस्तान का आधिकारिक बयान आ गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस पूरे विवाद को भारत का आंतरिक मामला बताते हुए टिप्पणी से इनकार कर दिया है। साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में पाक प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि वे ऐसे मामलों पर कोई भी बयान नहीं देते हैं। यह प्रदर्शन नीट परीक्षा में हुई कथित धांधली को लेकर चल रहा है जिसमें हजारों छात्र अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। यह विशाल आंदोलन अब अपने पांचवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और छात्रों का गुस्सा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। प्रदर्शनकारी मुख्य रूप से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में बड़े सुधार की मांग कर रहे हैं। बीस जुलाई को संसद मार्च के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद यह आंदोलन और उग्र हो गया है। इस बीच सोनम वांगचुक ने भी छात्रों के समर्थन में चल रहा अपना पच्चीस दिनों का लंबा अनशन अब पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

पीएम मोदी ने दिया सख्त निर्देश : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीट पेपर लीक मामले को बहुत गंभीरता से लेते हुए कुछ अहम और बड़े फैसले लिए हैं। उन्होंने सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक के मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का ऐलान किया है। पीएम ने कहा कि छात्रों के सुरक्षित भविष्य की रक्षा करना सरकार की सबसे बड़ी और अहम प्राथमिकता है। सरकार दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने के लिए सभी जरूरी और सख्त कदम उठा रही है। सरकार का बातचीत का प्रस्ताव केंद्र सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बातचीत करने का अपना प्रस्ताव एक बार फिर से दोहराया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार अब तक चार बार सीजेपी से बातचीत का प्रस्ताव दे चुकी है। सरकार स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के साथ छात्रों की वार्ता कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, छात्रों ने नड्डा के आवास पर बैठक से इनकार करते हुए किसी तटस्थ स्थान पर बातचीत की मांग रखी है।

पुलिस और छात्रों के बीच झड़प : बीस जुलाई को आयोजित संसद चलो मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और दिल्ली पुलिस के बीच भारी हिंसक झड़प हुई थी। छात्रों का सीधा आरोप है कि पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। वहीं दिल्ली पुलिस का कहना है कि छात्रों ने सुरक्षा बैरिकेड तोड़ने की बहुत कोशिश की थी। इसके बाद ही हालात को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा था।

पाकिस्तान की कूटनीतिक चुप्पी : इस पूरे मामले पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया से कई तरह के कूटनीतिक संकेत भी बहुत साफ मिल रहे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बहुत ही सधे हुए अंदाज में इसे भारत का मामला बताकर खुद को किनारे कर लिया है। प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने मानवाधिकारों के सवाल पर भी बहुत ही स्पष्ट और सीधा जवाब देने से खुद को बचाया। इससे यह साफ होता है कि पाकिस्तान फिलहाल भारत के इस आंतरिक और संवेदनशील मुद्दे पर कोई भी दखल नहीं चाहता। सरकार के लाख मनाने के बावजूद भी प्रदर्शनकारी छात्र फिलहाल अपनी मांगों से पीछे हटने को बिल्कुल तैयार नहीं हैं। छात्रों का स्पष्ट कहना है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं होतीं, यह विशाल आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा।

लगातार 13वीं रात अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों पर किए हमले, होर्मुज विवाद से तेल की कीमतों में भारी उछाल

वाशिंगटन, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने गुरुवार को ईरान पर लगातार 13वीं रात जोरदार और भारी हवाई हमले किए हैं। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक बंदर अब्बास के पश्चिमी इलाके में कई विस्फोटों की तेज आवाजें सुनी गई हैं। दोनों देशों के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण को लेकर यह गंभीर सैन्य टकराव अब अपने चरम पर पहुंच चुका है।

इस बीच यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने भी लाल सागर में सऊदी अरब के दो तेल टैंकरों पर हमला किया है। इन लगातार हो रहे बड़े हमलों के कारण दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बहुत गहरी चिंता बढ़ गई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 6 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर करीब 100 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गई है। यह मई के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत का सबसे ऊंचा और खतरनाक स्तर माना जा रहा है।

अमेरिकी सेना का बड़ा बयान : अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इन नए हमलों की आधिकारिक पुष्टि करते हुए अपनी अहम जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शाम 6:45 बजे ईरानी सैन्य ठिकानों के खिलाफ यह बड़ा अभियान शुरू किया गया था। यह लगातार 13वीं रात है जब अमेरिका ने ईरान को जवाबदेह ठहराने के लिए इतने बड़े हमले किए हैं। इसका मुख्य मकसद कमर्शियल जहाजों को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से मिलने वाले खतरे को कम करना है।

स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज विवाद : अमेरिका के इन ताजा और बड़े हमलों का सीधा मकसद क्षेत्रीय जल से गुजरने वाले आम नाविकों की सुरक्षा करना है। वाशिंगटन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर फिर से नियंत्रण पाने और अपनी सुरक्षित शिपिंग को बहाल करने की कोशिश कर रहा है। दूसरी तरफ ईरान ने इस बेहद अहम समुद्री व्यापारिक रास्ते होर्मुज को पूरी तरह से बंद कर दिया है। इसी कारण दोनों देशों की सेनाएं एक-दूसरे के सामने आ गई हैं और युद्ध जैसे भयंकर हालात बन गए हैं।

हूती विद्रोहियों की नई धमकी : हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब में दुनिया के एक और बहुत अहम व्यापारिक मार्ग को भारी खतरा पैदा कर दिया है। उन्होंने लाल सागर में सऊदी तेल टैंकरों पर हमला करके पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एक बहुत बड़ी चुनौती दी है। इन घटनाओं से दुनिया में तेल की भारी किल्लत और आर्थिक संकट पैदा होने की बहुत बड़ी आशंका है। अमेरिका ने इस स्थिति से निपटने के लिए अपनी नौसेना और वायुसेना को पूरी तरह से सतर्क कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों और ईरान को अपनी बहुत ही सख्त और बड़ी चेतावनी जारी की है। ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर उन्होंने वाणिज्यिक जहाजों पर अपने ये जानलेवा हमले लगातार जारी रखे। तो इसके जवाब में उन्हें अमेरिका की तरफ से बहुत बड़ी और विनाशकारी सैन्य सजा भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। अमेरिका अपने और अपने सहयोगी देशों के व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

कनाडा, अमेरिका के साथ व्यापारिक बातचीत में अपने हितों की रक्षा की पहल करेगा : कनाडाई पीएम कार्नी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनकी सरकार हाल ही में अमेरिकी की टैरिफ धमकियों के जवाब में देश के हितों की रक्षा के लिए जो भी करना होगा करेगी। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कार्नी ने गुरुवार को प्रिंस एडवर्ड आइलैंड के शार्लेटटाउन में राज्य और इलाके के नेताओं की एक मीटिंग में यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा, वाशिंगटन से व्यापार के दबाव के बावजूद अपने मजदूरों, किसानों, बिजनेस और परिवारों की रक्षा और मदद करेगा। पीएम कार्नी ने कहा, '18 महीने पहले जब यह ट्रेड वॉर शुरू हुआ था, तब की तुलना में हम अब ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं। हम खुद कनाडाई लोगों के पक्के इरादे और इस टेबल पर मौजूद प्रीमियर्स के फोकस की वजह से ज्यादा मजबूत स्थिति में हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कुछ कनाडाई सामानों पर 50 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने के लिए उद्घोषणा पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि कनाडा अमेरिकी वाणिज्य के साथ भेदभाव कर रहा है। 1930 के टैरिफ एक्ट के सेक्शन 338 का इस्तेमाल करते हुए, ट्रंप ने कुछ खास कनाडाई इंपोर्ट पर नई ड्यूटी लगाने के लिए तीन अलग-अलग प्रोक्लेमेशन पर साइन किए। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस एक्शन का मकसद अमेरिकी वाणिज्य के साथ कनाडा के भेदभाव वाले बर्ताव से यूएस कॉमर्स पर पड़ने वाले बोझ और नुकसान को कम करना और अमेरिकी एक्सपोर्ट, खासकर कारों, शराब और डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए प्लेइंग फील्ड को बराबर करना है। व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, मादक पेय, मोटर गाड़ियों और उनसे जुड़े सामानों पर मूल्य के अनुसार अतिरिक्त 50 फीसदी ड्यूटी 19 अगस्त से लागू होगी। जवाब में, पीएम कार्नी ने सोमवार को नए अमेरिकी टैरिफ को कनाडा-यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको एग्रीमेंट का सीधा उल्लंघन करने वाली एकतरफा अमेरिकी व्यापार एक्शन की सीरीज में सबसे नया बताया। प्रधानमंत्री कार्नी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने ट्रंप से बात की है और दोनों पक्ष व्यापार बातचीत को तेज करने पर सहमत हुए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में, सिर्फ दो देशों, चीन और कनाडा ने वाशिंगटन के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के बजाय ट्रंप के टैरिफ का जवाब देने का फैसला किया। इसने कहा कि सरकार ने 18 ट्रेड डील पक्की कीं, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्ट के लिए नए मार्केट खुले, लेकिन यह भी कहा कि कनाडा ने अपनी व्यापार रुकावटों को दूर करने के बजाय अमेरिका के साथ भेदभाव करने का फैसला किया।

मैनहट्टन में दो लोगों पर चाकू से हमला, एशियाई और यहूदी व्यक्ति बना निशाना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मैनहट्टन स्थित अपर वेस्ट साइड इलाके में गुरुवार (स्थानीय समय) दो अलग-अलग चाकूबाजी की घटनाओं से सनसनी फैल गई। इन दोनों हमलों में एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति घायल हुआ है। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने 51 वर्षीय संदिग्ध राउल मोरालेस को दोनों मामलों में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या ये हमले किसी नफरत की भावना से किए गए थे। न्यूयॉर्क पुलिस आयुक्त जेसिका एस. टिश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि दोनों घायलों को तुरंत माउंट सीनाई-सेंट ल्यूक्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। राहत की बात यह है कि दोनों की हालत खतरे से बाहर है और उनके बचने की उम्मीद है।

जेसिका टिश ने कहा, 'अपर वेस्ट साइड में दो अलग-अलग हमलों में दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। दोनों पीड़ितों में एक एशियाई पुरुष और एक यहूदी पुरुष शामिल हैं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया है और दोनों के बचने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि 51 वर्षीय राउल मोरालेस को दोनों हमलों के संबंध में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की जांच अभी भी जारी है और हमले के पीछे की असली वजह का पता लगाया जा रहा है। पुलिस आयुक्त के अनुसार, पीड़ितों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से पता चला है कि हमले के दौरान आरोपी ने 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाया था। इसी आधार पर न्यूयॉर्क पुलिस विभाग इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह मामला संभावित हेट क्राइम का है। जेसिका टिश ने यह भी बताया कि न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के रिकॉर्ड में आरोपी का मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा कोई इतिहास नहीं मिला है। हालांकि शुरुआती जांच से संकेत मिले हैं कि इस घटना में मानसिक स्वास्थ्य भी एक संभावित कारण हो सकता है। पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में आरोपी और दोनों पीड़ितों के बीच किसी तरह

का कोई संबंध सामने नहीं आया है। इस घटना पर न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है और उन्हें राहत है कि दोनों घायल फिलहाल स्थिर हालत में हैं। जोहरान ममदानी ने 'एक्स' पर लिखा, 'अपर वेस्ट साइड में एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति पर हुए भयावह चाकू हमले की जानकारी मुझे दी गई है। पीड़ितों और गवाहों के अनुसार, हमलावर ने दोनों घटनाओं के दौरान 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाया था। मुझे खुशी है कि दोनों पीड़ितों की हालत स्थिर है। उन्होंने न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस ने दोनों हमलों के आरोपी राउल मोरालेस को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में मानसिक स्वास्थ्य एक संभावित कारण के रूप में सामने आया है और पुलिस इन हमलों को संभावित हेट क्राइम के रूप में भी जांच रही है। इस तरह के नफरत से प्रेरित और घृणित हमलों की हमारे शहर में कोई जगह नहीं है।

पुलिस ने बाया कि आरोपी को दबोच लिया गया है। उसका नाम राउल मोराल्स है।आरोपी की उम्र 51 साल बताई गई है। पुलिस कमिश्नर ने कहा, इस मामले की जांच की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि आखिर इस अपराध के पीछे वजह क्या थी। यह भी पता लगाया जाएगा कि यह कोई आपसी रंजिश का मामला तो नहीं था। वहीं न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि हो सकता है कि यह मानसिक विक्षिप्तता का मामला हो। उन्होंने कहा कि इस तरह के घृणित कार्यों के लिए शहर में कोई जगह नहीं है। उन्होंने बताया कि दोनों ही पीड़ित अब ठीक हैं और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। बता दें कि इसी महीने न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन के कोनी आइलैंड में अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के जश्न के दौरान गोलीबारी हुई थी जिसमें कम से कम आठ लोग घायल हो गए थे।

जिंदगी में मकसद रखने वाले लोगों की सेहत रहती है अच्छी

जिन लोगों की जिंदगी में मकसद होता है उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। एक हालिया शोध में बताया गया है कि जब लोग 60 साल की उम्र को पार करने लगते हैं तो संबंधों में बदलाव होने लगता है। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार जिनकी जिंदगी में मकसद और ध्येय होता है उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है और वे लंबा जीवन जीते हैं।

ऐसे किया शोध

शोधकर्ताओं ने 1042 वयस्कों के डाटा का विश्लेषण किया। इस शोध में शामिल प्रतिभागियों की उम्र 21 से लेकर 100 साल के बीच में थी।

शोधकर्ताओं ने इन प्रतिभागियों के जीवन के मकसद और ध्येय को जानने की कोशिश की। इंटरव्यू और प्रश्नोत्तरियों के द्वारा उन्होंने प्रतिभागियों से दो सवालों- मैं अपने जीवन में एक उद्देश्य या मिशन की तलाश कर रहा हूं और मैंने अपने जीवन में एक संतुष्ट करने वाले मकसद की तलाश कर ली है, के बारे में अपने निजी तर्क देने को कहा। जर्नल ऑफ क्लीनिकल साइकाइट्री में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि जिन लोगों के जीवन में एक मकसद होता है वे उन लोगों की तुलना में ज्यादा खुश और स्वस्थ होते हैं जिनके जीवन में कोई मकसद नहीं होता।

मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है

शोधकर्ताओं के अनुसार जिन लोगों के जीवन में मकसद होता है उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है जबकि जो लोग जीवन के मकसद की तलाश में होते हैं उनका मानसिक स्वास्थ्य और बुद्धिमता सबसे खराब स्थिति में होती है। शोधकर्ता दिलीप वी जेस्टे ने कहा कि, जब आप अपनी जिंदगी के मतलब को ज्यादा समझने लगते हैं तो आप ज्यादा संतुष्ट महसूस करते हैं। वहीं, अगर आपकी जिंदगी में कोई लक्ष्य नहीं है और आप उसकी तलाश बिना मन के कर रहे हैं तो आप असफल हो जाएंगे और बहुत ज्यादा तनाव महसूस करेंगे। शोधकर्ताओं ने देखा कि 60 की उम्र में जीवन में मतलब होने का स्तर ऊंचा चला गया और मतलब की तलाश में कमी आई। जेस्टे ने कहा, जब आप युवा होते हैं, जैसे आप 20 साल की उम्र में होते हैं तो आप अपने करियर को लेकर और जीवनसाथी को लेकर अनिश्चित होते हैं। आपको पता नहीं होता कि एक इंसान के तौर पर आप कहां आकर खड़े होंगे। उस वक्त आप अपनी जिंदगी के मतलब की तलाश करते हैं। जैसे ही आप अपने जीवन के तीसरे, चौथे और पांचवे दशक में प्रवेश करते हैं आप पहले से कहीं ज्यादा स्थाई होते हैं।

क्या आप भी बहुत जल्दी-जल्दी खाना खाते हैं? जानें जल्दबाजी में खाना खाने के 4 नुकसान

क्या आपकी आदत भी जल्दी-जल्दी खाना खाने की है? कुछ लोगों के खाने की स्पीड इतनी तेज होती है कि उन्हें अक्सर अपने साथ खाने वालों का या तो इंतजार करना पड़ता है या लोगों को खाता हुआ छोड़कर उठना पड़ता है। ऐसे लोग जल्दी-जल्दी खाने को अपनी क्वलिटीज में गिनना शुरू कर देते हैं बाकियों को स्लो ईटर कहकर चिढ़ाने लगते हैं। मगर वो शायद नहीं जानते हैं कि जल्दी-जल्दी खाने की आदत उनके लिए कितनी नुकसानदायक हो सकती है। जी हां, वैज्ञानिकों के अनुसार हमें अपना खाना हमेशा धीरे-धीरे, अच्छी तरह चबाकर और स्वाद लेकर खाना चाहिए। इससे खाना पचाने में आसानी रहती है। जल्दी-जल्दी खाना खाने की आदत आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकती है। आइए आपको बताते हैं इससे जुड़े 4 बड़े नुकसान।

जरूरत से ज्यादा खा जाते हैं आप

जल्दी-जल्दी खाना खाने वाले लोग अक्सर अपनी जरूरत से ज्यादा खा जाते हैं, जो कि उनकी सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। ओवरईटिंग के कारण आप मोटापे, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। जब आप जल्दी-जल्दी खाने लगते हैं, तो आपके दिमाग को ये समझने में समय लगता है कि आपका पेट भर गया है। इसलिए आप जरूरत भर का खाना खा लेने के बाद भी खाते रहते हैं।

मोटापे का बनते हैं शिकार

जल्दी-जल्दी खाने की आदत आपको मोटापे का शिकार बना सकती है। दरअसल जल्दी-जल्दी खाने के कारण आपका मेटाबॉलिज्म कमजोर होता है, जिससे शरीर के फैट बर्न करने की क्षमता कम हो जाती है और आप धीरे-धीरे मोटापे का शिकार होने लगते हैं। इसलिए आपको हमेशा अपना खाना धीरे-धीरे खाना चाहिए। इस तरह भी आप अपने वजन को काबू में रख सकते हैं। धीरे-धीरे खाने से आपका पेट कम खाने से भी भर जाता है।

अच्छी तरह नहीं पचता है खाना

आप तेज खाना इसलिए खा पाते हैं क्योंकि खाने को दांत से देर तक चबाने के बजाय सीधा निगल लेते हैं। खाने को चबाना इसलिए जरूरी है ताकि आपका खाना छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट जाए और डाइजेस्टिव सिस्टम के लिए उसे पचाना और प्रॉसेसिंग करना आसान हो जाए। इसके अलावा जब आप खाना को चबाकर खाते हैं, तो आपके मुंह की लार उसमें मिल जाती है। आपका थूक पेट में डाइजेस्टिव एंजाइम्स को एक्टिवेट करता है, ताकि वो खाने को तोड़कर पोषक तत्वों को अलग कर सकें।

ब्लड शुगर बढ़ सकता है

यह बात पढ़कर आपको भी झटका लग सकता है कि तेजी से खाना खाने से आपका ब्लड शुगर बढ़ सकता है। दरअसल तेजी से खाना खाने से शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस शुरू हो जाता है, जिसके कारण आपका ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। लंबे समय में ये आदत आपको डायबिटीज का शिकार बना सकती है। अगर आप पहले से डायबिटीज का शिकार है, तो आपके लिए तेजी से खाना खाना बहुत खतरनाक हो सकता है। इसलिए आपको हमेशा खाना धीरे-धीरे खाना चाहिए।

रेसिपी

मटर कोफ्ते

सामग्री

■ 1 कप मटर के दाने ■ 2 उबले आलू ■ 1 टीस्पून अरारोट या बेसन ■ 1 टुकड़ा कसा हुआ अदरक ■ 1-2 हरी मिर्च ■ नमक स्वादानुसार।

■ 3 मध्यम आकार के टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक ■ 2 टीस्पून तेल या घी ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 2 टीस्पून मलाई ■ लाल मिर्च ■ 1/2 टीस्पून गर्म मसाला ■ नमक स्वादानुसार ■ बारीक कटा हरा धनिया।

विधि

मटर को उबाल कर दरदरा पीस लें। आलू मैश करें। कोफ्ते की सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ी सामग्री अलग करें और बाकी सामग्री से नींबू के आकार के गोले बनाकर तैयार कर लें। कोफ्तों को ब्राउन होने तक तलकर अलग रखें। टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट बना लें। फ्राइंगपैन में तेल डालकर जीरा, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। अब मसाले का पेस्ट डालें और उसे तेल छोड़ने तक भूनें। मसाले में मलाई डालकर 2 मिनट तक भूनें। नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला डालें। ग्रेवी को जितना गाढ़ा करना चाहते हैं, उतना ही पानी डालें। उबाल आने के बाद 2 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी में कोफ्ते डालकर 2 मिनट ढककर रख दें। बारीक कटे हुए धनिये से गार्निश करें। चावल या रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

रेसिपी

ब्रोकली पनीर पीनट मसाला

सामग्री

■ पनीर- 250 ग्राम (चौकोर या तिकोने शेप में कटे हुए) ■ ब्रोकली- 200 ग्राम (बड़े टुकड़ों में कटा) ■ मूंगफली- 100 ग्राम ■ प्याज- 1 कप (बारीक कटा) ■ टमाटर- 1 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी) ■ अदरक-लहसुन- 1 चम्मच (बारीक कटी) ■ हल्दी- 1 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून ■ धनिया पाउडर- 1 टीस्पून ■ गरम मसाला- 1 टीस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- 4 टेबलस्पून

विधि

सबसे पहले मीडियम आंच पर एक कड़ाही में तेल गर्म करें। तेल के गर्म होते ही प्याज और हरी मिर्च डालकर गोल्डन होने तक भून लें। अब अदरक-लहसुन और मूंगफली भून जाएं, तब इसमें ब्रोकली डालकर धीमी आंच पर 10 से 12 मिनट तक ढ़ककर पका लें। इसके बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और गरम मसाला डालकर तब तक भूनें, जब तक कि मसाले तेल न छोड़ दें। अब पनीर, नमक और टमाटर डालकर 5 से 6 मिनट तक पका लें। इसके बाद ऊपर से हरी धनिया डालकर गरमा-गरम रोटी या नान के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मित्तव्यता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्व पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्व पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 5021

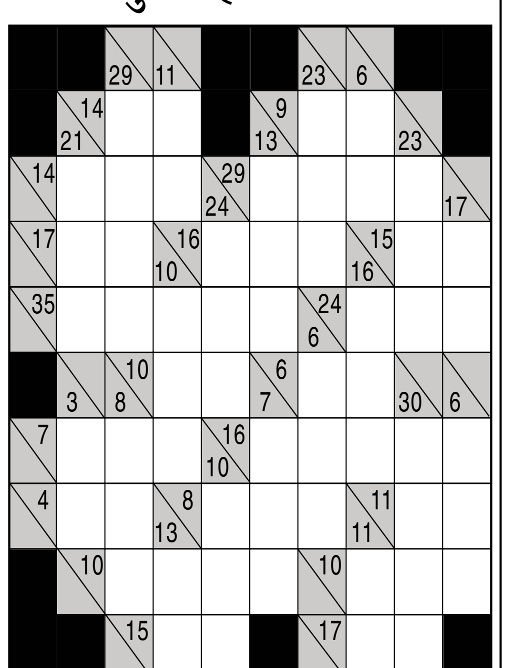

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

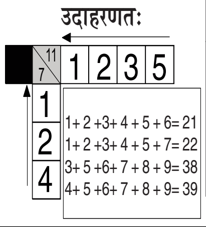

काकुरो - 5020 का हल

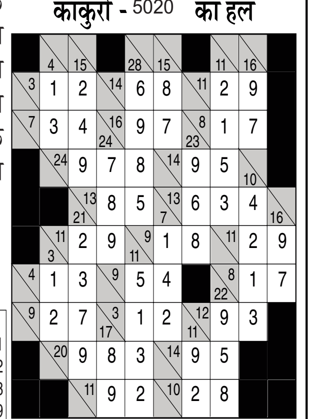

लॉफिंग जौन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

☐ ☐ ☐

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

☐ ☐ ☐

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली-5021

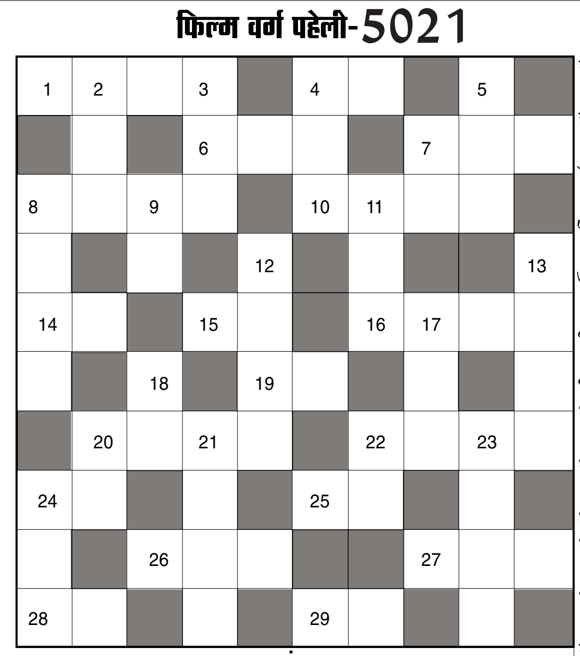

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-5020

गु	रू		खा	मो	शी		आ	स	श
रू		फ	न		बा	द	शा	ह	
दे	वी		दा	ग		स्त		र	न
व	र	दा	न		म	क	ड़ी		ती
	ता			फॉ	सी			श	जा
आ		स	जा		हा	र	जी	त	
शि	का	र		आ		क्ष		औ	
क		ग	ब	न		क	ह	र	
	धू	म		बा	जी			दि	ल
पा	प		जी	न	त		डॉ	न	

सूडोकु -5021

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5020 हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली -5021

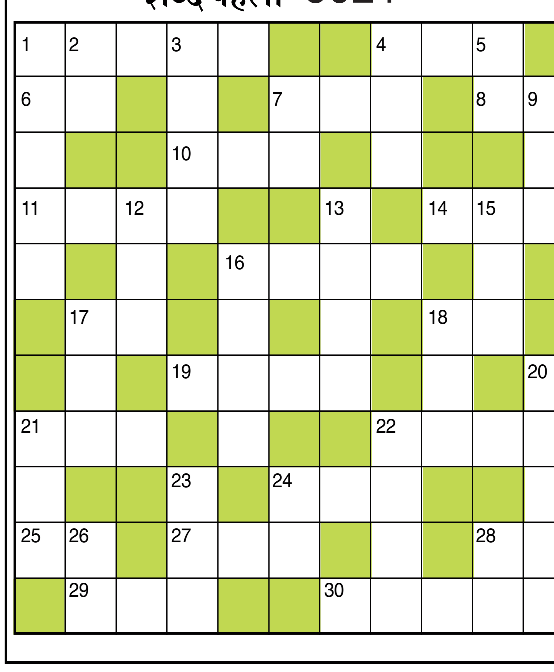

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -5020 का हल

	म	हा	भा	र	त		प	र	वा	ना
त	न		स्क		मा	हि	र		र	ग
न		त	र	क	श		ख	र		वा
ब	न्ध	क			बी	वी		न	ज	र
द		दी		दा	न		फां		ल	
न	ज	र	बं	द		न	सी	ब	वा	ला
	रु		दी		म	न		च		प
श	री	र		जं	हा			प	गा	र
रा		न	म		सा	ग	वा	न		वा
फ	ल		स	ज	ग		च		आ	ह
त	क्ष	शि	ला		र	द्द	क	र	ना	

पश्चिम बंगाल में एक सितंबर से सार्वजनिक स्थानों पर थूकने, पेशाब करने और कचरा फैलाने पर लगेगा जुर्माना

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता और ठोस कचरा प्रबंधन को पूरी तरह आधुनिक और जवाबदेह बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। शहरी विकास एवं नगर निकाय मामलों की मंत्री अग्निमित्रा पाल ने विधानसभा में विभागीय बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि एक सितंबर से सार्वजनिक स्थानों पर थूकने, खुले में पेशाब करने और कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा। इसके लिए आवश्यक नियमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि 31 जुलाई तक पूरे राज्य में 'स्वच्छ' ऐप शुरू कर दिया जाएगा, जिसके माध्यम से नागरिक अपने क्षेत्र में सड़क किनारे या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जमा

कचरे की तस्वीर अपलोड कर शिकायत दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने के दो घंटे के भीतर संबंधित नगर निगम या नगरपालिका को सफाई सुनिश्चित करनी होगी। अग्निमित्रा पाल ने कहा कि राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों में ठोस कचरा प्रबंधन को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत प्रत्येक शहरी परिवार को क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि कचरा संग्रह करने वाले सभी वाहनों में जीपीएस ट्रैकर लगाए जाएंगे। इससे कचरा संग्रहण की पूरी प्रक्रिया की वास्तविक समय में निगरानी की जा सकेगी और सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

भारत ने पाकिस्तान के जानबूझकर बाढ़ लाने के दावों का खंडन किया

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तानी मीडिया के उन दावों का खंडन किया है जिसमें कहा गया है कि भारत जानबूझकर वहां पर बाढ़ ला रहा है। उन्होंने कहा कि चेनाब नदी में जल स्तर के बढ़ने का स्पष्ट कारण मानसूनी बारिश है। भौगोलिकसंदर्भ विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि 20 से 23 जुलाई के दौरान चेनाब नदी में के बहाव में वृद्धि हुई।

इसका कारण जम्मू और उसके आसपास के क्षेत्र में भारी मानसूनी बारिश रही। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के अपने बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग (लाहौर) ने 22 जुलाई को जारी अपनी बाढ़ चेतावनी में चेनाब नदी में बाढ़ के ऊंचे स्तर का कारण ऊपरी जल क्षेत्र में हुई भारी बारिश को ही बताया था। इसमें यह भी कहा गया था कि मराला में पानी का तेज बहाव बना रहेगा और बारिश कम होने पर यह धीरे-धीरे घटेगा। उन्होंने कहा कि मौसम की वजह से आई बाढ़ की इस घटना को ऊपरी क्षेत्र से की गई छेड़छाड़ के रूप में पेश करने की कोशिशें गलत और तकनीकी रूप से आधारहीन है। यह पाकिस्तान की अपनी आधिकारिक बाढ़ चेतावनियों के भी खिलाफ है। बाढ़ की चेतावनी को लेकर प्रवक्ता ने कहा कि नदी का बहाव असाधारण स्तर तक नहीं पहुँचा था। इसके चलते कोई विशेष चेतावनी जारी करने की जरूरत नहीं पड़ी।

भारत ने चीन के दावों को किया खारिज, कहा- भारत ने कभी नहीं किया चीन की संप्रभुता का उल्लंघन

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत किसी भी परिस्थिति में चीन की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं करता और इस मुद्दे पर उसका रुख हमेशा एक समान रहा है। मंत्रालय ने चीन के भारतीय क्षेत्रों पर अपना अधिकार जमाने के दावों का खंडन किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संप्रभुता के मुद्दे पर सवाल उठाने का अधिकार वास्तव में भारत का है। चीन वर्ष 1963 से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के भारतीय क्षेत्रों के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा किए हुए है। वहीं भारत ने कभी चीन की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं किया और इस विषय पर उसकी नीति हमेशा स्पष्ट और सुसंगत रही है। प्रवक्ता ने कहा कि भारत के दावों स्वयं चीन भी आधिकारिक रूप से स्वीकार कर चुका है। इसके बावजूद चीन जम्मू-कश्मीर के भारतीय क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाएं चला रहा है। इनपर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

ब्लूटूथ आधारित मैसेजिंग ऐप 'बिचैट' हटाने के निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 'गिटहब' को ब्लूटूथ आधारित मैसेजिंग एप्लिकेशन 'बिटचैट' को हटाने का निर्देश दिया। बिटचैट का इस्तेमाल नई दिल्ली के कुछ हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहने के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शनों में हुआ है। बिचैट के डेवलपर और एक्स (पूर्व में ट्विटर) के सह-संस्थापक जैक डोर्सी ने एक्स पर पोस्ट कर दावा किया कि भारत सरकार बिचैट जैसी तकनीकों को पसंद नहीं करती और इसे हटाना चाहती है। उन्होंने गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के आदेश की प्रति भी साझा की। बिटचैट जैसे ऐप नेटवर्क प्रतिबंधों के दौरान ब्लूटूथ के जरिए संचार की सुविधा देते हैं। आदेश में कहा गया है कि इससे राष्ट्रविरोधी तत्वों, आतंकवादी संगठनों, संगठित अपराध समूहों और साइबर अपराधियों द्वारा कानूनी निगरानी से बचते हुए संपर्क बनाए रखने का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के मद्देनजर ऐप को हटाने का निर्देश दिया गया है।

पारंपरिक मूल्यों का अभाव दूर करने के लिए महिलाओं के साथ पुरुषों का भी प्रबोधन जरूरी - मोहन भागवत

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि पारंपरिक जीवन मूल्यों को बचाने के लिए महिला और पुरुष दोनों का प्रबोधन आवश्यक है। युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए परिवार, कुटुंब के महत्व को ध्यान में रखते हुए संवाद जरुरी है।

इंडिया इंटरनेशनल आंबेडकर सेंटर में आयोजित 'युगानुकूल मातृत्व' पर विश्वमांगल्य सभा की दो दिवसीय प्रबोधन बैठक को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने परिवार, समाज पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर कहा कि तकनीक का उपयोग करना चाहिए लेकिन उसका गुलाम नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को

सोशल मीडिया से दूर रखने से पहले उसका स्वयं पर पालन करना चाहिए। समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं सशक्त हैं, उन्हें अवसर देने की जरूरत है। आज के बदलते परिवेश में परिवार चलाने का दायित्व भी महिला और पुरुष दोनों पर समान है। अधिकारों के साथ कर्तव्यों का बोध हो और परिवार में अधिक संवाद हो तो अपनापन बढ़ता है। इसलिए परिवार को एकजुट रखने का दायित्व महिलाओं के साथ पुरुषों का भी है। युगानुकूल मातृत्व विषय पर मोहन भागवत ने कहा, 'मातृत्व की आवश्यकता मानव जीवन भर बनी रहती है। ऐसा नहीं है कि यह आवश्यकता केवल बचपन तक ही सीमित रहती है। दस-बारह वर्ष की आयु के बाद, जब बच्चा बड़ा हो जाता है, तो वह कम आज्ञाकारी होने लगता है। सबसे पहले वह अपनी माँ की अवज्ञा करता है। क्योंकि यदि वह अपने पिता की अवज्ञा करता है, तो उसे डांट पड़ सकती है, लेकिन माँ के साथ उसे यह भय नहीं होता, इसलिए वह पलटवार करता है, जिद्दी हो जाता है और इस तरह की हरकतें करता है। यहाँ तक कि जब प्रत्यक्ष शिक्षा जीवन को पूर्ण करने के लिए आवश्यक नहीं रह जाती, तब भी भावनात्मक सहारे की आवश्यकता बनी रहती है। एक स्वाभाविक और हमेशा उपलब्ध स्थान जहाँ कोई जाकर रो सकता है, जहाँ उसे शांति मिल सकती है, वह स्थान हमेशा माँ ही होती है। इसलिए, यह आवश्यकता मानव जीवन भर बनी रहती है। '

रवनीत बिट्टू ने दिया मंत्रिपरिषद से इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इसे स्वीकार कर लिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार

राष्ट्रपति ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75(2) के तहत तत्काल प्रभाव से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। पंजाब से आने वाले पूर्व कांग्रेस नेता रवनीत सिंह बिट्टू का जून में राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो गया है। उन्हें दोबारा राज्यसभा नहीं भेजा गया है और पार्टी उन्हें आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों में सक्रिय कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सत्य साई ग्राम के सेवा मॉडल को बताया जनकल्याण का प्रेरक उदाहरण

एजेंसी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज कर्नाटक के सत्य साई ग्राम, मुद्देनहल्ली का दौरा कर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित समग्र सेवा मॉडल का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी है कि साय ने वन वर्ल्ड वन फैमिली मिशन के संस्थापक सद्गुरु मधुसूदन साई से भेंट कर छत्तीसगढ़ में जनकल्याणकारी सेवाओं के विस्तार, विशेष रूप से निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और मूल्य आधारित शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का आधार केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित समाज है। राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को सुशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखते हुए अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं के अनुभव, नवाचार और सेवा भावना से जनकल्याण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल, रायपुर द्वारा पूर्णतः निशुल्क बाल हृदय शल्य चिकित्सा (पीडियाट्रिक कार्डियक

सर्जरी) के माध्यम से हजारों बच्चों को नया जीवन देने के कार्य की मुख्यमंत्री ने विशेष सराहना की। उन्होंने इसे मानवता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए अस्पताल के विस्तार, मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल की स्थापना तथा भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के व्यापक विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री साय मूल्य आधारित शिक्षा पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन में विश्व के लगभग 25 देशों से आए 100 से अधिक शिक्षकों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने श्री सत्य साई अन्नपूर्णा ट्रस्ट द्वारा संचालित साईश्योर न्यूट्रास्यूटिकल्स इकाई का भी अवलोकन किया। साईश्योर मल्टी-न्यूट्रिएंट हेल्थ मिक्स के माध्यम से देश के 25 राज्यों एवं 4 केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग एक करोड़ बच्चों तक पोषण सहायता पहुंचाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ के विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में ऐसे नवाचारों के माध्यम से बच्चों के पोषण स्तर को और बेहतर बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। छत्तीसगढ़ के लगभग 300 युवाओं को यहां नर्सिंग शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ सेवा भाव से प्रेरित दक्ष स्वास्थ्य मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

एनटीए में एक्शन : 47 कर्मियों को किया सेवा से बर्खास्त, दोषियों के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। पेपरलीक के खिलाफ चल रहे आंदोलन के बीच सरकार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में बड़ा बदलाव करने वाली है। बताया जा रहा है कि एजेंसी से जुड़े 47 लोगों को हटा दिया गया है और इसमें से कुछ लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के आमूलचूल पुनर्गठन की योजना पर काम कर रही है। इसके तहत अगले एक महीने के भीतर एजेंसी की संरचना में बड़े बदलाव किए जाएंगे। एनटीए के कामकाज और परीक्षा संचालन प्रणाली में व्यापक सुधार किए जाएंगे। खास तौर पर एजेंसी द्वारा अपनाई जाने वाली आउटसोर्सिंग व्यवस्था को बदला जाएगा। यह बदलाव विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर किए जाएंगे।सरकार का उद्देश्य ऐसी लीक प्रूफ व्यवस्था तैयार करना है, जिससे राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके और परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी तथा विश्वसनीय बने।

एनटीए देश की कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परीक्षाओं का आयोजन करती है। इनमें नीट, जेईई, सीयूईटी सहित लगभग 15 से 20 राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा प्रणाली में भरोसा बहाल करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार की ओर से इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है। रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक वीडियो जारी कर देश को भरोसा दिलाया था कि पेपर लीक के

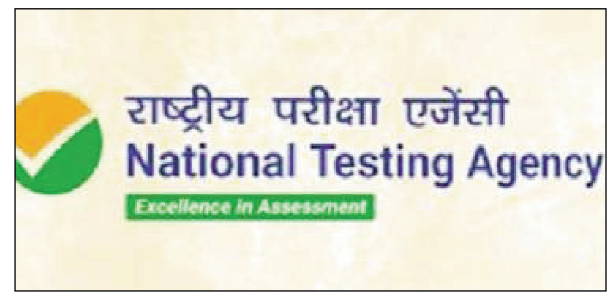

परीक्षाएं शामिल हैं। हाल ही में हुए नीट पेपर को सफलतापूर्व कराने की जिम्मेदारी भी एनटीए के पास ही थी।

विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर उठे सवालों के बीच सरकार का यह कदम खिलाफ सरकार कठोर कानून लेकर आने वाली है। इसका मसौदा तैयार किया जा चुका है। कैबिनेट की बैठक में इस पर चर्चा भी हो चुकी है। जल्द से इसे सदन में पेश किए जाने की भी संभावना है।

'वंदे मातरम' के अपमान को दंडनीय बनाने वाला बिल राज्यसभा में पेश, हंगामे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। वामपंथी दलों के सदस्यों ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को कानूनी सुरक्षा देने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। राज्यसभा में हंगामा होने के कारण सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026' राज्यसभा में पेश किया। इस विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन करना है। मौजूदा कानून के तहत राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान का अपमान करने पर तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है। प्रस्तावित संशोधन में 'वंदे मातरम' के अपमान पर भी इसी तरह की सजा का प्रावधान है। वामपंथी दलों, खासकर सीपीआई (एम) ने इसकी कड़ी आलोचना की है और इसे असंवैधानिक तथा मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया है।

राज्यसभा सदस्य और सीपीआई (एम) के नेता जॉन ब्रिटास ने नियम 67 के तहत इसे पेश किए जाने पर

आपत्ति जताते हुए नोटिस दिया। ब्रिटास ने कहा, 'वे किसी कानून के जरिए देशभक्ति और राष्ट्रवाद पैदा नहीं कर सकते। 'ए. रहीम और संतोष कुमार पी. समेत सीपीआई के अन्य सदस्यों ने भी इस विधेयक का विरोध करते हुए नोटिस दिए।

संतोष कुमार पी. ने कहा कि यह विधेयक छात्र आंदोलन से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए लाया गया है। वंदे मातरम हमें एकजुट करता है, बांटता नहीं।

विधेयक पेश करने वाले गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन को याद दिलाया कि संविधान सभा ने राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान को समान दर्जा दिया था और सरकार के मौजूदा कदम का बचाव किया।उन्होंने कहा कि 24 जनवरी 1950 से ही 'वंदे मातरम' को उचित सम्मान मिलता रहा है और यह संशोधन इसके लिए कानूनी सुरक्षा को और मजबूत करेगा।विधेयक पेश किए जाने पर सदन में हंगामा हुआ। विपक्ष के नरम पड़ने के कोई संकेत न मिलने पर उपसभापति हरिवंश सिंह ने कार्यवाही 27 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। नए प्रावधानों के तहत, 'वंदे मातरम' के गायन में बाधा डालने या किसी भी तरह से इसका अपमान करने पर सजा होगी। इस घटनाक्रम ने जबरदस्त राजनीतिक बहस छेड़ दी है। सीपीआई(एम) का तर्क है कि यह कानून सजा के जरिए देशभक्ति थोपने की कोशिश करके लोकतांत्रिक मूल्यों और व्यक्तिगत आजादी को कमजोर करता है।

यह विधेयक मानसून सत्र के पांचवें दिन पेश किया गया है। यह सत्र पहले ही नीट पेपर लीक कांड जैसे मुद्दों पर बार-बार हुए हंगामे की वजह से बाधित रहा है।

अगले सप्ताह जब सदन की कार्यवाही फिर शुरू होगी, तो सरकार आम सहमति बनाने की नई कोशिशें कर सकती है। हालांकि, वामपंथी दलों और विपक्ष के दूसरे समूहों के कड़े विरोध से संकेत मिलता है कि संसद में इस बिल को पास कराने में काफी हंगामे का सामना करना पड़ सकता है।

उत्तराखंड में 11 आईएएस-आईएफएस अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल

एजेंसीद्ब

देहरादून। उत्तराखंड शासन ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के 11 अधिकारियों के दायित्वों में फेरबदल करते हुए उनके तबादले किए। कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग की ओर से जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार प्रमुख सचिव ललरिन लियाना फैनई से आबकारी विभाग का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया गया है। सचिव नितेश कुमार झा को सूचना प्रौद्योगिकी, सुशासन एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग से हटाकर पंचायती राज विभाग का सचिव बनाया गया है। सचिव रविनाथ रमन को विद्यालयी शिक्षा विभाग से परिवहन विभाग का सचिव एवं आयुक्त-परिवहन नियुक्त किया गया है। डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय को वर्तमान दायित्व के साथ सूचना प्रौद्योगिकी, सुशासन एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग का सचिव बनाया गया है, जबकि बृजेश कुमार संत को परिवहन विभाग से हटाकर आबकारी विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में डॉ. सुरेन्द्र नारायण पाण्डेय को वर्तमान के साथ गन्ना विकास एवं चीनी विभाग का सचिव और ज्योति यादव को विद्यालयी शिक्षा

(प्राथमिक एवं माध्यमिक) विभाग का सचिव बनाया गया है। शासन ने युगल किशोर पंत को सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग और रणवीर सिंह चौहान को सचिव, वित्त विभाग की जिम्मेदारी सौंपी है। आईएफएस अधिकारी डॉ. पराग मधुकर धकाते से पंचायती राज विभाग का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया गया है। वहीं, अभिषेक रुहेला को अपर सचिव, राज्य सम्पत्ति विभाग एवं राज्य सम्पत्ति अधिकारी नियुक्त किया गया है।

मप्र में पेपर लीक के विरोध में सड़कों पर उतरे छात्र-युवा, इंदौर में ढोल-मंजीरों के साथ प्रदर्शन, रीवा-सतना में पुलिस से झड़प

एजेंसी

भोपाल। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन की गूंज अब मध्य प्रदेश में भी सुनाई देने लगी है। प्रदेश के कई जिलों में छात्र संगठनों, युवाओं और सामाजिक संगठनों ने धरना-प्रदर्शन, रैली और ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखीं। इस दौरान कई स्थानों पर नारेबाजी हुई, जबकि रीवा और सतना में प्रदर्शनकारियों तथा पुलिस के बीच झड़प की स्थिति भी बनी। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना, पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग शामिल रही। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के भविष्य का आधार होती हैं। इसलिए परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं और

जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाए।

इंदौर के टंट्या भील चौराहे पर युवाओं ने धरना देकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने ढोलक और मंजीरों की थाप पर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार को गंभीर कदम उठाने चाहिए। यहां आंदोलन लगातार जारी रहने की बात कही गई।

भोपाल में बोर्ड ऑफिस चौराहे पर धरना

राजधानी भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर भी छात्रों ने प्रदर्शन किया। एक छात्रा हाथ में ऐसा पोस्टर लेकर पहुंची, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा गया था। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना था कि वे कोई भीख नहीं मांग रहे, बल्कि अपना अधिकार मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार छात्रों की मांगों पर ठोस पहल नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

नर्मदापुरम में सांसद आवास के बाहर प्रदर्शन, पुतला जलाया

नर्मदापुरम में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सांसद दर्शन सिंह चौधरी के आवास के सामने प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाने का प्रयास किया गया।

पुलिस ने पुतला छीनने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी जलता हुआ पुतला लेकर सड़क पर दौड़ पड़े। इस घटना से कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बनी और वहां से गुजर रहे लोग भी सहम गए। रीवा में एनएसयूआई कार्यकर्ता भाजपा कार्यालय का घेराव करने निकले। पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोकने का प्रयास किया। समझाइश के बाद भी प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने लगे, जिसके बाद पुलिस ने कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। वहीं सतना में कांग्रेस और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने संयुक्त प्रदर्शन किया।

डबल इंजन सरकार में विकास और प्रगति की आई आंधी : केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी

दतिया/भोपाल। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में ग्रामीण क्षेत्रों बड़ौनी, जिगना, निचरोली, चकरासागर और गोविंद नगर में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार में विकास और प्रगति की आंधी आई है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकारें जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार विकास कार्य कर रही हैं।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश में 70 वर्षों और प्रदेश में लंबे समय तक शासन किया, लेकिन विकास के कार्यों पर ध्यान नहीं दिया। कांग्रेस हमेशा एक परिवार को आगे बढ़ाने की राजनीति करती रही, जबकि भाजपा में कार्यकर्ताओं को सम्मान और अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने जनता के अधिकारों पर डाका डालकर अपनी जेबें भरने का काम किया, वहीं भाजपा सरकार ने गरीब,

किसान, महिला, युवा और हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं लागू की हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ाया भारत का मान-सम्मान

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का मान, सम्मान और स्वाभिमान पूरी दुनिया में बढ़ा है। आज वैश्विक मंच पर भारत की मजबूत पहचान बनी है और दुनिया के बड़े देश भी भारत की भूमिका को महत्व देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने हर चुनौती का मजबूती से सामना किया है और भारत की प्रतिष्ठा विश्व स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंची है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भाजपा सरकारों ने समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए योजनाएं बनाकर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि सहित कई योजनाओं के माध्यम से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में वर्षों तक जितने आवास नहीं बने, उससे कहीं अधिक आवास प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीबों को उपलब्ध कराए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि करीब 58 वर्ष पहले दतिया क्षेत्र में सड़क, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति काफी खराब थी। गांवों में लोग लालटेन की रोशनी में पढ़ाई करने को मजबूर थे, लेकिन भाजपा सरकार ने विकास की तस्वीर बदल दी है। उन्होंने कहा कि दतिया को मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय, एयर कनेक्टिविटी, सांदीपनि स्कूल जैसी महत्वपूर्ण सौगातें भाजपा सरकार के कार्यकाल में मिली हैं। उन्होंने कहा कि अब दतिया में विकास की गति को और तेज करना है। इसके लिए भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को भारी मतों से विजयी बनाना आवश्यक है।

बिना चर्चा के 44 विभागों का बजट गिलोटिन प्रक्रिया से विधानसभा में पारित

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने गिलोटिन प्रक्रिया के तहत बिना किसी विस्तृत चर्चा के राज्य सरकार के 44 विभागों की बजट अनुदान मांगों को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इनमें वित्त, कृषि, कृषि विपणन, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उपभोक्ता मामले, पर्यावरण, वन, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण, लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी), सिंचाई एवं जलपथ, जेल, आवास तथा सूचना एवं संस्कृति जैसे कई महत्वपूर्ण विभाग शामिल हैं।

इसके अलावा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग तथा वस्त्र, मदरसा शिक्षा एवं पुस्तकालय सेवा, खाद्य प्रसंस्करण एवं बागवानी, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, विधि, श्रम, अल्पसंख्यक कल्याण, संसदीय कार्य, सुंदरबन विकास, जल संसाधन जांच एवं विकास, पश्चिमांचल उन्नयन, आदिवासी विकास, भूमि एवं भूमि सुधार, महिला एवं शिशु विकास तथा आपदा प्रबंधन एवं सिविल डिफेंस

विभागों की बजट अनुदान मांगें भी बिना चर्चा के गिलोटिन प्रक्रिया के माध्यम से पारित कर दी गईं। चालू बजट सत्र के दूसरे चरण में 20 जुलाई से 24 जुलाई तक विधानसभा में केवल 13 विभागों के बजट पर ही विस्तृत चर्चा कराई गई। इनमें गृह विभाग का बजट भी शामिल था। नई भाजपा सरकार ने लगभग 14 वर्षों के बाद गृह विभाग के बजट पर सदन में विस्तृत चर्चा कराई, जिसे सरकार ने पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। हालांकि शेष 44 विभागों के बजट पर चर्चा नहीं कराई गई और निर्धारित समय सीमा पूरी होने के बाद गिलोटिन प्रक्रिया अपनाते हुए उनकी अनुदान मांगों को एक साथ ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी गृह विभाग सहित कई महत्वपूर्ण विभागों के बजट पर विस्तृत चर्चा नहीं होती थी और उन्हें गिलोटिन प्रक्रिया के माध्यम से ही विधानसभा से पारित कराया जाता था।

सीडब्ल्यूजी 2026:

जादुमनी का दमदार आगाज

⏩ 5-0 से जीत दर्ज कर बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

ग्लास्गो, एजेंसी। भारत के बॉक्सर जादुमनी सिंह मंडेन्गबाम ने कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 का आगाज दमदार प्रदर्शन के साथ किया है। जादुमनी ने पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड के एरन कलन को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। ग्लासगो के एसईसी हॉल में खेले गए इस मुकाबले में जादुमनी शुरू से आखिर तक विपक्षी बॉक्सर पर पूरी तरह हावी रहे। उन्होंने तेज पंच, सटीक निशाने और मजबूत डिफेंस के दम पर अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरे मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सभी पांच जजों ने हर राउंड में जादुमनी को विजेता माना और उन्हें 30-27 का एक जैसा स्कोर दिया।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद स्कॉटलैंड के एरन कलन भारतीय खिलाड़ी की गति और रणनीति के आगे बेबस नजर आए।

भारतीय बॉक्सर के एक के बाद एक पंचों का एरन कलन के पास कोई जवाब नहीं था। इस जीत के साथ जादुमनी राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए हैं। अब 26 जुलाई को उनका मुकाबला पाकिस्तान के रहमान से होगा। जादुमनी अगर पाकिस्तानी बॉक्सर के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहते हैं, तो वह क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लेंगे। जादुमनी को भारत की ओर से पदक का बड़ा उम्मीदवार माना जा रहा है।

जादुमनी की इस जीत से भारतीय बॉक्सिंग टीम ने प्रतियोगिता में मजबूत शुरुआत की है। भारतीय दल इस बार ज्यादा से ज्यादा पदक जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरा है। हालांकि, ग्लासगो में हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इस बार बैडमिंटन, रेसलिंग, हॉकी, क्रिकेट और शूटिंग को शामिल नहीं किया गया है। इन खेलों में पिछले बार भारत ने कई पदक अपने नाम किए थे। इससे पहले, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने बिना रिंग में उतरे ही बॉक्सिंग में भारत के लिए पहला पदक पक्का कर लिया था, क्योंकि उन्हें पहले राउंड में 'बाय' मिला और वह सीधे सेमीफाइनल में पहुंच गईं। नियमों के अनुसार, कॉमनवेल्थ गेम्स के सेमीफाइनल में हार के बावजूद खिलाड़ी को कांस्य पदक दिया जाता है। लवलीना 31 जुलाई को पहली बार रिंग में नजर आएंगी और उनका मुकाबला टाफाकी से होगा। लवलीना अगर टाफाकी के खिलाफ जीत दर्ज करने में कामयाब रहती हैं, तो उनका कम से कम रजत पदक पक्का हो जाएगा।

FIH Youth Hockeyzs:

भारतीय टीम का गदर, पाकिस्तान को 7-3 से धोया

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान के मस्कट में खेली जा रही FIH यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने 24 जुलाई को अपना दबदबा कायम रखा. भारत ने एक ही दिन में दो बड़ी जीत दर्ज कीं, जहां उसने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-3 से हराने से पहले मेजबान ओमान को 10-1 से करारी शिकस्त दी.

दिन के सबसे हाई-वोल्टेज मुकाबले में कप्तान केतन कुशवाहा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया. हाफ-

टाइम तक रोमित पाल, करन गौतम और कप्तान केतन के गोलों की बदौलत भारत 3-0 से आगे रहा. फिर दूसरे हाफ में प्रहलाद राजभर, शाहरुख अली, राहुल यादव और केतन के गोलों ने भारत की 7-3 से जीत पक्की कर दी.

विराट कोहली से मेरा कोई झगड़ा नहीं...

● **ट्रेविस हेड ने IPL विवाद पर पहली बार तोड़ी चुप्पी, ट्रोलिंग पर भी छलका दर्द**

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने आईपीएल 2026 के दौरान विराट कोहली के साथ विवाद और उसके बाद हुई सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर पहली बार खुलकर अपनी बात रखी है. हेड ने उन सभी अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच के बाद उनके और विराट कोहली के रिश्तों में खटास आ गई थी. दरअसल, मैच खत्म होने के बाद कैमरे में एक ऐसा दृश्य कैद हुआ था, जिसमें देखा गया कि विराट कोहली ने ट्रेविस हेड से हाथ नहीं मिलाया. इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों

खिलाड़ियों के बीच मनमुटाव की खबरें तेजी से फैल गईं. हालांकि अब हेड ने खुद इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है. कोड स्पोर्ट्स से बातचीत में ट्रैहेड ने कहा कि विराट कोहली के साथ उनके रिश्ते सामान्य हैं और किसी तरह के विवाद की बात पूरी तरह बेबुनियाद है. उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि पैच-अप करने जैसा कुछ है. ऐसी कोई बात ही नहीं है. टूर्नामेंट जैसा चला, वैसा ही सब कुछ हुआ. इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं थी.' हेड के इस बयान के बाद विराट और उनके बीच विवाद की सभी अटकलों पर विराम लग गया है. हेड ने बताया कि मैदान पर होने वाली घटनाओं को वह एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर संभाल लेते हैं, लेकिन जब सोशल मीडिया पर उनके परिवार को निशाना बनाया गया तो स्थिति काफी अलग हो गई.

ट्रेविस हेड का दर्द छलक पड़ा

उन्होंने कहा, 'जेसिका और मैं चीजों को सही नजरिए से देखते हैं. हम जानते हैं कि यह उसी दुनिया का हिस्सा है, जिसमें हम रहते हैं. लेकिन असली परेशानी तब हुई, जब मामला परिवार के दूसरे सदस्यों तक पहुंच गया. वे लोग ऐसी चीजें देखने के आदी नहीं हैं.' विवाद के दौरान ट्रेविस हेड की पत्नी जेसिका हेड को भी सोशल मीडिया पर कई आपत्तिजनक संदेश मिले थे. ट्रेविस हेड ने कहा कि उनकी पत्नी ने पूरे मामले को बेहद परिपक्वता के साथ संभाला. उन्होंने कहा, 'कुछ दिनों बाद लोग सब भूल जाते हैं. जेसिका ने इस पूरे मामले को शानदार तरीके से संभाला. असली चुनौती यह होती है कि परिवार के बाकी लोग इन चीजों को किस तरह लेते हैं.'

हेड ने साफ संकेत दिया कि खिलाड़ियों की आलोचना खेल का हिस्सा हो सकती है, लेकिन उनके परिवार को सोशल मीडिया पर निशाना बनाना सही नहीं है.

सीडब्ल्यूजी: डे-2

भारत को पहला पदक, झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में जीता कांस्य

ग्लास्गो, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेल 2026 के दूसरे दिन भारत को पहला पदक मिला। झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में कांस्य पदक जीता। अन्य खेलों में देश के खिलाड़ियों का हाल कैसा रहा? पैरा तैराकी समेत अन्य खेलों में किन भारतीय खिलाड़ियों ने कैसा प्रदर्शन किया? कौन नजदीकी अंतर से पदक से चूक गए? राष्ट्रमंडल खेल 2026 का दूसरा दिन फिलहाल जारी है। पैरा तैराकी और पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत को निराशा मिली है।

पुरुष और महिला दोनों वर्ग में भारत पदक लाने के करीब था, लेकिन अंत में पिछड़ गया। वहीं, पैरा तैराकी में बुडिगिना काफी करीब से कांस्य अपने नाम नहीं कर सके। आइए जानते हैं राष्ट्रमंडल खेल के दूसरे दिन क्या-क्या हुआ? ग्लास्गो में भारत को पहला पदक किसने दिलाया? पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के पदक का खोल दिया है। पुरुष हेवीवेट के फाइनल में झंडू ने 130.9 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। झंडू ग्रुप बी में शीर्ष पर थे और एक समय स्वर्ण पदक जीतने के करीब थे, लेकिन नाइजीरिया के रिलुवान इदरिस और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने उन्हें तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इदरिस ने 132.8 अंकों के साथ स्वर्ण और हार्डिंग ने 131 अंक के साथ रजत अपने नाम किया। भारत के एक अन्य पैरा पावरलिफ्टर सुधीर 114.1 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे।

'माइकल फेल्प्स', चाड ले क्लोस बने इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट

ग्लास्गो, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तैराक चाड ले क्लोस कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे सफल पुरुष एथलीट बन गए हैं। ग्लास्गो में हो रहे गेम्स के दूसरे दिन पुरुषों की 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल रिले में अपनी टीम के साथ मिलकर उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास के सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। 34 साल के क्लोस ने 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स डेब्यू किया था। वह 5वीं बार गेम्स में हिस्सा ले रहे हैं। ओलंपिक में सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड अमेरिका के दिग्गज स्विमर माइकल फेल्प्स के नाम है।

चाड ले क्लोस के 19 मेडल हुए

ब्रॉज मेडल के साथ ही चाड ले क्लोस के करियर में कॉमनवेल्थ गेम्स पदकों की संख्या 19 हो गई है। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के निशानेबाज फिल एडम्स और इंग्लैंड के माइक गॉल्ट को पीछे छोड़ दिया है। दोनों ने ही 19-19 मेडल जीते थे। रिकॉर्ड बनाने के बाद भावुक ले क्लोस ने कहा- मुझे ब्रॉन्ज मेडल पर नहीं गोल्ड मेडल पर रोना चाहिए था, लेकिन सच कहूं तो यह उपलब्धि मेरे लिए दुनिया के बराबर है।

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह गर्व के साथ फुटबॉल से विदा ले रहे हैं। 38 वर्षीय डिफेंडर के अनुसार, उन्होंने नेशनल टीम की जर्सी पहनते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। इस अनुभवी सेंटर-बैक खिलाड़ी ने 17 साल से ज्यादा समय तक अर्जेंटीना की ओर से खेलने के बाद रिटायरमेंट की घोषणा की है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए 139 मैच खेले और फीफा वर्ल्ड कप तथा दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। उन्होंने अपने विदाई संदेश को अपने करियर का सबसे मुश्किल पल बताया। अर्जेंटीना की 'गोल्डन जेनरेशन' के अहम खिलाड़ी ओटामेंडी ने चार फीफा वर्ल्ड

निकोलस ने किया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं

कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और देश के सबसे सफल डिफेंडरों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाई। ओटामेंडी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'आज मुझे अपने पूरे करियर के सबसे मुश्किल शब्द लिखने पड़ रहे हैं। मैंने बहुत कम उम्र से ही अर्जेंटीना की नेशनल टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था; यह फुटबॉल से मिला मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। मैंने पूरी शिद्दत, गर्व और इस जिम्मेदारी के एहसास के साथ इसका बचाव किया कि लाखों अर्जेंटीना वासियों के लिए इसका क्या मतलब है। ओटामेंडी ने अर्जेंटीना के लिए अपना आखिरी मैच फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच के रूप में खेला। इस मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के हाथों 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। निराशाजनक नतीजे के बावजूद, ओटामेंडी ने कहा कि उन्हें टीम की कोशिश पर गर्व है। 'किस्मत को यही मंजूर था कि मेरा आखिरी मैच वर्ल्ड कप फाइनल हो। नतीजा वैसा नहीं रहा जैसा हम चाहते थे, लेकिन मैं गर्व के साथ विदा ले रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि इस ग्रुप ने आखिरी सेकंड तक कोशिश की। उन्होंने आगे लिखा, 'मैं इस सुकून के साथ विदा ले रहा हूं कि मैंने मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया। मैंने कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ी, कभी भरोसा नहीं खोया और हमेशा यही महसूस किया कि यह जर्सी मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान थी। '

वेस्टइंडीज की टीम में इस 'मिस्ट्री स्पिनर' की एंट्री

पाकिस्तानी बैटर्स की उड़ेगी नींद!

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी. यह सीरीज 25 जुलाई से 6 अगस्त तक खेली जाएगी और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी. ऐसे में दोनों टीमों के लिए ये सीरीज काफी अहम है. श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में 1-0 से टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम के अधिकांश खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है. अनुभवी ऑलराउंडर रोस्टन चेज विंडीज की टीम की कमान संभालते रहेंगे. उधर बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशप को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है. 26 साल के बिशप का घरेलू रिकॉर्ड काफी शानदार रहा है. उन्होंने सिर्फ 25 फर्स्ट क्लास मैचों में 23.90 की औसत से 116 विकेट झटके हैं. वहीं उन्होंने फर्स्ट क्लास मैचों में 30.76 के एवरेज से 1046 रन बनाए हैं. बिशप ने 54 लिस्ट-ए मैचों में 79 और 16 टी20 मुकाबलों में 12 विकेट भी चटकाए हैं.

मैकेंजी की टीम में वापसी: 25 वर्षीय ओपनिंग बल्लेबाज किर्क मैकेंजी की टेस्ट टीम में वापसी हुई है. उन्होंने आखिरी टेस्ट 2024 में इंग्लैंड दौरे पर खेला था .मैकेंजी ने वेस्टइंडीज चैंपियनशिप के हालिया सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने छह पारियों में 323 रन बनाए और उनका औसत 64.60 रहा. शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने टीम में वापसी की है.

भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का दिल्ली में आयोजन!

● तारीखों में हो सकता है बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि सितंबर में वह नई दिल्ली में भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज की मेजबानी के लिए तैयार है। हालांकि, बांग्लादेश और भारत के बीच सीरीज पर अभी असमंजस जारी है।

फिलहाल अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में होने वाली सीरीज की तारीखें 13, 15 और 17 सितंबर बताई गई हैं। मगर भारत और बांग्लादेश सीरीज के चलते इसकी तारीखें बदल सकती

हैं, मगर सीरीज होना पक्का है। आपको बता दें कि रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच छह मैचों की व्हाइट बॉल सीरीज (तीन टी20 और तीन वनडे) की उम्मीदें अभी बरकरार हैं। शुक्रवार को यह खबर सामने आई है कि भारतीय सरकार ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 18वें BRICS सम्मेलन (जो सितंबर में होना है) के लिए आमंत्रित किया है।

इसके बाद उम्मीदें हैं कि दोनों क्रिकेट बोर्ड और सरकारों के बीच संबंध फिर पुराने जैसे हो जाएंगे। जानकारी के मुताबिक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि वह भारत के खिलाफ 1 से 13 सितंबर तक सीरीज की मेजबानी कर सकती है। इसी कारण भारत और अफगानिस्तान सीरीज की तारीखें थोड़ी बदल सकती हैं। क्रिकबज ने पहले इस बात की जानकारी दी थी कि बांग्लादेश बोर्ड के द्वारा मीडिया राइट्स के लिए अभी EoI दस्तावेज नहीं जारी किए गए हैं। पहले सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों के कारण भारत के बांग्लादेश को आगे बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई थी।

खुद को बार-बार बदलना ही सबसे बड़ी चुनौती

सिंगर-गीतकार के रूप में की नई शुरुआत

हॉरर फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री टिया बाजपेयी इन दिनों अपने नए म्यूजिक सिंगल 'नंबर 1' को लेकर चर्चा में हैं। इस गाने में उन्होंने सिर्फ अभिनय नहीं किया, बल्कि इसके बोल भी खुद लिखे हैं। टिया का कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बेहद खास है, क्योंकि इसके जरिए वह एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में दर्शकों के सामने आई हैं।

टिया बाजपेयी ने अनुभव साझा करते हुए कहा, ''मेरे लिए कलाकार होने का मतलब कभी सिर्फ एक ही क्षेत्र तक सीमित रहना नहीं रहा। अभिनय और संगीत, दोनों ही मेरे दिल के बेहद करीब हैं। 'नंबर 1' के जरिए मुझे पहली बार इन दोनों चीजों को एक साथ जोड़ने का मौका मिला। इस गाने के बोल लिखना और फिर उसी पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर परफॉर्म करना बेहद संतोष देने वाला अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ''किसी भी कलाकार के लिए खुद को नए रूप में पेश करना सबसे बड़ी चुनौती होती है। मैं खुश हूं कि अब दर्शक मुझे एक साथ अभिनेत्री, गायिका और गीतकार के रूप में देख रहे हैं। उम्मीद है कि वे मेरे नए रूप को भी उतना ही पसंद करेंगे, जितना अब तक मेरे काम को करते आए हैं।'' टिया ने गाने की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, ''रेगिस्तान में शूटिंग के दौरान मेरी फरारी रेत में फंस गई थी। प्रोडक्शन टीम मेरी ही फरारी का इस्तेमाल शूटिंग के लिए कर रही थी, इसलिए उसे बाहर निकालना जरूरी था। करीब नौ लोगों ने मिलकर कार को धक्का लगाया, तब जाकर वह रेत से बाहर निकली। शायद पहली बार किसी फरारी का इस्तेमाल प्रोडक्शन कार और मेरी निजी वॉर्डरोब कार के रूप में किया गया।'' 'नंबर 1' टिया बाजपेयी का पहला ऐसा म्यूजिक वीडियो है, जिसमें वह लीड रोल में नजर आ रही हैं। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय, गायकी और गीत लेखन के सफर में नया कदम माना जा रहा है।

फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं रकुल प्रीत सिंह

रणबीर कपूर और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनकर रकुल प्रीत सिंह बेहद खुश हैं। बीते दिन शनिवार को इस फिल्म का भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट आयोजित किया गया। इस मौके पर रकुल प्रीत सिंह भी शामिल हुईं। फिल्म में काम करने को लेकर अभिनेत्री बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जताई है। रकुल प्रीत सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिनेमा से भी आगे की एक यात्रा बताया है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने 'रामायण' के भव्य ट्रेलर लॉन्च इवेंट की झलकियां शेयर कीं। साथ ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के बारे में बात की। इवेंट में रकुल प्रीत येलो कलर की ड्रेस में नजर आईं।

उन्होंने लिखा है, 'एक ऐसी चीज का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, जो जिंदगी और सिनेमा से भी कहीं बड़ी है। हमारा इतिहास, हमारी विरासत, हमारी रामायण। हम दुनिया के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह एहसास सचमुच शब्दों से परे है। आप सभी के हमारे साथ इस दुनिया में कदम रखने का बेसब्री से इंतजार है'।

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में शूर्पणखा की भूमिका में देखा जाएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में होंगे। वहीं, साई पल्लवी माता सीता का रोल कर रही हैं। एक्टर यश रावण की अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी।

सामंथा ने करण जौहर को बताया 'नाखुश शादियों' की वजह

सामंथा रुथ प्रभु जब फिल्ममेकर करण जौहर के मशहूर शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 7 में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने करण को लेकर एक मजेदार लेकिन तीखी बात कही। शो में उनके साथ बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार भी मौजूद थे। सामंथा ने करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' से मजाक में कहा कि देश में होने वाली कई नाखुश शादियों के जिम्मेदार कहीं न कहीं वही हैं। सामंथा ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि करण ने अपनी फिल्मों में शादी, महंगे लहंगे और गानों को इतने शानदार तरीके से दिखाया है कि लोगों की उम्मीदें हकीकत से बहुत दूर हो गई हैं। सामंथा ने कहा, 'बचपन से ही आपने लोगों को दिखाया है कि जिंदगी 'कभी खुशी कभी गम' जैसी खूबसूरत होती है, जबकि असल जिंदगी 'केजीएफ' जैसी मुश्किलों से भरी होती है।'

कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत

भोजपुरी अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भोजपुरी सिनेमा को लेकर लंबे समय से हो रही आलोचनाओं पर अपनी बात रखी है। आलोचकों ने भोजपुरी सिनेमा में महिलाओं को वस्तु की तरह दिखाने और अश्लील कंटेंट को बढ़ावा देने जैसे आरोप लगाए हैं। इस पर निरहुआ ने कहा कि कुछ प्रोजेक्ट के आधार पर पूरी फिल्म इंडस्ट्री को आंकना गलत है। निरहुआ ने कहा कि हर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री अलग-अलग तरह का कंटेंट बनाती है और सिर्फ भोजपुरी सिनेमा को ही अलग करके नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री में हर तरह की फिल्में और हर तरह का कंटेंट बनता है जैसे बॉलीवुड, साउथ इंडियन सिनेमा, भोजपुरी सिनेमा और मराठी सिनेमा हैं, वैसे ही हर इंडस्ट्री दर्शकों के हर वर्ग की पसंद का ध्यान रखती है।' भोजपुरी फिल्मों में ज्यादातर आपत्तिजनक कंटेंट होने के सवाल पर निरहुआ ने कहा, 'जब हम सिर्फ एक खास तरह के काम को ही दिखाते हैं तो ऐसा लगने लगता है कि वहां बस वैसा ही काम हो रहा है। यह सच नहीं है। अच्छा और बुरा काम हर जगह होता है।' एक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कमियां हर इंडस्ट्री में होती हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री की पहचान नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं एक बहुत अच्छी बात कहूंगा, 'लाख बुराइयां सबमें होती हैं। कोई भी इंसान कमियों से परे नहीं होता। ऐसा कोई बाग दिखा दीजिए जहां गुलाब में कांटे न हों। यह हर जगह होता है। बस कुछ चीजें अधिक दिखाई जाती हैं, इसलिए लोगों को लगने लगता है कि वहां बस वही सब है।'

भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े स्टार्स में से एक निरहुआ ने कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई है, जिनमें 'निरहुआ रिक्शावाला', 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'पटना से पाकिस्तान', 'बॉर्डर', 'सिपाही', 'जिगरवाला' और 'निरहुआ चलल लंदन' शामिल हैं। खासकर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय रही है। भोजपुरी फिल्मों के अलावा इस एक्टर ने हिंदी एंटरटेनमेंट की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में उन्हें ओटीटी सीरीज 'ग्राम चिकित्सालय' सीजन 2 में देखा गया, जिसमें दर्शकों ने उनके काम को काफी पसंद किया। दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों ने ही इस शो की खूब तारीफ की। इस शो में अमोल पाराशर, विनय पाठक और आकांक्षा रंजन भी अहम भूमिकाओं में थे।

जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं कृति सेनन, हॉलीवुड फिल्म 'ऑब्सेशन' ने बदली सोच

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

'ऑब्सेशन' ने सोचने पर मजबूर किया

कृति सेनन ने हाल ही में 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया।

कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'।

सेफ नहीं चलना

कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक

टीवी अभिनेत्री जयति भाटिया लंबे समय से छोटे पर्दे पर दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन नकारात्मक भूमिकाओं में उनकी पहचान सबसे ज्यादा मजबूत रही है। इन दिनों वह टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं।

पर्दे पर खलनायिका का किरदार निभाना जितना आसान दिखाई देता है, असल में उसे घंटों तक जीना किसी कलाकार के लिए बड़ी चुनौती है। जयति भाटिया ने इसी अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निगेटिव है। अभिनेत्री ने बताया कि कहानी में जैसे-जैसे नए मोड़ आते गए, वैसे-वैसे शारदा का नकारात्मक पक्ष भी मजबूत होता गया। ऐसे में रोजाना 12 से 14 घंटे तक उसी सोच और भावनाओं के साथ काम करना एक बड़ी चुनौती बन गया।

उन्होंने कहा, ''पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से इस किरदार को निभाना मेरे अभिनय सफर का बेहद खास हिस्सा रहा है। हर नए एपिसोड और हर नए ट्रैक के साथ शारदा का स्वभाव और ज्यादा चालाक, साजिश करने वाला और नकारात्मक होता गया। ऐसे में हर दिन 12 से 14 घंटे तक उसी मानसिक स्थिति में बने रहना आसान नहीं होता। इस किरदार ने मेरे अभिनय के स्तर को काफी मजबूत बनाया है और हर दिन कुछ नया सीखने का मौका दिया है।'' अभिनेत्री ने साफ किया कि वह शूटिंग खत्म होने के बाद खुद को किरदार से पूरी तरह अलग कर लेती हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे ही पैकअप होता है, मैं शारदा को सेट पर ही छोड़ देती हूं और फिर दोबारा जयति बन जाती हूं। मेरे लिए यह जरूरी है, ताकि मैं अपनी निजी जिंदगी को इस किरदार से प्रभावित न होने दूं। अगर कलाकार ऐसा न करे तो लगातार नकारात्मक किरदार निभाना मानसिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है।''

असली जिंदगी में मैं ऐसी नहीं हूं

सेट पर सभी कलाकार अच्छी तरह जानते हैं कि शारदा सिर्फ किरदार है, असली जिंदगी में मैं ऐसी बिल्कुल नहीं हूं। कैमरे के पीछे हम सभी साथ बैठकर हंसते हैं, बातें करते हैं और अच्छा समय बिताते हैं। इस माहौल की वजह से मुझे अपने किरदार के तनाव से बाहर आने में भी काफी मदद मिलती है।'' अभिनेत्री ने दर्शकों की प्रतिक्रिया पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''जब दर्शक शारदा पर गुस्सा होते हैं या उसके कामों की आलोचना करते हैं, तो मैं इसे अपनी तारीफ मानती हूं। इसका मतलब है कि उन्होंने मुझे इस किरदार में पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। मैं ऐसी प्रतिक्रियाओं को कभी व्यक्तिगत तौर पर नहीं लेती। बल्कि यही बातें मुझे शारदा के किरदार को और ज्यादा सच्चाई और मजबूती के साथ निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। मेरे लिए एक मजबूत नकारात्मक किरदार निभाने का यही सबसे बड़ा इनाम है।''

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है।

वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को।

परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है ? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबु आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कही भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ
से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।